www.navpradesh.com

दैनिक **नवप्रदेश**

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 9 | कारोबार/खेल

बिलासपुर, सोमवार, 10 अगस्त 2026 कृष्ण पक्ष-द्वादशी, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-12 अंक- 120 पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

रामगिरि पर्वत की गुफा में विराजे गुप्तेश्वर महादेव, सदियों से आस्था का उजियारा

■ बस्तर-ओडिशा की सीमा पर 'गुप्त केदार', प्रकृति और अध्यात्म का अनोखा संगम

अनिल सामंत

जगदलपुर/नवप्रदेश। सावन के सोमवार पर जब बस्तर अंचल में हर-हर महादेव के जयकारे गूंजते हैं, उसी समय बस्तर की सीमा से लगे ओडिशा के कोरापुट जिले के रामगिरि पर्वत की गुफा में विराजे भगवान गुप्तेश्वर महादेव के दर्शन के लिए भी श्रद्धालुओं की आस्था उमड़ पड़ती है। बैपारिगुड़ा विकासखंड के घने जंगलों, पहाड़ियों और नदी से घिरे इस प्राकृतिक गुफा मंदिर को 'गुप्त केदार' भी कहा जाता है। गुफा के भीतर स्वयंभू माने जाने वाले विशाल शिवलिंग के दर्शन के लिए छत्तीसगढ़ और ओडिशा के अलावा आसपास के क्षेत्रों से भी श्रद्धालु पहुंचते हैं।

गुप्तेश्वर की खासियत केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है। यह पूरा क्षेत्र प्रकृति और अध्यात्म का ■ शेष पृष्ठ 8 पर

हर साल बढ़ता है शिवलिंग? आस्था में गहरा रहस्य

गुप्तेश्वर गुफा का सबसे बड़ा आकर्षण यहां विराजित विशाल शिवलिंग है। श्रद्धालुओं में दृढ़ विश्वास है कि यह शिवलिंग लगातार बढ़ रहा है। सरकारी पर्यटन सामग्री भी इसे 'एवर ग्रोइंग' यानी लगातार बढ़ने वाला शिवलिंग बताती है। वर्तमान पर्यटन विवरण में इसकी ऊंचाई लगभग तीन मीटर बताई गई है, जबकि कोरापुट जिला प्रशासन की पुरानी पर्यटन पुस्तिका में इसे करीब दो मीटर बताया गया था।

प्राकृतिक संरचना श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र

गुफा परिसर में एक अन्य प्राकृतिक संरचना भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र है। दूसरी गुफा में चूना पत्थर की एक संरचना से बूंद-बूंद पानी टपकता है, जिसे श्रद्धालु कामधेनु का थन मानकर उसकी बूंदों को पवित्र जल के रूप में ग्रहण करते हैं। गुफा के भीतर प्राकृतिक रूप से बनी चूना पत्थर की संरचनाएं इस स्थान की आध्यात्मिक अनुभूति को और गहरा करती हैं।

सावन में बोल बम की परंपरा भी विशेष आकर्षण

सावन में श्रद्धालु पैदल यात्रा करते हुए पवित्र जल लेकर गुप्तेश्वर पहुंचते हैं और भगवान शिव का अभिषेक करते हैं। महाशिवरात्रि पर भी यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। सरकारी पर्यटन स्रोत के अनुसार प्रमुख पर्वों पर ओडिशा, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश से दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने का उल्लेख मिलता है।

गुप्तेश्वर की यात्रा किसी तीर्थ-अनुभव से कम नहीं

जगदलपुर और बस्तर अंचल से गुप्तेश्वर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह यात्रा केवल मंदिर तक पहुंचने की नहीं, बल्कि जंगल, पहाड़ और नदी के बीच आस्था की यात्रा है। रामगिरि की हरियाली, कोलाब-सबरी नदी क्षेत्र का प्राकृतिक परिवेश और गुफा के भीतर महादेव के दर्शन श्रद्धालुओं को अलग अनुभूति कराते हैं।

■ छत्तीसगढ़ के शिवधाम पर विशेष पृष्ठ 12 भी देखें...

गुप्तेश्वर को साधारण शिव मंदिरों से अलग पहचान देते

गुप्तेश्वर नाम ही बताता है इसकी कहानी—घने जंगल और पहाड़ के भीतर गुफा में छिपे भगवान शिव, जिनके दर्शन के लिए सावन में दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंचते हैं। आस्था कहती है कि महादेव का स्वरूप बढ़ रहा है और इतिहास बताता है कि 17वीं सदी में एक शिकारी ने इस गुफा को फिर दुनिया के सामने लाया। यही इतिहास, रहस्य और आस्था गुप्तेश्वर को साधारण शिव मंदिरों से अलग पहचान देते हैं।

आज बेबाक

संसद के मानसून सत्र में भी जनता के गाढ़े खून पसीने का करोड़ों रुपया व्यर्थ बह रहा है। विपक्ष बीस दिनों से हंगामा कर सदन की कार्रवाई को बाधित कर चुका है। सदन में सरकार से सवाल करने की जगह सदन से बाहर बवाल काट रहा है। संसद की कार्रवाई पर प्रति मिनट ढाई लाख रुपये खर्च होता है। किन्तु इसकी किसी को फिक्र नहीं है। ऐसा लगता है कि विपक्ष ने हंगामा खड़ा करना ही अपना मकसद बना रखा है। अब समय आ गया है कि माननीयों के लिए भी जितना काम उतना दाम का नियम लागू किया जाए।

मानसून सत्र: कांग्रेस ने राज्यसभा और लोकसभा में अपने सांसदों के लिए जारी किया व्हिप

एफसीआरए संशोधन विधेयक का विरोध करने की तैयारी में विपक्ष

■ बिल पारित हुआ तो विदेशी फंड पर सरकार का नियंत्रण हो जाएगा मजबूत

नई दिल्ली/नवप्रदेश। विपक्ष मोदी सरकार के फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन अमेंडमेंट (एफसीआरए) बिल 2026 का कड़ा विरोध करने की तैयारी कर रहा है, जिसे इस सप्ताह संसद में पेश किए जाने की उम्मीद है। इस संशोधन के अनुसार, यदि किसी संगठन का रजिस्ट्रेशन रद्द हो जाता है, तो विदेशी फंड से बनी संपत्तियों पर सरकार का नियंत्रण और मजबूत हो जाएगा।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने स्पष्ट किया है कि विपक्ष सरकार के इस कदम को रोकने की योजना बना रहा है, इस पर सोमवार को अंतिम फैसला लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी पार्टियों, विशेषकर फ्लोर लीडर्स की बैठक बुलाने के बाद ही आगे की रणनीति तय की जाएगी। इसी बीच, महत्वपूर्ण मामलों के पेश होने की उम्मीद में कांग्रेस ने राज्यसभा और लोकसभा में अपने सांसदों के लिए व्हिप जारी किया है। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

क्या है विवाद के मुख्य बिंदु?

इस बिल को लेकर सबसे ज्यादा विवाद तीन अहम धाराओं धारा 14बी, धारा 16ए और धारा 16बीको लेकर हो रहा है। धारा 14बी मुख्य रूप से एफसीआरए सर्टिफिकेट के रद्द होने से संबंधित है। इसके तहत अगर कोई संस्था रिन्यूअल के लिए अप्लाई नहीं करती है, उसका रिन्यूअल खारिज हो जाता है या बिना रिन्यू हुए सर्टिफिकेट की मियाद खत्म हो जाती है, तो उसे हमेशा के लिए समाप्त मान लिया जाएगा। इसके बाद धारा 16ए का प्रस्ताव लागू होगा, जिसके तहत जिस संस्था का सर्टिफिकेशन खत्म हो गया है, उसे मिले विदेशी फंड और उससे जुड़ी संपत्तियां डेजिग्नेटेड अथॉरिटी के पास चली जाएंगी। वहीं, धारा 16बी को सबसे अधिक विवादास्पद माना जा रहा है क्योंकि यह पुराने कानून के तहत पहले से मौजूद संपत्तियों पर भी नए नियमों को लागू करने की अनुमति देती है।

क्षेत्रीय दलों और धार्मिक संगठनों की चिंता?

रष्ट्रीय दलों के अलावा क्षेत्रीय दल भी इस मुद्दे पर मुखर हैं। मिजोरम कांग्रेस ने इस बिल के विरोध में आइजोल में प्रदर्शन किया और कहा कि इससे कानूनी रास्ता अपनाना और भी मुश्किल हो जाएगा। इस बीच, मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर अपनी क्षेत्रीय चिंताएं जाहिर की हैं। गृह मंत्री ने ईसाई समुदाय के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की है, जिन्होंने बिल के प्रावधानों पर कड़ी आपत्ति जताई थी। दक्षिण भारत में भी इसका व्यापक विरोध हो रहा है।

क्या है एफसीआरए बिल-2026

फॉरेन कंट्रीब्यूशन (रेगुलेशन) अमेंडमेंट बिल 2026 का मुख्य उद्देश्य फॉरेन कंट्रीब्यूशन (रेगुलेशन) एक्ट 2010 में संशोधन करना है। यह मूल कानून व्यक्तियों, संघों और संगठनों को मिलने वाले विदेशी चंदे को नियंत्रित करता है। इस साल 15 जुलाई के आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, देश में 14,449 स्वक्र रजिस्ट्रेशन सक्रिय थे, जबकि 22,498 रद्द हो चुके है और 15,212 की समय-सीमा समाप्त हो गई थी। इस नए बिल में एक डेजिग्नेटेड अथॉरिटी बनाने का प्रस्ताव रखा गया है। यदि किसी संस्था का स्वक्र रजिस्ट्रेशन रद्द होता है, सरेंडर होता है या उसकी समय-सीमा खत्म होती है, तो यह अथॉरिटी विदेशी चंदे का नियंत्रण सीधे अपने हाथ में ले लेगी। ऐसे विदेशी फंड से बनाई गई संपत्तियां शुरुआत में इसी अथॉरिटी के नियंत्रण में रहेंगी और अगर संस्था तय समय में अपना रजिस्ट्रेशन दोबारा नहीं करा पाती है, तो इन संपत्तियों को पूरी तरह से सरकार को ट्रांसफर किया जा सकेगा। इसके अलावा, अथॉरिटी के पास संपत्तियों को मैनेज करने और जरूरत पड़ने पर ऐसी संस्थाओं की गतिविधियों पर नजर रखने का अधिकार भी होगा।

हॉस्टल के टॉयलेट में छात्र ने लगाई फांसी, प्रिंसिपल सस्पेंड

सक्ती/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में गुरुवार सुबह 9वीं के छात्र ने हॉस्टल के टॉयलेट में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिजनों ने प्रिंसिपल पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि प्रिंसिपल छोटी-छोटी बातों पर डांटता और प्रताड़ित करता था। सुसाइड की सूचना भी थाने में नहीं दी गई। मामला सामने आने के बाद राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति के आयुक्त ने प्रिंसिपल को सस्पेंड कर दिया है। मामला बाराद्वार थाना क्षेत्र का है।

हूतियों ने सऊदी की सबसे बड़ी रिफाइनरी पर दागे ड्रोन

तेहरान/ए.। मिडिल ईस्ट के देशों में एक बार फिर से तनाव काफी बढ़ गया है। यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के दक्षिण-पश्चिम में स्थित अरामको ऑयल फैसिलिटी पर ड्रोन से हमला करने का दावा किया है. इस हमले के बाद इलाके में सुरक्षा को लेकर हलचल तेज हो गई है।

हूती विद्रोहियों के सैन्य प्रवक्ता याह्या सारी ने बयान जारी कर बताया कि उन्होंने जिजान शहर में मौजूद अरामको की एक रिफाइनरी को ■ शेष पृष्ठ 8 पर

जब तक शर्तें पूरी नहीं, बातचीत नहीं : ईरान

ईरान ने अमेरिका के साथ बातचीत को लेकर अपना रुख कड़ा कर लिया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने साफ कहा कि अमेरिका के साथ मध्यस्थों के जरिए बातचीत हो तो रही है, लेकिन इसे सीधी बातचीत नहीं कहा जा सकता।

जेन-जी को भटकाने की कोशिश हुई: प्रधान

भुनेश्वर/ए.। देश के पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पहली बार अपने इस्तीफे पर बयान दिया। उन्होंने कहा, 'जेन-जी हमारे ही बच्चे हैं। कुछ लोगों ने उन्हें भटकाने की कोशिश की। मैंने पीएम मोदी से बातचीत करने के बाद ही पद छोड़ा।' उन्होंने कहा, 'जेन-जी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश के युवाओं के संकल्प और आकांक्षाओं के सामने शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारियां बहुत छोटी हैं। इसलिए मेरे लिए पद जरूरी नहीं था।' प्रधान ने ये बात शनिवार को भुवनेश्वर की जीएम यूनिवर्सिटी में कही। यहां उन्होंने छात्रों और शिक्षकों को संबोधित किया।

पूर्व सीएम ममता बनर्जी की कार पर पत्थरों-जूतों और कीचड़ से हमला

■ चोर-चोर के लगे नारे, ममता बोलीं- हमले में मैं मर भी सकती थी...

कोलकाता/ए.। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की कार पर हमला हुआ है। जब वह नॉर्थ 24 परगना में एक टीएमसी कार्यकर्ता के घर जा रही थीं, तब उनकी गाड़ी पर कुछ लोगों ने पत्थरों, जूतों और कीचड़ से हमला कर दिया। ममता बनर्जी ने दावा किया कि उनकी कार पर बड़े-बड़े पत्थर ■ शेष पृष्ठ 8 पर

मेरा सिर फूट सकता था, मर भी सकती थी...

पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि उनकी गाड़ी पर बड़ी ईंटें भी फेंकी गईं। उन्होंने कहा, 'मेरा सिर फूट सकता था। मैं यहीं मर सकती थी। उन्होंने भाजपा की राज्य सरकार पर उन्हें निशाना बनाने के लिए गुंडों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी पर भी निशाना साधा और कहा कि उन्हें पुलिस से कोई खास गुस्सा नहीं है, लेकिन आरोप लगाया कि राज्य सरकार के कहने पर फोर्स का इस्तेमाल किया जा रहा है। बनर्जी ने कहा, 'पुलिस गुंडों को बचा रही है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी इस मामले को कानूनी तौर पर आगे बढ़ाएगी।

187 करोड़ की हेराफेरी, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर पर ईडी का शिकंजा

■ ईडी मनी लांड्रिंग मामले में दाखिल की चार्जशीट

नई दिल्ली/ए.। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 187 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, सतीश सेठ और अन्य लोगों के खिलाफ स्पेशल कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है। यह मामला साल 2010 के दौरान सड़क निर्माण परियोजनाओं से जुड़े फंड के कथित गलत इस्तेमाल और फर्जीवाड़े से जुड़ा हुआ है।

दरअसल, प्रवर्तन निदेशालय ने यह कार्रवाई इस साल 11 फरवरी को मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ईओडब्ल्यू ■ शेष पृष्ठ 8 पर

संपत्तियां पहले ही कुर्क

कानूनी शिकंजा कसते हुए ईडी ने इस मामले में पहले ही बड़ी कार्रवाई की थी। 3 अगस्त को केंद्रीय जांच एजेंसी ने इस मामले से जुड़ी 187 करोड़ रुपये की संपत्तियों को प्रोविजनल तौर पर अटैच कर लिया था। इन कुर्क की गई संपत्तियों में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की ओर से रखी गई रिलायंस पावर लिमिटेड की इक्विटी शेयर और अचल संपत्तियां और क्षीराब्ध कंस्ट्रक्शंस प्राइवेट लिमिटेड की जमीन शामिल है।

विधानसभा घेराव से पहले सरकार सतर्क

■ प्रदर्शनकारी देवेंद्र महतो से मंत्रियों ने की बात

रांची/ए.। झारखंड के रांची में जेपीएससी, जेएसएससी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी के खिलाफ छात्रों का प्रदर्शन 16वें दिन भी जारी रहा। 10 अगस्त को प्रस्तावित विधानसभा घेराव से पहले हेमंत सोरेन सरकार ने बातचीत तेज कर दी। मंत्रियों ने जेपीएससी-जेएसएससी न्याय मंच के प्रतिनिधियों से बैठक की। साथ ही देवेंद्र नाथ महतो से वीडियो कॉल पर भी बात हुई।

अब सभी की नजर इस पर है कि बातचीत का कोई हल निकलता है या छात्र अपने तय कार्यक्रम पर आगे बढ़ते हैं। रांची के राजकीय अतिथिशाला सभागार में मंत्रियों और जेपीएससी-जेएसएससी न्याय मंच के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत हुई। बैठक में छात्रों की मांगों पर चर्चा की गई। इस दौरान अनशन पर बैठे देवेंद्र नाथ महतो से मंत्रियों ने वीडियो कॉल पर भी बात की। सरकार का कहना है कि बातचीत के जरिए समाधान निकालने की कोशिश ■ शेष पृष्ठ 8 पर

युवाओं को गुमराह किया जा रहा : हेमंत सोरेन

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि कुछ लोग अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा के लिए युवाओं को गुमराह कर रहे हैं। उनके मुताबिक, युवाओं को किसी राजनीतिक सहारे की जरूरत नहीं है। अपने अधिकार और न्याय की मांग करना उनका हक है, इसलिए उन्होंने भरोसा दिलाया कि गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी और युवाओं को न्याय मिलेगा।

छत्तीसगढ़ में टूटा 10 साल के औसत बारिश का रिकॉर्ड

■ राज्य में 647.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज, 10 साल की औसत वर्षा 641.3 मि.मी. है

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में इस मानसून सीजन में बादलों की मेहरबानी लगातार जारी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी 9 अगस्त 2026 तक की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में अब तक औसत सामान्य वर्षा का 100.9 प्रतिशत पानी बरस चुका है। 1 जून से 9 अगस्त की अवधि में राज्य में औसतन 647.3 मि.मी. बारिश दर्ज की गई है, जो पिछले 10 वर्षों की औसत वर्षा (641.3 मि.मी.) के आंकड़े को पार कर चुकी है। केवल 9 अगस्त को ही प्रदेश में औसतन 27.9 मि.मी. झमाझम बारिश दर्ज की गई।

राज्य के मध्य छत्तीसगढ़ और मैदानी इलाकों में मानसून जमकर बरसा है, वहीं सरगुजा और बस्तर संभाग के कुछ जिलों में बारिश का आंकड़ा अब भी औसत से पीछे बना हुआ है। प्रदेश में सबसे अधिक बारिश सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में दर्ज ■ शेष पृष्ठ 8 पर

गरमा-गरम

5 लाख रुपये खेत में गाड़कर भूला किसान, दीमक चट कर गई रकम

जयपुर/ए.। राजस्थान के बालोतरा जिले में एक किसान को अपनी मेहनत की कमाई सुरक्षित रखने का ऐसा तरीका भारी पड़ गया कि लाखों रुपये देखते ही देखते कागज के टुकड़ों में बदल गए। पचपदरा थाना क्षेत्र के नेवाई गांव निवासी किसान मांगीलाल मेघवाल ने करीब एक साल पहले अपना प्लॉट बेचा था। इसके बदले उसे 5 लाख रुपये मिले थे।

दरअसल, मांगीलाल अपने परिवार के साथ खेत में बनी कच्ची ढाणी में रहता है। पचपदरा में मौजूद प्लॉट बेचने के बाद उसका इरादा खेत में पक्का कमरा बनवाने का था। रकम को चोरी होने और ■ शेष पृष्ठ 8 पर

बातचीत : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आप सांसद संजय सिंह के 'हाईजैक' वाले बयान पर किया पलटवार

डबल इंजन सरकार की वजह से छत्तीसगढ़ का तेजी से विकास: साय

रायपुर/नवप्रदेश। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह के केंद्र सरकार के प्रदेश सरकार को हाईजैक करने वाले बयान को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नकार दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसा कुछ भी नहीं है। बीते ढाई सालों में डबल इंजन की सरकार की वजह से छत्तीसगढ़ का तेजी से विकास हो रहा है।

कुनकुरी में आयोजित अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मीडिया से चर्चा में सांसद संजय सिंह के बयान पर कहा कि छत्तीसगढ़ में मोदी की गारंटी के हर काम को पूरा कर रहे हैं।18 लाख प्रधानमंत्री आवास किसानों का वादा पूरा कर रहे हैं। 70 लाख से ज्यादा महिलाओं को महतारी बंधन का पैसा हम दे रहे हैं। सभी क्षेत्र में विकास हो रहा है। बहुत अच्छा काम हो रहा है।

ई-20 पेट्रोल को लेकर 'मोदी सिर्फ वोटों की भाषा समझते हैं' वाले अरविंद केजरीवाल के बयान पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जिस तरह से मोदी जी 12 सालों में देश को आगे ले जा रहे हैं। उनका नारा है सबका साथ, सबका विकास। सबका विश्वास और सबका प्रयास। आज हर क्षेत्र में तेजी से देश विकास कर रहा है। इसको पूरा देश जान रहा है। चाहे वह आर्थिक क्षेत्र हो।12 साल पहले दसवें स्थान पर देश था। उसे चौथे स्थान पर लाकर खड़ा किए हैं। नए भारत का ■ शेष पृष्ठ 8 पर

कांग्रेस के पास नहीं कोई मुद्दा

बस्तर के कई गांवों में पहली बार तिरंगा फहराए जाने को प्रोपगेंडा बताए जाने पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि अब कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है। कायदे से खुश होना चाहिए। क्योंकि 4 दशकों से ज्यादा समय तक बस्तर नक्सलवाद से ग्रसित रहा है। जिसके खात्मे के बाद अब 90 से ज्यादा गांवों में तिरंगा फहराया जाएगा।

सरकार हाइजैक हो गई, दिल्ली से चल रहा शासन: संजय सिंह

रायपुर/नवप्रदेश। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने रविवार को रायपुर में प्रेसवार्ता कर छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ की सरकार को 'हाइजैक' कर लिया गया है और प्रदेश की सरकार केंद्र के इशारे पर चल रही है। संजय सिंह ने पेसा कानून, आदिवासी अधिकार, पेपर लीक, महिला आरक्षण और यूसीसी समेत कई मुद्दों पर सरकार को घेरा। संजय सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की परिस्थितियां ठीक नहीं हैं। उनका आरोप है कि प्रदेश की सरकार को हाइजैक कर लिया गया है और इसे देश के गृहमंत्री चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज और छत्तीसगढ़ के लोगों का ■ शेष पृष्ठ 8 पर

कभी भी खोला जा सकता है मिनीमाता बांगो जलाशय का गेट

■ मिनीमाता बांगो जलाशय में जल भराव 89.55 प्रतिशत

कोरबा /नवप्रदेश। मिनीमाता बांगो जलाशय में बारिश के साथ ही जलभराव में वृद्धि हुई है। बांगो जलाशय के कार्यपालन अभियंता श्री एस.के.भारती से प्राप्त जानकारी के अनुसार आज की स्थिति में बांगो जलाशय में जलभराव 89.55 प्रतिशत है। जलाशय में पानी की आवक बढ़ने पर कभी भी मिनीमाता जलाशय का गेट खोलकर पानी बहाया जा सकता है।

बाढ़ क्षेत्र से परिसम्पतियां हटाने की सूचना जारी

वर्षाकाल 2026 के दौरान आवश्यकता होने पर मिनी माता बांगो बांध माचाडोली से हसदेव नदी में पानी प्रवाहित किया जायेगा। कार्यपालन अभियंता श्री एस.के.भारती मिनीमाता हसदेव बांगो बांध संभाग क्रमांक 03 माचाडोली ने सर्व साधारण एवं कार्य संबंधितों को सूचित किया है कि मिनीमाता बांगो जलाशय में बारिश के साथ ही जलभराव में वृद्धि हुई है। आज की स्थिति में बांगो जलाशय में जल भराव मीटर 89.55 प्रतिशत है।

उक्त बांध से नीचे, हसदेव नदी के किनारे, बाढ़ क्षेत्र में स्थापित चल-अचल सम्पत्ति सुरक्षित स्थानों पर ले जायें। बाढ़ क्षेत्र में स्थापित खनिज खदान ठेकेदार, औद्योगिक इकाईयां, संस्थानों आदि को भी सूचित किया गया है कि वे अपनी परिसम्पत्तियों को बाढ़ क्षेत्र से बाहर कर लेवें। कार्यपालन अभियंता मिनीमाता बांगो बांध ने कहा है कि अकस्मात बाढ़ से होने वाली किसी भी प्रकार की क्षति के लिए जल संसाधन विभाग उत्तरदायी नहीं होगा। कार्यपालन अभियंता मिनीमाता बांगो बांध ने बाढ़ क्षेत्र में आने वाले गांवों में बाढ़ चेतावनी की मुनादी करवाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

कार्यपालन अभियंता ने बताया कि बाढ़ क्षेत्र में आने वाले संभावित गांवो में बांगो, चर्रा, पोड़ी उपरोड़ा, कोनकोना, लेपरा, टुनियाकछार, पाथा, गाड़ाघाट, छिनमेर, कछार, कलमीपारा, सिलीयारीपारा, जूनापारा, तिलाईडाड, डुगुपारा, टुंगुमांड़ा, छिर्रापारा, मछलीबाटा, कोरियाघाट, धनगांव, डोंगाघाट, नरमदा, औराकछार, सोनगुड़ा, जेलगांव, झाबू, नवागांव, तिलसाभाटा, लोतलोता, स्याहीमुड़ी, कोडा, हथमार, झोरा, सिरकीकला आदि शामिल हैं।

कबीरधाम में विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत हुई जागरूकता कार्यशाला

■ जन्म के पहले घंटे में स्तनपान और छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने पर जोर

कवर्धा/नवप्रदेश। विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर शासकीय बालगृह जोराताल, कवर्धा के सभागार में जिला स्तरीय स्तनपान जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में गर्भवती एवं धात्री माताओं को स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूक करने के साथ मैदानी अमले को स्तनपान संबंधी प्रभावी परामर्श एवं व्यवहार परिवर्तन के लिए विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया गया।

कार्यशाला में जन्म के पहले घंटे के भीतर स्तनपान शुरू कराने, छह माह तक शिशु को केवल मां का दूध पिलाने तथा छह माह के बाद उचित पूरक आहार के साथ कम से कम दो वर्ष या उससे अधिक समय तक स्तनपान जारी रखने पर विशेष जोर दिया गया।जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी सुश्री चंचल यादव एवं परियोजना अधिकारी दशरंगपुर श्रीमती कृतिका सिंह ने विश्व स्तनपान सप्ताह के उद्देश्य, स्तनपान के महत्व और विभागीय भूमिका पर जानकारी दी। परियोजना अधिकारी कवर्धा श्रीमती विवेका हैरिस ने आंगनबाड़ी केन्द्रों की भूमिका, मातृ परामर्श तथा व्यवहार परिवर्तन संचार के संबंध में मार्गदर्शन दिया।

न्यूज गैलरी

पण्डित सुन्दर लाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रारंभ

नगरी/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित पंडित सुन्दर लाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय अध्ययन केन्द्र शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी में बी ए, (हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत साहित्य, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, इतिहास) बी एस सी गणित /विज्ञान, बी कॉम, एम ए (हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी साहित्य, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, शिक्षा) एम एस डब्लू , एम एस सी (गणित/कम्प्यूटर साइंस/प्राणी विज्ञान/वनस्पति विज्ञान) ग्रन्थालय कोर्स - बी लिब × आई एस सी, एम लिब व कम्प्यूटर कोर्स- पीजीडीसीए, डी सी ए, योग विज्ञान में डिप्लोमा एवम् अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश 01 जुलाई से प्रारंभ है द्य इच्छुक अभ्यर्थी 15 सितंबर 2026 तक वि वि के वेबसाइट 222.श्चह्यह्यश्चह्व.द्बठ्ठ में विजित कर ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं या अध्ययन केन्द्र शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी में कार्यालयीन समय में मोबाइल नंबर 9713293414 से संपर्क कर सकते है द्य उक्त जानकारी समन्वयक सहायक श्री रोमनाथ चक्रधारी ने जानकारी दी।

हल्बा समाज सामुदायिक भवन उपगढ़ छिपली में शौचालय निर्माण कार्य का भूमिपूजन संपन्न

नगरी/नवप्रदेश। ग्राम छिपली स्थित हल्बा समाज सामुदायिक भवन उपगढ़ में शौचालय निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद पंचायत नगरी के उपाध्यक्ष हृदय साहू रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच लिकेश्वरी पोटाई उपसरपंच घेवर चंद साहू, उपगढ़ नगरी के सचिव श्री खिंजन कश्यप, ग्रामीण हल्बा समाज के अध्यक्ष श्री शेषनारायण देव, कर्मचारी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री एल. एन. देव एवं पुजारी श्री गोविन्द सोम ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूजा-अर्चना के साथ भूमिपूजन संपन्न कराया। मुख्य अतिथि हृदय साहू ने अपने संबोधन में कहा कि सामुदायिक भवन में शौचालय निर्माण से समाज के लोगों को सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि स्वच्छता, स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाओं का विकास किसी भी समाज की प्रगति का आधार है। जनपद पंचायत क्षेत्र के प्रत्येक गांव एवं समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है तथा जनसहयोग से विकास को नई गति मिल रही है। उन्होंने समाज के सभी पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों को इस जनहितकारी पहल के लिए बधाई देते हुए निर्माण कार्य को गुणवत्ता एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण कराने का आग्रह किया।कार्यक्रम में गैंदी बाई देव, भूषण सोम, दिलीप बोरघरिया,गोपी किशन देव, नागू देव सहित हल्बा समाज के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। उपस्थित सभी अतिथियों ने निर्माण कार्य के सफल एवं शीघ्र पूर्ण होने की शुभकामनाएँ दीं।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी धमतरी शहर द्वारा राजीव भवन में मनाया गया क्रांति दिवस

वीर शहीदों को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

धमतरी/नवप्रदेश। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी धमतरी शहर के तत्वावधान में आज स्थानीय राजीव भवन में देश की आजादी का महत्वपूर्ण मील का पत्थर 'क्रांति दिवस' (भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ) अत्यंत गरिमापूर्ण माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित कांग्रेसजनों ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को याद कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू और स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीदों के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने देशभक्ति के नारे लगाते हुए शहीदों के बलिदान को नमन किया। उपस्थित जनो को संबोधित करते हुए ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गौतम वाधवानी जिला महामंत्री अरविन्द दोषी ने कहा कि 9 अगस्त 1942 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आह्वान पर शुरू हुआ 'भारत छोड़ो आंदोलन' भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक ऐतिहासिक मोड़ था। इस आंदोलन ने अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिलाकर रख दी थी। उन्होंने कहा कि आज हम जिस स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं, वह हमारे वीर पूर्वजों और बलिदानियों के कड़े संघर्ष और त्याग का परिणाम है। उनके इस सर्वोच्च बलिदान को देश कभी नहीं भूल सकता और यह हमें हमेशा राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष राजा देवांगन, उपनेता प्रतिपक्ष विशु देवांगन विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को हमारे स्वतंत्रता संग्राम के गौरवशाली इतिहास और कांग्रेस के योगदान से अवगत कराना बेहद जरूरी है। भारत छोड़ो आंदोलन में धमतरी के भी कई स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई थी और जेल यात्राएं की थीं।

पहुंच मार्ग के नाम पर घटिया निर्माण, कहीं उखड़ रहा डामर तो कहीं गिट्टी बिछाकर छोड़ दिया काम

पीएम जनमन सड़क के नाम पर आदिवासियों को ठगने का आरोप

■ गुणवत्ता और मूल्यांकन पर उठे गंभीर सवाल

गरियाबंद/नवप्रदेश। आदिवासी बाहुल्य गरियाबंद जिले में प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत विशेष रूप से आदिवासी बाहुल्य एवं दूरस्थ गांवों को मुख्य मार्गों से जोड़ने के लिए बनाए जा रहे पहुंच मार्गों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि आदिवासियों को बेहतर सड़क सुविधा देने के नाम पर निर्माण कार्यों में जमकर लापरवाही बरती जा रही है। स्थिति यह है कि जिन सड़कों पर वाहनों का दबाव तक नहीं है,वे निर्माण के कुछ ही समय बाद उखड़ने लगी हैं।

जंगल और पहाड़ी इलाकों में मुख्य सड़क से गांवों को जोड़ने के लिए बनाई जा रही इन सड़कों का उद्देश्य दूरस्थ आदिवासी बस्तियों तक आवागमन की सुविधा पहुंचाना है।लेकिन निर्माण में गुणवत्ता की अनदेखी के चलते यह उद्देश्य ही सवालों के घेरे में आ गया है।ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण में निर्धारित मापदंडों का पालन नहीं किया जा रहा है और कई स्थानों पर बेहद

पतली डामर की परत बिछाकर सड़क तैयार कर दी गई है।

एक-दो इंच की डामर परत,बैलगाड़ी के पहिए से उखड़ने लगी सड़क

ग्रामीण क्षेत्रों से सामने आ रही शिकायतों के अनुसार कई पहुंच मार्गों पर डामर की परत इतनी पतली बिछाई गई है कि सामान्य आवागमन में ही सड़क की ऊपरी परत उखड़ने लगी है। ग्रामीणों का कहना है कि कुछ स्थानों पर बैलगाड़ी के पहिए चलने से ही डामर उखड़कर गिट्टी बाहर आने लगी है। ऐसे में बारिश और लगातार आवागमन के बाद इन सड़कों की स्थिति क्या होगी,इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।

वही दूरस्थ गांवों में सड़क निर्माण की स्थिति और भी चिंताजनक बताई जा रही है। कई जगह सड़क पर केवल गिट्टी बिछाकर काम अधूरा छोड़ दिए गया है। वहीं जिन स्थानों पर डामरीकरण किया गया है,वहां भी गुणवत्ता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कागजों में सड़क का निर्माण पूरा दिखाकर मूल्यांकन और भुगतान की प्रक्रिया पूरी कर दी जाती है, जबकि मौके पर सड़क की वास्तविक स्थिति अलग नजर आती है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि इन सड़कों पर भारी वाहनों की आवाजाही तक नहीं होती। अधिकांश सड़कें गांवों और मुख्य मार्गों को जोड़ने वाले छोटे पहुंच मार्ग हैं। इसके बावजूद निर्माण के कुछ ही दिनों या शुरुआती बारिश में सड़क की परत उखड़ने लगे तो निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि सड़क निर्माण में निर्धारित मोटाई,सामग्री और तकनीकी मापदंडों का पालन किया गया होता तो इतनी जल्दी सड़क खराब नहीं होती।

आदिवासियों के लिए बनी योजना, लेकिन फायदा किसे?

प्रधानमंत्री जनमन योजना का उद्देश्य विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों और दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना है।सड़क जैसी मूलभूत सुविधा आदिवासी गांवों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।बारिश के मौसम में सड़क खराब होने का सीधा असर ग्रामीणों की आवाजाही,मरीजों को अस्पताल पहुंचाने,बच्चों की पढ़ाई और कृषि उपज को बाजार तक ले जाने पर पड़ता है।

हमारी आन, बान और शान है तिरंगा : जसविंदर बग्गा

कवर्धा/नवप्रदेश। बोड़ला के हिन्दू संगम स्थल में भाजपा बोड़ला मंडल की कार्यशाला संपन्न हुई जिसमें भाजपा प्रदेश प्रवक्ता और मंडल प्रभारी जसविंदर बग्गा ने 'हर घर तिरंगा अभियान' एवं 'तिरंगा यात्रा' को लेकर विस्तृत जानकारी दी। कार्यकर्ताओं से विमर्श करते हुए जसविंदर बग्गा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर यह अभियान आजादी के गौरव और प्रतीक तिरंगा को घर-घर तक पहुंचाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि हर घर पर तिरंगा फहराकर हम उन वीर शहीदों को नमन करते हैं, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। भाजपा कार्यकर्ता गांव-गांव, गली गली जाकर नागरिकों को तिरंगा वितरित कर उन्हें घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करेंगे। यह अभियान भारतवासियों में ध्वज के प्रति सम्मान व देश के प्रति देशभक्ति की भावना जगाने में मदद करेगा। उन्होंने यह भी बताया कि इस वर्ष भी 11 से 15 अगस्त, 2026 तक पार्टी कार्यकर्ता अभियान में व्यापक भागीदारी करेंगे। इस दौरान प्रत्येक घर, प्रतिष्ठानों एवं कार्यालयों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए जनजागरण किया जाएगा। युवाओं एवं विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति के प्रति जागरुकता लाई जाएगी। भाजपा के वरिष्ठ नेता विदेशी धुर्वे ने कहा, तिरंगा शांति और सद्भाव का प्रतीक है। हम बलिदानी क्रांतिकारियों और महापुरुषों को याद करते हुए देशभक्ति की भावना जागृत करेंगे। मंडल भाजपा अध्यक्ष मोहन धुर्वे ने कहा, बूथ स्तर तक जाकर हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाना है।

11 अगस्त को निकलेगी तिरंगा यात्रा-बैठक में ये भी तय किया गया कि राष्ट्र भाव के जागरण और तिरंगा के सम्मान को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से बोड़ला नगर में आने वाले 11 अगस्त को एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा ।

धमतरी में 'सीजी 05 EXPO 5.0' का भव्य शुभारंभ

धमतरी/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की तेजी से विकसित हो रही साउंड, लाइट एवं इवेंट इंडस्ट्री को एक व्यापक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से धमतरी में 'सीजी 05 EXPO 5.0' का भव्य शुभारंभ किया गया। नई कृषि उपज मंडी, श्यामतराई (धमतरी) में आयोजित इस विशेष व्यापार मेले का शुभारंभ नगर निगम धमतरी के महापौर श्री जगदीश 'रामू' रोहरा ने किया।यूनिटी इवेंट्स 'सीजी 05 EXPO 5.0' टीम, धमतरी द्वारा आयोजित इस एक्सपो में साउंड, लाइट, स्टेज, डेकोरेशन, इवेंट मैनेजमेंट सहित मनोरंजन एवं आयोजन से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों की आधुनिक तकनीक और उपकरणों को प्रदर्शित किया जा रहा है।

आयोजन का उद्देश्य इस क्षेत्र से जुड़े व्यवसायियों, तकनीकी विशेषज्ञों, कलाकारों, इवेंट आयोजकों तथा ग्राहकों को एक ही मंच पर लाकर व्यापारिक संभावनाओं को बढ़ावा देना है।

देमार स्कूल में स्वास्थ्य शिविर के साथ विद्यार्थियों को मिला करियर मार्गदर्शन

धमतरी/नवप्रदेश। धमतरी विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देमार में रोटरी क्लब धमतरी द्वारा स्वास्थ्य शिविर एवं प्रेरक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ शिक्षा, व्यक्तित्व विकास, करियर निर्माण और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जयंत नाहटा ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर श्री नाहटा ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए अपने जीवन एवं प्रशासनिक सेवा से जुड़े अनुभव साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने, अनुशासन के साथ आगे बढ़ने और निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रतिभा सफलता की शुरुआत हो सकती है, लेकिन लक्ष्य के प्रति निरंतर मेहनत, समय का सदुपयोग, अनुशासन और सकारात्मक सोच ही सफलता को स्थायी बनाती है।

उन्होंने विद्यार्थियों को समय प्रबंधन का महत्व समझाते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन भविष्य की नींव तैयार करने का सबसे महत्वपूर्ण अवसर है। पढ़ाई के साथ सामान्य ज्ञान बढ़ाने, समाचार-पत्र पढ़ने, समसामयिक घटनाओं से परिचित होने तथा अपने आसपास की परिस्थितियों को समझने की आदत विकसित करनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतिदिन की अध्ययन योजना बनाने और बड़े लक्ष्य को छोटे-छोटे चरणों में विभाजित कर निरंतर तैयारी करने की सलाह दी।

इस अवसर पर रोटेरियन श्री मनीष मित्तल, श्रीमती जागृति दोशी, श्री दिलीप भाई मेहता, श्री अजीत खंडेलवाल, जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. यू.एल. कौशिक, डॉ. प्रिया कंवर, ग्राम पंचायत देमार के सरपंच श्री विमलेश मीनपाल, शाला विकास समिति के अध्यक्ष श्री लोकेश सोनवानी, पंच श्री दिनेश कुंभकार, विद्यालय के प्राचार्य श्री देवनारायण साहू सहित रोटरी क्लब के पदाधिकारी, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

घर और कथित अड्डे पर बड़ी दबिश

दूसरे दिन भी लल्ला सोनवानी पर पुलिस का शिकंजा

नवापारा-राजिम/नवप्रदेश। गोबरा नवापारा पुलिस की टीम ने शुक्रवार को टुमन उर्फ लल्ला सोनवानी के निवास और उसके कथित अड्डे पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। पुलिस टीम के पहुंचते ही कथित अड्डे पर मौजूद कई संदिग्ध लोग मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मौके की तलाशी लेते हुए कई महत्वपूर्ण वस्तुएं बरामद की हैं।

पुलिस की टीम सुबह करीब 12 बजे सदर रोड स्थित लल्ला सोनवानी के निवास पहुंची। आसपास के लोगों की मौजूदगी में घर की तलाशी ली। पुलिस कार्रवाई के दौरान मौके से दो जेरिकेन में भरा पेट्रोल मिला है, जिससे मौके पर हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि एक दिन पहले ही लल्ला सोनवानी, उसके परिजनों और समर्थकों द्वारा पुलिस

वाहन पर पेट्रोल बम फेंकने और पुलिसकर्मियों को जिंदा जलाने जैसी धमकियां दी गई। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि पेट्रोल किस उद्देश्य से रखा गया था और इसका घटना से कोई संबंध है या नहीं। तलाशी के दौरान कथित अड्डे पर शराब की खाली बोतलों का ढेर भी मिला। पुलिस द्वारा मौके पर मिले सामान और परिसर की गतिविधियों की जांच की जा रही है।

'सभापति' लिखी स्कॉर्पियो और ईको वाहन पर कार्रवाई

पुलिस टीम द्वारा मौके से 'सभापति' लिखी स्कॉर्पियो और एक ईको वाहन को जब्त करने की कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि पुलिस वाहन को रोकने और उसका पीछा करने के दौरान इन वाहनों के इस्तेमाल की आशंका है। पुलिस अब घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों, प्रत्यक्षदर्शियों और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच करेगी।

पुलिस पहुंची तो कई लोग हुए फरार

सूत्रों के अनुसार दूसरे दिन की कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम जैसे ही लल्ला सोनवानी के निवास और कथित अड्डे पर पहुंची, वहां मौजूद कई लोग मौके से फरार हो गए। पुलिस द्वारा फरार लोगों की पहचान और उनकी भूमिका की जानकारी जुटाई जा रही है।

कार्रवाई आगे भी जारी रहने के संकेत-पुलिस द्वारा बरामद सामग्री, जब्त किए जा रहे वाहनों और मौके से फरार लोगों के संबंध में जांच आगे बढ़ाई जा रही है। सीएसपी तुलसी लेकाम और गोबरा नवापारा थाना प्रभारी जितेंद्र दुबे ने बताया कि अब तक स्कार्पियो-इको वाहन समेत तीन बाइक को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। मौके पर मिला पेट्रोल के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएगी उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस का कहना है कि शासकीय कार्य में बाधा डालने, पुलिस टीम के साथ दुर्व्यवहार करने और कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वालों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई जारी रहेगी।

एसपी के सख्त तेवर-

रायपुर ग्रामीण की पुलिस अधीक्षक श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा के पदभार ग्रहण करने के बाद से ही जिले में पुलिसिंग को लेकर सख्त और प्रभावी रुख देखने को मिल रहा है।

15 अगस्त को धमतरी जिले में शुष्क दिवस

धमतरी /नवप्रदेश। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त 2026 को धमतरी जिले में शुष्क दिवस घोषित किया गया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री अबिनाश मिश्रा ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए जिले की समस्त मदिरा दुकानों एवं संबंधित मदिरा प्रतिष्ठानों को पूर्णतः बंद रखने के निर्देश दिए हैं। कार्यालय आबकारी आयुक्त, छत्तीसगढ़, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप 15 अगस्त को धमतरी जिले की देशी, विदेशी एवं कम्पोजिट मदिरा दुकानें, सी.एस.-2 (ग-अहाता), सी.एस.-2 (ग-कम्पोजिट अहाता), एफ़एल.-1 (ख-कम्पोजिट अहाता), एफ़एल.-3 होटल बार, एफ़एल.-4 क, एफ़एल.-3 'ग' तथा मद्य भाण्डागार धमतरी बंद रहेंगे। कलेक्टर श्री मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शुष्क दिवस की अवधि में मदिरा के अवैध धारण, विक्रय एवं परिवहन पर पूर्णतः रोक सुनिश्चित की जाए।

दुष्कर्म पीड़िता को गर्भावस्था जारी रखने मजबूर करना गरिमा के अधिकार का उल्लंघन: हाईकोर्ट

बिलासपुर/नवप्रदेश। हाईकोर्ट ने नाबालिग अवस्था में दुष्कर्म की शिकार हुई एक महिला को गर्भावस्था समाप्त करने की अनुमति दी है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले के असाधारण तथ्यों में गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर करना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिले गरिमा, निजता, शारीरिक स्वतंत्रता और प्रजनन संबंधी निर्णय के अधिकार का लगातार उल्लंघन होगा।

कोर्ट ने कहा कि सोनोग्राफी में बताई गई गर्भावस्था की अवधि अनुमानित होती है और इसमें करीब दो सप्ताह तक का अंतर संभव है। इसलिए केवल गर्भावस्था की अनुमानित अवधि के आधार पर पीड़िता को राहत से वंचित नहीं किया जा

सकता। मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट में भी पीड़िता को गर्भावस्था के मेडिकल टर्मिनेशन के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से फिट पाया गया। हाईकोर्ट ने संबंधित चीफ मेडिकल एंड हेल्थ ऑफिसर, बिलासपुर को निर्देश दिया है कि, पीड़िता को 10 अगस्त 2026 को संबंधित सरकारी अस्पताल में भर्ती कराकर विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम से मेडिकल टर्मिनेशन कराया जाए। प्रक्रिया मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट और निर्धारित चिकित्सा प्रोटोकॉल के अनुसार होगी। पीड़िता की लिखित सहमति लेने तथा आवश्यक होने पर उसकी मां/कानूनी अभिभावक की मौजूदगी और सहमति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। कोर्ट ने पीड़िता की पहचान और मेडिकल जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखने, उसे उपचार के साथ काउंसलिंग व मनोवैज्ञानिक सहायता देने तथा आवश्यक परिवहन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। चूंकि मामले में पाक्सो सहित अन्य धाराओं के तहत सिविल लाइंस थाने में अपराध क्रमांक 1012/2026 की जांच चल रही है, इसलिए भ्रूण के ऊतक, प्लेसेंटा, रक्त, डीएनए सहित अन्य जैविक साक्ष्यों को फोरेंसिक प्रोटोकॉल के अनुसार सुरक्षित रखने का भी आदेश दिया गया है। मेडिकल टर्मिनेशन और पोस्ट-ऑपरेटिव उपचार पूरा होने के दो सप्ताह के भीतर सीएमएचओ को हाईकोर्ट में अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।

दादा ने दुष्कर्म पीड़िता नाबालिग पोती को न्याय दिलाया

बिलासपुर/नवप्रदेश। नाबालिग बेटी की संरक्षक पिता ने ही अस्मत लूट ली। वारदात की जानकारी होने पर पीड़िता के दादा ने स्वयं थाने में उपस्थित होकर अपने बेटे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। न्यायालय ने आरोपी पिता को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। हाईकोर्ट ने भी सजा की पुष्टि करते हुए आरोपी की अपील को खारिज किया है। प्रदेश में नशे के आदी पिता ने अपने ही नाबालिग पुत्री के साथ दुष्कर्म किया। पिता के हैवानियत की शिकार हुई बालिका ने घटना के संबंध में अपने दादा को जानकारी दी। दादा ने अगस्त 2019 में थाना में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट में कहा गया कि उसका पुत्र शराब पीने का आदी है। शराब के नशे में पत्नी के साथ मारपीट करता है। पति के मारपीट से परेशान होकर पत्नी बच्चों को छोड़कर चली गई है। बच्चे दादा-दादी के साथ रह रहे थे। पिता अपने 13-14 साल की बेटी को साथ ले गया व उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पीड़िता का मेडिकल, जन्म प्रमाणपत्र, फारेंसिक जांच एवं अन्य कार्रवाई पूरा कर आरोपी पिता को गिरफ्तार कर जेल दाखिल किया। सत्र न्यायालय एफटीसी पाक्सो ने मामले की सुनवाई एवं गवाहों के बयान के बाद आरोपी को धारा 376(2)(क) के तहत 1,000/- रुपये के जुर्माने के साथ उम्रकैद, सेक्सुअल ऑफेंस से बच्चों का प्रोटेक्शन एक्ट, 2012 के सेक्शन 6 के तहत 2,000/ जुर्माना एवं उम्रकैद की सजा सुनाई है। सजा के खिलाफ आरोपी ने हाईकोर्ट में अपील पेश की।

न्यूज गैलरी

गुम मोबाइल की रिकवरी में बिलासपुर राज्य में प्रथम

बिलासपुर/नवप्रदेश। पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देश पर गुम हुए मोबाइल फोन की लगातार बरामदगी कर उनके वास्तविक स्वामियों को लौटाया जा रहा है। वर्ष 2026 में अब तक बिलासपुर पुलिस द्वारा 1250 मिसिंग मोबाइल फोन रिकवर कर संबंधित मोबाइल स्वामियों को वापस किए जा चुके हैं। गुम मोबाइल रिकवर कर उनके वास्तविक स्वामियों को लौटाने में बिलासपुर पुलिस राज्य में प्रथम स्थान पर है। स्वतंत्रता दिवस उत्सव के अवसर पर 'चेतना अभियान' के तहत 202 नग गुम मोबाइल फोन, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 30 लाख रुपये है, बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को वापस किए गए। मोबाइल वापस पाकर लोगों के चेहरे पर आई खुशी और मुस्कान, लोगों ने बिलासपुर पुलिस के प्रयासों की सराहना करते हुए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

1987 से शुरू हुआ राजनीतिक सफर, जिला महामंत्री से प्रदेश महामंत्री तक संभाली अहम जिम्मेदारियां

जनता ने भाजपा को जिताकर तोड़े भ्रम सौर ऊर्जा भविष्य की जरुरत- सवन्नी

- **क्रेडा अध्यक्ष बोले– सौर ऊर्जा भविष्य की जरूरत**

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) के अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी ने बिलासपुर प्रेस क्लब के 'हमर पहुंना' कार्यक्रम में अपने लंबे राजनीतिक सफर से लेकर अक्षय ऊर्जा और प्रदेश के विकास तक विभिन्न मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि जनता ने भाजपा को बार-बार समर्थन देकर कई तरह के राजनीतिक भ्रमों को तोड़ा है। मतदान के जरिए जनता ने विकास और विश्वास की राजनीति पर अपनी मुहर लगाई है।

'हमर पहुना' कार्यक्रम में सवन्नी ने संगठन के अनुभव, राजनीतिक सफर और क्रेडा की योजनाओं पर बेबाकी से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि अक्षय ऊर्जा आने वाले समय की जरूरत है और प्रदेश को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में आगे ले जाने के लिए जनभागीदारी जरूरी है।

मौका मिला तो चुनाव लड़ने को तैयार

लोकसभा, विधानसभा अथवा राज्यसभा चुनाव लड़ने के सवाल पर सवन्नी ने कहा कि पार्टी नेतृत्व अवसर देगा तो वे चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि संगठन जो भी जिम्मेदारी देगा, उसे पूरी निष्ठा से निभाएंगे।

डेढ़ लाख सोलर पंप लगाने का दावा

किसानों के लिए संचालित सौर ऊर्जा योजनाओं की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि 3 और 5 एचपी क्षमता के सोलर पंप उपलब्ध कराए जा रहे हैं। प्रदेश में अब तक करीब 1.50 लाख सोलर पंप लगाए जा चुके हैं। कुसुम-बी योजना के तहत भी आगे की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि सौर पंप से किसानों की सिंचाई व्यवस्था मजबूत होने के साथ बिजली पर निर्भरता भी कम होगी।

1987 में शुरू हुआ राजनीतिक सफर

सवन्नी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत वर्ष 1987 में होने की जानकारी दी। वर्ष 1993 के चुनाव में बिल्हा क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने के बाद उन्हें संगठन में लगातार महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिलती गईं। वर्ष 2003 में जिला महामंत्री, 2006 में जिलाध्यक्ष और 2010 में प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी संभाली। 2013 के चुनाव के बाद उन्हें फिर प्रदेश महामंत्री बनाया गया। वर्ष 2014 में सदस्यता अभियान प्रभारी और 2015 में हाउसिंग बोर्ड सदस्य की जिम्मेदारी मिली। वर्ष 2018 में प्रवक्ता के साथ तीसरी बार महामंत्री की जिम्मेदारी भी संभाली। इसके बाद प्रदेश संगठन में कई अहम दायित्व मिले। दुर्ग में संगठन की जिम्मेदारी के दौरान उन्होंने 13 में से 10 सीटों पर पार्टी की जीत का दावा किया। इस प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व से सम्मान मिलने की बात भी उन्होंने कही।

मिली क्रेडा की जिम्मेदारी

सवन्नी ने बताया कि 30 अप्रैल 2025 को उन्हें क्रेडा अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना और आम लोगों तक अक्षय ऊर्जा योजनाओं का लाभ पहुंचाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

जल जीवन मिशन का 94 प्रतिशत काम पूरा

जल जीवन मिशन की प्रगति पर उन्होंने बताया कि प्रदेश में बड़ी संख्या में गांवों में ओवरहेड टैंक का निर्माण किया गया है। उनके अनुसार करीब 15 हजार गांवों में ओवरहेड टैंक से संबंधित कार्य 94 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है।

धार्मिक स्थलों पर भी सौर ऊर्जा

धार्मिक स्थलों को भी सौर ऊर्जा से जोड़ने की जानकारी देते हुए सवन्नी ने बताया कि करीब 200 सोलर यूनिट का काम पूरा किया जा चुका है, जबकि लगभग 500 अन्य स्थानों को प्रक्रिया में शामिल किया जा रहा है।

पीएम सूर्यघर योजना का लाभ मोबाइल से

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना को लेकर उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक सोलर अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ लेने के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं है। लोग मोबाइल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। सवन्नी ने हाइब्रिड सोलर सिस्टम को भी उपयोगी विकल्प बताते हुए कहा कि जरूरत के अनुसार इसे इन्वर्टर और जनरेटर के साथ इस्तेमाल किया जा सकता है।

सुविचार

लोगों को अपने सपने मत बताओ उन सपनों को पूरा कर के दिखाओ क्योंकि लोग सुनना कम और देखना ज्यादा पसंद करते हैं।

संसद का गतिरोध टूटना जरूरी

संसद के पिछले कई सत्रों की तरह ही मानसून भी हंगामों की भेंट चढ़ता नजर आ रह है। पिछले बीस दिनों से विपक्ष द्वारा हंगामा खड़ा करने की वजह से लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही लगातार बाधित हो रही है। विपक्षी पार्टियां सदन में सवाल करने की जगह सदन से संसद परसिर में बवाल कर रही हैं। यह बात अलग है कि सरकार ने कुछ महत्वपूर्ण विधेयक बहुमत के आधार पर पारित करा लिये हैं। लेकिन इन विधेयकों पर भी विपक्ष ने अपनी कोई राय नहीं दी थी। यदि इन विधेयकों पर सार्थक चर्चा हो जाती तो ये विधेयक और ज्यादा प्रभावी बन सकते थे। विपक्ष ने तो मानो यह तय कर रखा है कि सदन में हंगामा खड़ा करना ही उनका मकसद है। सबसे बड़ी बात यह कि विपक्ष के हंगामें के कारण संसद में प्रश्नकाल और शून्यकाल नहीं हो पा रहा है जिसकी वजह से सांसद अपने अपने लोकसभा क्षेत्रों की समस्याएं नहीं उठा पा रहे हैं और जो नये सांसद पहली बार संसद में पहुंचे हैं उन्हें बोलने का अवसर भी नहीं मिल पा रहा है। बहरहाल अब सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह संसद में जारी गतिरोध को कैसे दूर करे। क्योंकि अभी इसी सत्र में एफसीआरए संसोधन विधेयक तथा महिला आरक्षण और परीसीमन विधेयक लाया जाना है। इसके लिए सरकार ने विपक्ष से सहयोग मांगा है। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने खुद होकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से इस बाबत् चर्चा की है और उनसे सहयोग की अपील है किन्तु राहुल गांधी जिस तरह से सरकार को घेरने में लगे हुए हैं उसे देखते हुए यह नहीं लगता कि वे इन महत्वपूर्ण विधेयकों पर सरकार का सहयोग करेंगे। खासतौर पर एफसीआरए संसोधन विधेयक का तो कांग्रेस द्वारा पूरजोर विरोध किये जाने की ही प्रबल संभावना है। क्योंकि इस विधेयक को रोकने के लिए मिसनरीज कांग्रेस पर दबाव बना रही है। उन्होंने तो गृहमंत्री अमित शाह से भी इस विधेयक को संसद में पेश न करने का अनुरोध किया था। किन्तु यह विधेयक लोकसभा और राज्यसभा में पारित हो जाएगा क्योंकि दोनों ही जगह एनडीए को पूर्णबहुमत हासिल है भले ही कांग्रेस और इंडी गठबंधन इस विधेयक के खिलाफ हंगामा करे। दिक्कत तो महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयक को लेकर होगी। क्योंकि इसे पारित करने के लिए दोनों ही सदनों में दो तिहाई बहुमत की दरकार है। राज्यसभा में तो एनडीए दो तिहाई बहुमत के करीब पहुंच चुका है वहां यह विधेयक पारित हो सकता है। किन्तु लोकसभा में एनडीए दो तिहाई बहुमत से काफी दूर है। ऐसे में यदि विपक्ष के कुछ सांसदों ने अंतर्रात्मा की आवाज के आधार पर इस विधेयक के समर्थन में वोट नहीं दिया तो यह विधेयक इस बार भी गिर सकता है। गौरतलब है कि इस विधेयक को लेकर संसद का पिछले दिनों विशेष सत्र बुलाया गया था जिसमें दो तिहाई बहुमत न होने के कारण यह विधेयक गिर गया था। अब देखना होगा कि सत्ता पक्ष का फ्लोर मैंनेजमेन्ट इतना कारगर साबित होता है। सोमवार से संसद से जब से विधेयक पेश किये जाएंगे तो विपक्ष का रूख कैसा होगा। यह देखना होगा। उम्मीद की जाने चाहिए कि सदन में जारी गतिरोध टूटेगा।

झारखंड के छात्रों ने कॉकरोचों को दिखाया आईना

झारखंड में पेपरलीक मामले को लेकर आंदोलनरत छात्रों के बीच कॉकरोचों का समर्थन करने वाली कथित स्टूडेंट लिडर नेहा बोरा मान न मान मैं तेरा मेहमान की तर्ज पर अपने चंद समर्थकों के साथ पहुंच गई थी। रांची में शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे छात्रों ने नेहा बोरा का सम्मान किया और उन्हें मंच पर अपनी विचार व्यक्त करने का मौका भी दिया किन्तु नेहा बोरा ने जब देश विरोधी नारे लगाने शुरू कर दिये तो छात्रों ने उन्हें छात्रों ने उन्हें मंच से धकिया कर खदेड़ दिया। यही नहीं बल्कि नेहा बोरा पर काली स्याही फेंक दिया और उसके खिलाफ अपना विरोध भी दर्ज कराया। रांची के छात्रों ने दो टूक शब्दों में कह दिया कि वह अपने इस शांतिपूर्ण और अनुशासित आंदोलन को देश विरोधी टुकड़े टुकड़े गैंग और कॉकरोचों को हाईजैक नहीं करने देंगे। नेहा बोरा को आंदोलन स्थल से हकाल कर झारखंड के छात्रों ने कॉकरोचों को आइना दिखा दिया है। जारि है अब कॉकरोचों का स्व्यंभू नेता अभीजित दीपके और उसके गुर्गे रांची जाने का हौसला नहीं जुटा पाएंगे। वैसे भी झारखंड के छात्रों ने अपने आंदोलन स्थल पर कॉकरोचों के लिए नो एंन्ट्री का बोर्ड टांग रखा है। झारखंड के छात्रों का यह आंदोलन निश्चित रूप से एक आदर्श छात्र आंदोलन के रूप में इतिहास के पन्नों में दर्ज होने जा रहा है। जहां हजारों छात्रों ने एक पखवाड़े तक भारी बारिश के बीच भी शांतिपूर्वक आंदोलन किया और अपना धैर्य नहीं खोया न तो वहां देश विरोधी नारे लगे न ही झारखंड के किसी मंत्री से इस्तीफे की मांग की गई। छात्र सिर्फ अपनी वाजिब मांगो को लेकर ही आवाज उठाते रहे। यह वास्तव में छात्रों का ही ओंदोलन है जिसमें किसी भी राजनीतिक पार्टी के नेताओं को मंच नहीं दिया गया। अब उनका यह आंदोलन सफल होता नजर आ रहा है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आंदोलित छात्रों से चर्चा की शुरूआत कर दी है। उम्मीद की जानी चाहिए कि छात्रों की मांगा को झारखंड सरकार पूरा करेगी और यह आंदोलन जल्द खत्म हो जाएगा।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1741: कोलाचेल की लड़ाई में त्रावणकोर के राजा मार्तंड वर्मा ने डच ईस्ट इंडिया कंपनी को निर्णायक रूप से हराया था।1793: फ्रांस की राजधानी पेरिस में स्थित प्रसिद्ध 'लूव्र संग्रहालय' का आम जनता के लिए उद्घाटन किया गया था।1962: बच्चों के लोकप्रिय सुपरहीरो 'स्पाइडरमैन' ने सबसे पहले कॉमिक बुक 'अमेजिंग फैंटेसी' में शुरुआत की थी।2003: रूसी अंतरिक्ष यात्री यूरी मालेन्चेंको ने अंतरिक्ष में रहते हुए इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से धरती पर मौजूद अपनी दुल्हन से वीडियो लिंक के जरिए अनोखी शादी की थी। **प्रसिद्ध व्यक्तियों के जन्म1860:** आधुनिक भारतीय शास्त्रीय संगीत के पुनर्जागरण के अग्रदूत पंडित विष्णु नारायण भातखंडे का जन्म हुआ था।1894: भारत के चौथे राष्ट्रपति वराहगिरी वेंकट गिरि (वी.वी. गिरि) का जन्म ओडिशा के बह्रामपुर में हुआ था।1963: उत्तर प्रदेश की प्रसिद्ध राजनेता और फूलन देवी का जन्म हुआ था। **महत्वपूर्ण दिवसविश्व जैव ईंधन दिवस:** पारंपरिक जीवाश्म ईंधन के विकल्प के रूप में जैव ईंधन के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 10 अगस्त को यह दिवस मनाया जाता है।

बस्तर : पर्यटन की अपार संभावनाएँ और पर्यावरणीय प्रदूषण की बढ़ती चुनौतियाँ

डॉ. शिवेन्द्र बहादुर
भूगोलविद, उत्तर बस्तर कांकेर

छत्तीसगढ़ का बस्तर केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं है, बल्कि यह प्रकृति, संस्कृति और जैव विविधता का जीवंत संसार है। घने साल के वन, कल-कल बहती नदियाँ, चित्रकोट और तीरथगढ़ जैसे भव्य जलप्रपात, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, कुटुमसर एवं कैलाश की प्राकृतिक गुफाएँ, बारसूर के प्राचीन मंदिर, माँ दंतेश्वरी का सुप्रसिद्ध शक्तिपीठ तथा विश्वविख्यात बस्तर दशहरा इसकी विशिष्ट पहचान हैं।

बस्तर की समृद्ध जनजातीय परंपराएँ, लोककला, ढोकरा एवं घड़वा धातु शिल्प, बाँस, काष्ठ और मिट्टी की उत्कृष्ट हस्तशिल्प परंपराएँ, लोकनृत्य, लोकसंगीत तथा प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन-दर्शन इसे केवल एक पर्यटन गंतव्य नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत का जीवंत संग्रहालय बनाते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में सड़क, रेल और हवाई संपर्क के विस्तार, डिजिटल माध्यमों पर बढ़ते प्रचार और पर्यटन सुविधाओं में सुधार के कारण बस्तर में पर्यटकों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। यह परिवर्तन स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए नए अवसर लेकर आया है। होटल, होम-स्टे, परिवहन, स्थानीय भोजन, हस्तशिल्प, पर्यटन मार्गदर्शन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और वनोपज आधारित उत्पादों के माध्यम से हजारों युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार की संभावनाएँ विकसित हो रही हैं। यदि पर्यटन का लाभ स्थानीय समुदाय तक पहुँचे, तो यह ग्रामीण विकास एवं जनजातीय सशक्तीकरण का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

बस्तर की सबसे बड़ी शक्ति उसकी प्राकृतिक और सांस्कृतिक विविधता है। यहाँ आने वाला पर्यटक केवल जलप्रपात या जंगल देखने नहीं आता, बल्कि वह उस जीवन-दर्शन को अनुभव करना चाहता है जिसमें मनुष्य और प्रकृति के बीच गहरा आत्मीय संबंध दिखाई देता है। यही विशेषता बस्तर को भारत के अन्य पर्यटन स्थलों से अलग पहचान देती है।

किन्तु पर्यटन के बढ़ते कदमों के साथ पर्यावरणीय चुनौतियाँ भी तेज़ी से सामने आ रही हैं। प्रमुख पर्यटन स्थलों पर प्लास्टिक कचरे का बढ़ता ढेर, नदियों और झरनों के आसपास फैलता प्रदूषण, वाहनों से बढ़ता वायु एवं ध्वनि प्रदूषण, अनियोजित निर्माण, वनों पर बढ़ता दबाव तथा वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों में मानवीय हस्तक्षेप अब चिंता का विषय बन चुके हैं। अनेक स्थानों पर पर्यटक अनजाने में प्लास्टिक, बोतलें और अन्य अपशिष्ट छोड़ जाते हैं, जो न केवल प्राकृतिक सौंदर्य को प्रभावित करते हैं बल्कि मिट्टी, जल और जैव विविधता के लिए भी गंभीर खतरा बनते हैं।

आज पूरी दुनिया जैव विविधता संरक्षण और सतत विकास की बात कर रही है। ऐसे समय में बस्तर का महत्व और बढ़ जाता है। यह क्षेत्र हमें सिखाता है कि विकास केवल आर्थिक प्रगति का नाम नहीं, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग का भी नाम है। यदि पर्यटन का विस्तार वैज्ञानिक योजना और पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप नहीं हुआ, तो भविष्य में वही पर्यटन बस्तर की सबसे बड़ी प्राकृतिक पूँजी के लिए संकट बन सकता है।

बस्तर के विकास का सबसे उपयुक्त मार्ग सतत और उत्तरदायी पर्यटन है। इसका अर्थ है कि पर्यटन ऐसा हो जिससे प्रकृति को न्यूनतम क्षति पहुँचे, स्थानीय संस्कृति सुरक्षित रहे और आर्थिक लाभ का बड़ा हिस्सा स्थानीय समुदाय को प्राप्त हो। गाँवों में होम-स्टे, स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित गाइड, महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को स्थानीय भोजन और हस्तशिल्प से जोड़ना, पर्यावरण-अनुकूल परिवहन, एकल-उपयोग प्लास्टिक पर प्रभावी नियंत्रण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, वर्षा जल संरक्षण तथा पर्यटकों की वहन क्षमता के अनुसार पर्यटन प्रबंधन जैसे उपाय बस्तर के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं।

इस दिशा में सरकार, स्थानीय प्रशासन, वन विभाग, पर्यटन विभाग, पंचायतों, स्वयंसेवी संगठनों और स्थानीय समुदायों की साझा भागीदारी आवश्यक है। साथ ही प्रत्येक पर्यटक की भी जिम्मेदारी है कि वह प्रकृति का उपभोक्ता नहीं, बल्कि उसका संरक्षक बनकर व्यवहार करे। यदि प्रत्येक पर्यटक, पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखते हुए कचरे का निर्धारित स्थान पर निस्तारण करे, स्थानीय संस्कृति का सम्मान करे और पर्यावरणीय नियमों का पालन करे, तो बस्तर की प्राकृतिक धरोहर आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखी जा सकती है।

यदि प्रत्येक आगंतुक अपने साथ लाया गया कचरा वापस ले जाए, स्थानीय संस्कृति का सम्मान करे और पर्यावरणीय नियमों का पालन करे, तो बस्तर की प्राकृतिक धरोहर लंबे समय तक सुरक्षित रह सकती है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि बस्तर को केवल पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उसे भारत के आदर्श इको-टूरिज्म मॉडल के रूप में विकसित किया जाए। यहाँ का विकास ऐसा हो जिसमें जंगलों की हरियाली, नदियों की निर्मलता, जनजातीय संस्कृति की मौलिकता और स्थानीय लोगों की आजीविका–चारों समान रूप से सुरक्षित रहें। यही विकास बस्तर को आर्थिक समृद्धि के साथ पर्यावरणीय संतुलन का भी उदाहरण बनाएगा।

अंततः, बस्तर की वास्तविक संपदा उसके खनिज भंडार से अधिक उसके जंगल, जल, जैव विविधता और जनजातीय सांस्कृतिक विरासत हैं। यदि इन धरोहरों को सुरक्षित रखते हुए पर्यटन का विकास किया जाए, तो बस्तर न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे भारत के लिए सतत पर्यटन और हरित विकास का प्रेरक मॉडल बन सकता है। प्रकृति और विकास का यह संतुलन ही बस्तर के उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है।

व्यंग्य के शिखर पुरुष हरिशंकर परसाई

महेन्द्र तिवारी

हरिशंकर परसाई हिंदी साहित्य के ऐसे रचनाकार हैं जिन्होंने व्यंग्य को केवल हँसी और मनोरंजन की विधा मानने से इनकार किया। उन्होंने व्यंग्य को सामाजिक चेतना, मानवीय विवेक और व्यवस्था पर सवाल उठाने का सशक्त माध्यम बनाया। उनकी रचनाओं को पढ़ते हुए पाठक कई बार मुस्कुराता है, लेकिन उसी मुस्कान के पीछे उसे समाज की ऐसी सच्चाई दिखाई देती है जो भीतर तक बेचैन करती है। परसाई का व्यंग्य इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसमें हास्य के साथ गंभीर चिंतन, करुणा के साथ आक्रोश और भाषा की सरलता के साथ विचारों की तीक्ष्णता दिखाई देती है। यही कारण है कि उनके निधन के तीन दशक बाद भी उनका साहित्य अपनी प्रासंगिकता बनाए हुए है।

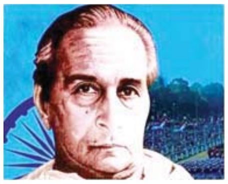

हरिशंकर परसाई का जन्म 22 अगस्त 1924 को मध्य प्रदेश के जमानी गांव में हुआ था। उनका जीवन संघर्षों से भरा रहा। उन्होंने नागपुर विश्वविद्यालय से हिंदी में एमए की शिक्षा प्राप्त की। कुछ समय अध्यापन करने के बाद उन्होंने स्वतंत्र लेखन को अपना जीवन बना लिया। यह निर्णय आसान नहीं था, क्योंकि स्वतंत्र लेखन में आर्थिक स्थिरता का अभाव था, लेकिन परसाई ने साहित्य को नौकरी या प्रतिष्ठा प्राप्त करने का साधन नहीं बनाया। उन्होंने अपनी वैचारिक स्वतंत्रता और लेखकीय प्रतिबद्धता को सर्वोच्च महत्व दिया। जबलपुर से उन्होंने 'वसुधा' नामक साहित्यिक पत्रिका का प्रकाशन और संपादन भी किया। सीमित संसाधनों और आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने साहित्यिक पत्रकारिता को गंभीरता से आगे बढ़ाया।

परसाई के साहित्य को समझने के लिए उनके समय को समझना भी जरूरी है। भारत स्वतंत्र हो चुका था और लोकतांत्रिक व्यवस्था स्थापित हो रही थी, लेकिन सामाजिक जीवन में अनेक पुरानी रूढ़ियां, आर्थिक विषमताएं, धार्मिक पाखंड, भ्रष्टाचार और सत्ता के प्रति अंधभक्ति मौजूद थी। स्वतंत्रता के बाद लोगों को जिस आदर्श समाज की उम्मीद थी, उसकी राह में अनेक विसंगतियां दिखाई देने लगी थीं। परसाई ने इन्हीं विसंगतियों को अपनी रचनाओं का विषय बनाया। उन्होंने बड़े सिद्धांतों की चर्चा करने के बजाय रोजमर्रा के जीवन में मौजूद छोटे-छोटे प्रसंगों के माध्यम से व्यवस्था की बड़ी सच्चाइयों को सामने रखा।

उनके व्यंग्य में आम आदमी लगातार उपस्थित रहता है। वह आदमी जो व्यवस्था की जटिलताओं में फंसा हुआ है, जो नेताओं के वादों को सुनता है, सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाता है, महंगाई से जूझता है, धार्मिक पाखंड को देखता है और फिर भी किसी न किसी उम्मीद के सहारे जीवन आगे बढ़ाता है। परसाई ने इस आम आदमी को केवल पीड़ित पात्र बनाकर प्रस्तुत नहीं किया, बल्कि उसकी मानसिकता और सामाजिक परिस्थितियों को भी समझने का प्रयास किया। उनके व्यंग्य का निशाना केवल नेता या अधिकारी नहीं होते, बल्कि समाज के वे लोग भी होते हैं जो व्यवस्था की बुराइयों से परेशान होने के बावजूद किसी न किसी रूप में उनका समर्थन करते रहते हैं।

परसाई की भाषा उनकी सबसे बड़ी ताकतों में से एक थी। उन्होंने साहित्यिक आडंबर से दूर रहते हुए बोलचाल की भाषा को अपनी अभिव्यक्ति का माध्यम बनाया। उनकी भाषा सहज, जीवंत और संवादधर्मी है। ऐसा लगता है जैसे लेखक पाठक के सामने बैठकर उससे बातचीत कर रहा हो। यही सहजता उनके व्यंग्य को व्यापक पाठक वर्ग तक पहुंचाती है। कठिन सामाजिक और राजनीतिक प्रश्नों को वे ऐसी भाषा में रखते हैं कि पाठक पहले हंसता है और फिर सोचने के लिए मजबूर हो जाता है।

उनकी प्रसिद्ध रचनाओं में 'भोलाराम का जीव', 'प्रेमचंद के फटे जूते', 'सदाचार का ताबीज', 'ठिठुरता हुआ गणतंत्र', 'वैष्णव की फिसलन', 'विकलांग श्रद्धा का दौर', 'निठल्ले की डायरी', 'तिरछी रेखाएँ', 'रानी नागफनी की कहानी' और 'तट की खोज' जैसी रचनाएं विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। उनके साहित्य में कहानी, उपन्यास, निबंध और व्यंग्य जैसी विभिन्न विधाओं का प्रयोग मिलता है, लेकिन उनकी पहचान मुख्य रूप से एक सशक्त व्यंग्यकार के रूप में स्थापित हुई।

'भोलाराम का जीव' जैसी रचना में प्रशासनिक व्यवस्था की संवेदनहीनता पर व्यंग्य दिखाई देता है। एक साधारण आदमी की मृत्यु के बाद भी उसकी समस्याओं का समाधान नहीं होता। यह स्थिति केवल एक व्यक्ति की कहानी नहीं रह जाती, बल्कि उस व्यवस्था का प्रतीक बन जाती है जिसमें कागज और नियम इंसान से अधिक महत्वपूर्ण हो जाते हैं। परसाई की विशेषता यह है कि वे इस गंभीर विषय को उपदेशात्मक शैली में नहीं रखते। वे ऐसी परिस्थिति निर्मित करते हैं जिसमें हास्य पैदा होता है, लेकिन उस हास्य के भीतर व्यवस्था की क्रूरता साफ दिखाई देती है।

'प्रेमचंद के फटे जूते' में परसाई साहित्यकार और समाज के संबंधों पर विचार करते हैं। प्रेमचंद के फटे जूतों को वे केवल आर्थिक अभाव का प्रतीक नहीं बनाते, बल्कि लेखक की ईमानदारी और सामाजिक सरोकारों के संदर्भ में देखते हैं। यहां व्यंग्य साहित्यिक दुनिया की उन प्रवृत्तियों पर भी चोट करता है जहां लेखक की वास्तविक प्रतिबद्धता से अधिक उसके बाहरी सम्मान और प्रतिष्ठा को महत्व मिलने लगता है। इस रचना की लोकप्रियता इस बात का प्रमाण है कि परसाई साहित्य को समाज की वास्तविक परिस्थितियों से जोड़कर देखने वाले लेखक थे।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

कार, बाइक ,ट्रेन और बस यही वाहन तो गवाह हैं मेरी मोहब्बत के, वो रिमझिम फुहारें और वो मूसलाधार बरसात बस यही बूँदें तो गवाह हैं मेरी मोहब्बत के, वो लंबी सड़कें और हमारा हाथ पकड़ के टहलना ये सड़कें ही तो गवाह हैं मेरी मोहब्बत की, वो पार्क, वो platform वो सड़क ये सब ही गवाह हैं मेरी मोहब्बत के, भटक के रह गई हूँ, करती तलाश इधर-उधर ये तलाश, ये इंतजार, यही तो गवाह हैं मेरी मोहब्बत के, सब रंग,लाल हरे गुलाबी नीले पीले ये बेतरतीब फैले काले बेरंग रंगीन बस...यही तो गवाह हैं मेरी मोहब्बत के....

– अर्चना खण्डेलवाल

धैर्य पूर्वक लक्ष्य पर नजर रखो अल्पकालिक लाभ प्रदान करने वाले कार्य दुखदाई होते हैं। सार्वभौमिक हित साधन ही प्रेय है जो अहंकार की पूर्ति करें और लोकोपकारक न हो ऐसे कार्य का त्याग ही श्रेष्ठ है।

– नवीन शंकर शर्मा

आग लगाकर सीने में ,मैं दिल को थोड़ा शेक रही हूं आस्तीन में जितने कीड़े ,आते जाते देख रही हूं राह में मेरी जितने पत्थर, फेंके मुझे गिराने को राम राम लिख कर के सारे, गंगा जी में फेक रही हूं!! - **नीरू श्रीवास्तव**

काँच की कप की तरह होते हैं कुछ रिश्ते बरतते हैं सावधानी से तो चल जाते हैं जीवन भर या फिर उसके बाद तक भी। चाय की मिठास और गरमाहट बनी रहती है पारदर्शी बरतनों में भी दरकने के पहले तक ही। बस दरक जाएं तो फिर कुछ भी नहीं टिक पाता वहाँ। काँच का दरकना रासायनिक प्रक्रिया होती है भौतिक नहीं!

– सरिता खोवाला

कभी कभी चालीस में भी चौदह वाली हरकतें करने को मन करता है छै छप्पा छै छप्पा के छय धूप चाहे कितनी भी हो, थोड़ी छांव बचाकर रखनी चाहिए... अंधेरा चाहे कितना घना हो, रौ का एक कतरा बचाकर रखना चाहिए... चाहे हम हों जिंदगी के किसी भी पड़ाव पर, अपने अंदर का बच्चा बचा के रखना चाहिए.... । - **कुमुद अनुन्जया**

गजब का सत्याग्रह ,अनुशासित, संतुलित, मर्यादित, सैद्धांतिक राची के छात्रो ने जो तस्वीर और कटआऊट लिया है वह स्वर्गीय शीबू सोरेन जी का लिये है जिनके पुत्र मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन है आधुनिक दुनिया को ये छात्र संदेश दे रहे है कि सत्ता से हक कि लडाई बगैर उत्पात मचाये और देश को हिंसा मे झोके भी शालीनता से और संवैधानिक दायरे मे रहकर लडी जा सकती है।

– एडवोकेट अरूण कुमार गुप्ता

आइना हूँ, सामने थोड़ा सँभल कर आ ज़रा सिर्फ़ सूरत ही नहीं सीरत बदल कर आ ज़रा इस अना के खोल से बाहर निकल आया हूँ मैं तू भी अपनी ज़ात से बाहर निकल कर आ ज़रा देख तो महवे-सफ़र कैसी हैं ये दुश्वारियाँ ऐ मेरी मंज़िल! मेरी जानिब तू चल कर आ ज़राआज तेरी ज़ात के असरार सब खुल जायेंगे आइने में अक्स की मानिंद ढल कर आ ज़रा शे'रगोई में असर पैदा जो करना है 'अजय' शायरी में ज़ाविये अपने बदल कर आ ज़रा ।

– अजय आज़ात

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। आज आप व्यापार में अ'छा धन लाभ कमायेंगे, घर में सम्पन्नता आएगी।

वृष : आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज आप अपनी काबिलीयत के दम पर किसी काम को करने में सफल रहेंगें। आज शाम का समय आप फैमली के साथ बहुत अ'छे से गुजारेंगे।

मिथुन : आज आपका दिन एक नयी उमंग लेकर आया है। मेहनत का अ'छा फल मिल सकता है। आज आपको रोजगार में नए अवसर प्राप्त होंगें ।

कर्क : आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आज आप अपनी कारोबारी गतिविधियों में कुछ बदलाव कर सकते है।

सिंह : आज का दिन आपके लिए अ'छा रहेगा। आज आप कुछ नए विचारों पर काम करेंगे ये विचार आपको अधिक मुनाफा देंगे। आज आप अपने लक्ष्य पर फोकस रहे जल्द ही आपको सुखद परिणाम मिलेंगे।

कन्या : आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आपके लिए रोजगार में तरक्की के नए रास्तें खुलेंगे। आज ऑफिस का काम समय पर पूरा हो जायेगा।

तुला : आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज आपको व्यापार में बड़ा धन लाभ होगा , घर में सुख ङ्क शांति बनी रहेगी। आज कारोबारी गतिविधियां व्यवस्थित रहेगी, लेकिन लेनदेन से सम्बन्धित मामलों में सावधानी रखें।

वृश्चिक : आज का दिन आपके लिए मिला ङ्क जुला रहेगा। आज आपके विनम्र स्वभाव की सराहना होगी और आज आप किसी भी चुनौती का सूझबूझ से समाधान निकाल लेंगे।

धनु : आज का दिन आपके लिए लकी रहने वाला है। इस राशि के स्टूडेंट्स को 'यादा मेहनत करने की जरूरत है, सफलता के अ'छे अवसर जल्द ही मिलेंगे।

मकर : आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज आपको प्रियजनों से मिलने का मौका मिलेगा , जिससे आपको खुशी मिलेगी। आज आपको आपकी मनपसन्द वस्तु मिलेगी, जिससे आप बहुत अधिक प्रसन्न होंगे।

कुंभ : आज का दिन आपके लिए बेहद खुशनुमा रहेगा। आज अत्यधिक व्यस्तता के बावजूद आप परिवार और व्यवसाय में उचित सामंजस्य बनाकर रखेंगे।

मीन :आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपको बिजनेस में बड़ी डील मिलेगी , जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आपका दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा और ब'चे भी अपनी पढाई के ऊपर फोकस करेंगे।

QUIZ TIME

1. शिफ्टिंग कलटिवेशन भारत में किस नाम से बेहतर जाना जाता है?
2. भारत का कौन सा राज्य परशुराम की जमीन के नाम से जाना जाता है?
3. लुधियाना शहर का नाम और उसकी स्थापना किस राजवंश से हुई थी?
4. असम में टुप्पा क्या है?
5. इस सब्जी का अंग्रेजी शब्द ओबरजीन है। भारत में हम इसे क्या कहते है?

उत्तरमाला- (1) झूम खेती (2) केरल (3) लोदी (4) एक चाय की टोकरी (5) बैंगन

★ RamaQuiz ★

पहेली

शब्द सामर्थ्य -125

[illegible]

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 124 का हल

रायपुर/नवप्रदेश। आदिवासी दिवस के अवसर पर इनडोर स्टेडियम से आदिवासी समाज द्वारा निकाली विशाल रैली

न्यूज गैलरी

नकटी के बाद अब चंदेरी की चरागाह जमीन उद्योगपतियों को सौंपने की तैयारी

रायपुर/नवप्रदेश। पूर्व मंत्री मोहम्मद अकबर ने बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के सिमगा तहसील के ग्राम चंदेरी में चरागाह की जमीन उद्योग के लिए दिए जाने के मामले में राज्य सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा है कि नकटी कांड के बाद अब चंदेरी की चरागाह भूमि को उद्योगपतियों को सौंपने की तैयारी की जा रही है, जबकि इस मामले में मुख्यमंत्री जी के आश्वासन और सुप्रीम कोर्ट के आदेश का भी पालन नहीं हो रहा है।

अकबर ने कहा कि 23 फरवरी 2024 को दामाखेड़ा में कबीरपंथ के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी ने दामाखेड़ा के 10 किलोमीटर के दायरे में उद्योग नहीं लगाने को लेकर आश्वासन दिया था। इसके बावजूद चंदेरी में लगभग 23.93 हेक्टेयर यानी करीब 59 एकड़ चरागाह की जमीन को नवीन औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिए उद्योग विभाग को आधिपत्य सौंप दिया गया है।उन्होंने कहा कि यह मामला राजस्व मंत्री जी के गृह जिले से जुड़ा है, लेकिन सरकार गांव के आम निस्तार की भूमि और चरागाह को बचाने में असहाय नजर आ रही है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का भी हवाला-पूर्व मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के 10 मार्च 2011 के स्पष्ट निर्देश के अनुसार भविष्य में सार्वजनिक उपयोग के लिए सुरक्षित भूमि को अन्य प्रयोजन के लिए आवंटित नहीं किया जाना है। इसके बावजूद चंदेरी तहसील के खसरा नंबर 1660, 2206, 2207 और 1743 की कुल लगभग 23.93 हेक्टेयर जमीन उद्योग विभाग को 6 फरवरी 2026 को आधिपत्य में दे दी गई। अकबर ने कहा कि नायब तहसीलदार सिमगा ने 19 जनवरी 2025 की अपनी आर्डर शीट में ग्राम पंचायत चंदेरी की आपत्ति का उल्लेख किया था। इसके बावजूद जमीन का आधिपत्य तहसीलदार सिमगा के माध्यम से उद्योग केंद्र बलौदाबाजार को दे दिया गया।

सांभर शिकार मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार न्यायिक अभिरक्षा में भेजे गए जेल

रायपुर/नवप्रदेश। वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर वन मंत्री केदार कश्यप के सख्त निर्देशों के बाद वन विभाग ने वन्यजीव तस्करों और शिकारियों के खिलाफकार्रवाई तेज कर दी है। इसी कड़ी में मोहला वनमंडल के दक्षिण मानपुर क्षेत्र में सांभर का शिकार करने वाले तीन आरोपियों को रंगे हाथ पकड़कर सलाखों के पीछे भेज दिया गया है।वनमण्डलाधिकारी श्री दिनेश कुमार पटेल ने बताया कि विगत 6 अगस्त की शाम को वन विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि ग्राम पंचायत बागडोगरी के रेंगाटोला गांव (तहसील औंधी) में कुछ लोग सांभर का मांस पका रहे हैं। सूचना मिलते ही दक्षिण मानपुर के परिक्षेत्र अधिकारी और मानपुर के उपवनमंडलाधिकारी ने सर्च वारंट लेकर तुरंत मौके पर छापेमारी की।छापेमारी के दौरान पका हुआ मांस बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि खेत में फंसे सांभर के बच्चे की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या की गई थी। वन विभाग की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियोंकृकाजूराम (पिता मसरूराम), रघुराम (पिता मनीराम) और राहुल (पिता सुकलु) को गिरफ्तार कर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सी.जी.एम.) न्यायालय, अंबागढ़ चौकी में पेश किया। न्यायालय ने तीनों आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में राजनांदगांव जेल भेजने का आदेश जारी कर दिया है।इस संदर्भ में वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने स्पष्ट किया है कि वन्यजीवों के संरक्षण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अपराध बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और शिकारियों के खिलाफऐसे ही कड़े कदम उठाए जाते रहेंगे।

गंगरेल के जंगलों से गहरे जख्मों के साथ रेस्क्यू हुआ अजगर

रायपुर/नवप्रदेश। धमतरी वन परिक्षेत्र के गंगरेल वन क्षेत्र में गंभीर रूप से घायल मिले एक भारतीय अजगर (पायथन मोलुरस) को वन विभाग की टीम ने तत्परता दिखाते हुए सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया है। धमतरी में प्राथमिक उपचार देने के बाद अजगर को बेहतर इलाज और निरंतर निगरानी के लिए रायपुर स्थित नंदनवन जंगल सफारी भेज दिया गया है, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में उसका स्वास्थ्य सुधर रहा है।

'पत्थर या भारी वस्तु से हमले की आशंका'-मामला 8 अगस्त का है, जब गंगरेल के जंगल में एक विशालकाय अजगर को लहूलुहान अवस्था में देखा गया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने सर्प मित्र नीरज पांडेय के सहयोग से अजगर का रेस्क्यू किया और उसे सुरक्षित रूप से धमतरी वन परिक्षेत्र कार्यालय लाया गया। वन परिक्षेत्र अधिकारी, धमतरी और डिप्टी रेंजर की मौजूदगी में पशु चिकित्सक ने अजगर की चिकित्सकीय जांच की। परीक्षण के दौरान अजगर के सिर, पूंछ और शरीर के कई हिस्सों में गहरे घाव पाए गए। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि किसी ने उस पर भारी पत्थर या किसी कठोर वस्तु से जानबूझकर हमला किया था।

गरियाबंद की पहाड़ियों में बसा प्रकृति संस्कृति और रोमांच का अनछुआ संसार

गरियाबंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले का नाम लेते ही अधिकांश लोगों के मन में जतमई, घटारानी,भूतेश्वरनाथ की छवि उभरती है। लेकिन इन्हीं प्राकृतिक धरोहरों के बीच एक ऐसा क्षेत्र भी है, जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं–आमामोरा।

गरियाबंद विकासखंड के सुदूर वनांचल में स्थित आमामोरा प्रकृति की गोद में बसा ऐसा इलाका है,जहाँ ऊँचे-ऊँचे पर्वत,घने साल के जंगल, कल-कल बहते झरने और आदिवासी संस्कृति आज भी अपनी मौलिक पहचान के साथ जीवित हैं। यह क्षेत्र ओडिशा की सीमा के निकट होने के कारण भौगोलिक और सांस्कृतिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है।

प्रकृति का अनुपम उपहार

आमामोरा की सबसे बड़ी पहचान इसकी प्राकृतिक सुंदरता है। वर्षा ऋतु में पूरा क्षेत्र हरे रंग की चादर ओढ़ लेता है। पहाड़ियों से उतरते झरने,बादलों से ढकी चोटियाँ और जंगलों की शांति किसी भी प्रकृति प्रेमी को मंत्रमुग्ध कर देती है। क्षेत्र का कारी पगार जलप्रपात वर्षाकाल में अपने पूरे सौंदर्य के साथ बहता है। इसके अलावा कई छोटे झरने और जलधाराएँ इस क्षेत्र की सुंदरता को और बढ़ाते हैं।

जैव विविधता का महत्वपूर्ण क्षेत्र

आमामोरा के आसपास फैले वन वन्यजीवों के लिये सुरक्षित आवास हैं। यहाँ तेंदुआ,भालू,जंगली सूअर, हिरण, सियार तथा अनेक प्रकार के प पाये जाते हैं। यही कारण है कि यह इलाका जैव विविधता संरक्षण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। वन विभाग द्वारा समय-समय पर गश्त, वन संरक्षण और वन्यजीव सुरक्षा के लिए विभिन्न अभियान भी संचालित किये जाते हैं।

आदिवासी संस्कृति की जीवंत पहचान

आमामोरा की पहचान केवल उसके जंगलों से नहीं, बल्कि यहाँ रहने वाले जनजातीय समाज से भी है। भुंजिया, गोंड तथा अन्य आदिवासी समुदाय आज भी अपनी पारंपरिक जीवनशैली, लोकनृत्य, लोकगीत, रीति-रिवाज और प्रकृति-आधारित जीवन दर्शन को संजोए हुये हैं। यहाँ के पारंपरिक त्योहार, सामुदायिक मेल-जोल और लोक संस्कृति आने वाले पर्यटकों के लिये भी आकर्षण का विषय हो सकते हैं।

आजीविका का आधार

यहाँ के अधिकांश परिवार कृषि और वनोपज पर निर्भर हैं। धान की खेती प्रमुख है। इसके साथ महुआ, तेंदूपत्ता, हर्रा, बहेरा, चिरौंजी और अन्य लघु वनोपज ग्रामीणों की आय का महत्वपूर्ण स्रोत हैं।

विकास की चुनौतियाँ

पिछले कुछ वर्षों में सड़क, बिजली,मोबाइल नेटवर्क और अन्य बुनियादी सुविधाओं में सुधार हुआ है,फिर भी कई क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवायें, उच्च शिक्षा, सार्वजनिक परिवहन और इंटरनेट कनेक्टिविटी की आवश्यकता महसूस की जाती है। वर्षा ऋतु में कुछ मार्गों पर आवागमन भी प्रभावित हो जाता है।

पर्यटन की अपार संभावनायें

यदि योजनाबद्ध तरीके से ईको-टूरिज्म विकसित किया जाये तो आमामोरा गरियाबंद का प्रमुख पर्यटन केंद्र बन सकता है।

10 साल बाद रायपुर पहुंचेंगे दाऊदी बोहरा समुदाय के धर्मगुरु सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन

■ **मुंबई से स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पहुंचेंगे 53वें धर्मगुरु, स्वागत के लिए जुटेंगे हजारों समाजजन; आमानाका की नवनिर्मित मस्जिद के उद्घाटन की भी उम्मीद**

रायपुर/नवप्रदेश। विश्वभर के दाऊदी बोहरा समुदाय के 53वें धर्मगुरु परम पावन सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन साहब सोमवार, 10 अगस्त को मुंबई से रायपुर पहुंचेंगे। वे स्वामी विवेकानंद विमानतल पर पहुंचने के बाद शहर में अपने प्रवास के दौरान समुदाय के सदस्यों से मुलाकात करेंगे। उनके स्वागत के लिए दाऊदी बोहरा समाज के हजारों सदस्य कम्युनिटी सेंटर में एकत्र होंगे। करीब एक दशक बाद सैयदना साहब के रायपुर आगमन को लेकर समाज में विशेष उत्साह और तैयारियां हैं।

सैयदना साहब अपने रायपुर प्रवास के दौरान समुदाय के सदस्यों से सीधे संवाद करेंगे और उन्हें आस्था, सामाजिक जिम्मेदारी तथा समाज एवं राष्ट्र के प्रति सेवा के विषयों पर मार्गदर्शन देंगे। इस दौरान आमानाका में नवनिर्मित मस्जिद के उद्घाटन का कार्यक्रम भी प्रस्तावित बताया जा रहा है।

परिवारों में उत्साह, बच्चों और युवाओं के लिए खास अवसर

रायपुर में दाऊदी बोहरा समुदाय के मीडिया समन्वयक इदरीस हैदरी ने बताया कि पिछले दस वर्षों में सैयदना साहब का यह पहला रायपुर दौरा है। ऐसे में समाज के परिवारों में इस यात्रा को लेकर विशेष उत्साह है। उन्होंने कहा कि बच्चों और युवा सदस्यों के लिए अपने धर्मगुरु से रायपुर में सीधे मिलने का अवसर लंबे समय तक यादगार रहेगा।

देश-विदेश में समुदाय से करते हैं सीधा संवाद

सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन साहब नियमित रूप से भारत सहित विभिन्न देशों में बसे दाऊदी बोहरा समुदाय के बीच पहुंचते हैं। इन यात्राओं के दौरान वे समाज के सदस्यों से संवाद कर शिक्षा, सामाजिक जिम्मेदारी, आर्थिक सशक्तीकरण और व्यापक समाज की सेवा से जुड़ी स्थानीय पहलों को प्रोत्साहित करते हैं। उनके प्रवास को समुदाय के लिए मार्गदर्शन और सामाजिक गतिविधियों को नई गति देने वाला माना जाता है।

अगस्त क्रांति दिवस व विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि आज अगस्त क्रांति दिवस है। आज ही के दिन महात्मा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने भारत छोड़ो आंदोलन की शुरूआत किया था। इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानियों को नमन करता हूं। उनके त्याग और बलिदान से ही आज हम आजाद भारत में सांस ले रहे है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि आज विश्व आदिवासी दिवस है, मैं देश और दुनियां तथा प्रदेश के आदिवासी भाईयों, बहनों को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देता हूं। छत्तीसगढ़ में आदिवासी समाज की आबादी 32 प्रतिशत है लेकिन विकास की दौड़ में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार में आदिवासी समाज काफी पीछे है। प्रदेश का मुखिया आदिवासी है लेकिन दुख की बात है वह खुद को आदिवासी नहीं मानने की शर्त पर मुख्यमंत्री बने है। भारतीय जनता पार्टी, आरएसएस और आदिवासी समाज को वनवासी मानने का षड़यंत्र करती है। यही कारण है जब सारी दुनिया आदिवासी समाज की ओर लोगों का ध्यान आकृष्ट करने विश्व आदिवासी दिवस मनाती है। छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार इस दिन को मनाने से परहेज करती है।

अगस्त का बिजली बिल भी पिछले पांच माह जैसे बेतहाशा आया है: प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार झूठा दावा कर रही है कि अगस्त माह में जो जुलाई के बिजली बिल भेजे गये है उसमें बिजली की खपत कम हुई है। हकीकत यह है कि आम आदमी का बिजली बिल अगस्त माह में जो आया है उसकी राशि भी अप्रेल, मई, जून, जुलाई के जैसे ही लगभग उतनी ही आई है।

अनुसूचित जाति उपयोजना के तहत किसानों को स्टोरेज बिन वितरित

रायपुर/नवप्रदेश। आईसीएआर-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान, रायपुर द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत ग्राम बेल्टुकरी के अनुसूचित जाति वर्ग के किसानों एवं किसान महिलाओं को 100 स्टोरेज बिन वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य कृषि उपज के सुरक्षित एवं वैज्ञानिक भंडारण को बढ़ावा देना तथा भंडारण के दौरान होने वाले फसल उपरांत नुकसान को कम करना है।

राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान के निदेशक डॉ. पी. के. राय ने कहा कि कृषि उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ उपज का उचित भंडारण भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक भंडारण पद्धतियों को अपनाने से कृषि उपज को नमी, कीट प्रकोप तथा भंडारण के दौरान होने वाले अन्य नुकसान से सुरक्षित रखा जा सकता है। इससे उपज की गुणवत्ता एवं मात्रा को लंबे समय तक बनाए रखने में मदद मिलती है।

डॉ. राय ने कहा कि कृषि उपज का वैज्ञानिक एवं उचित भंडारण न केवल फसल उपरांत होने वाले नुकसान को कम करता है, बल्कि किसानों को बेहतर आर्थिक लाभ प्राप्त करने में भी मदद करता है। उन्होंने कहा कि संस्थान द्वारा किसानों की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप वैज्ञानिक तकनीकों एवं उपयोगी कृषि ज्ञान को गांव स्तर तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर डॉ. पंकज शर्मा, संयुक्त निदेशक एवं एससीएसपी समन्वयक, ने किसानों से संवाद करते हुए धान की फसल में रोपाई के बाद अपनाई जाने वाली प्रमुख सस्य क्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने समय पर खरपतवार प्रबंधन, संतुलित पोषक तत्वों का प्रयोग, उचित जल प्रबंधन तथा फसल की नियमित निगरानी पर विशेष जोर दिया।

डॉ. शर्मा ने किसानों को धान की फसल में आगामी समय में संभावित प्रमुख कीटों की पहचान एवं उनके प्रभावी प्रबंधन के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने किसानों से फसल की नियमित निगरानी करने तथा कीटों के प्रकोप की प्रारंभिक अवस्था में ही वैज्ञानिक सलाह के आधार पर उचित प्रबंधन उपाय अपनाने का आग्रह किया।

21 वर्षों बाद फिर खुला मेटापारा कोरसागुड़ा का स्कूल

रायपुर/नवप्रदेश। बीजापुर जिले में बंद पड़े स्कूलों को फिर से शुरू कर बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सशक्त नेतृत्व और वन एवं बीजापुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार लगातार अभियान सफल हो रहा है। इसी कड़ी में उसूर विकासखंड के प्राथमिक शाला मेटापारा, कोरसागुड़ा का 21 वर्षों बाद पुनः संचालन शुरू किया गया। कलेक्टर बीजापुर विश्वदीप की पहल से स्कूल खुलने के साथ ही गांव में खुशियों का माहौल बन गया। विद्यालय में प्रवेश लेने वाले 25 बच्चों का फूलमाला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया। बच्चों को स्लेट, पुस्तकें और पेंसिल भी वितरित की गईं, जिससे उनके शैक्षणिक जीवन की नई शुरुआत हुई।

गांव में लौटी पढ़ाई की रौनक: लंबे समय बाद स्कूल खुलने से ग्रामीणों और अभिभावकों में उत्साह देखा गया। अब बच्चों को अपने गांव में ही पढ़ाई का अवसर मिल रहा है, जिससे उनकी शिक्षा पहले की तुलना में अधिक सुगम हो गई है।

शिक्षा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव: जिला पंचायत सदस्य श्री शंकरैया माड़वी ने बच्चों का स्वागत करते हुए उन्हें नियमित रूप से स्कूल आने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है और स्कूलों के पुनः संचालन से दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों का भविष्य संवर रहा है।

38 बंद स्कूल फिर से शुरू, शिक्षादूतों की मदद से पढ़ाई शुरू: जिला शिक्षा अधिकारी बीजापुर श्री राजेश पांडे ने बताया कि राज्य शासन और जिला प्रशासन के विशेष प्रयासों से वर्तमान शिक्षा सत्र में बीजापुर जिले के 38 बंद स्कूलों का पुनः संचालन किया जा चुका है। स्थानीय संसाधनों और शिक्षादूतों की मदद से पढ़ाई शुरू कराई गई है, जिससे वर्षों से शिक्षा से दूर रहे बच्चों को फिर से विद्यालयों से जोड़ा जा रहा है।

दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों तक शिक्षा की रोशनी: मेटापारा कोरसागुड़ा स्कूल का पुनः संचालन केवल एक विद्यालय खुलने की घटना नहीं है, बल्कि यह इस बात का प्रमाण है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व, प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन और जिला प्रशासन की सक्रिय पहल से दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों तक शिक्षा की रोशनी पहुंच रही है।

विश्व आदिवासी दिवस पर गूंजा बस्तर का गौरव, परंपरा और संस्कृति का दिखा विराट स्वरूप

■ पारंपरिक वेशभूषा,लोकनृत्य और ढोल-नगाड़ों से सजा बस्तर; शहर में निकली विशाल रैली, चौक-चौराहों पर दिखी आदिवासी संस्कृति की झलक

जगदलपुर/नवप्रदेश। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को पूरा बस्तर अंचल अपनी समृद्ध आदिवासी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक पहचान के रंग में रंगा नजर आया। अंचल में जगह-जगह आयोजित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग शामिल हुए। पारंपरिक वेशभूषा में सजे महिला-पुरुष और युवाओं की मौजूदगी के बीच लोकगीत, लोकनृत्य और पारंपरिक वाद्य यंत्र आकर्षण का केंद्र रहे। ढोल-नगाड़ों की थाप पर थिरकते कदमों ने बस्तर की जीवंत लोक संस्कृति को जीवंत कर दिया।

कार्यक्रमों में समाज प्रमुखों ने कहा कि बस्तर की पहचान उसकी आदिवासी संस्कृति, जल-जंगल-जमीन और सदियों पुरानी परंपराओं से जुड़ी है। आधुनिक दौर में नई पीढ़ी को अपनी भाषा, बोली, रीति-रिवाज, लोककला और पारंपरिक ज्ञान से जोड़ना समय की आवश्यकता है। इस दौरान सामाजिक एकता, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आदिवासी अधिकारों तथा जल-जंगल-जमीन के संरक्षण पर भी चर्चा हुई। समाजजनों ने अपनी सांस्कृतिक विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंचाने का संकल्प लिया।

बाजे-गाजे के साथ निकली विशाल रैली-शहर में सर्व मूल निवासी समाज के लोग धरमपुरा स्थित पीजी कॉलेज मैदान में एकत्रित हुए। यहां से बाजे-गाजे के साथ विशाल रैली निकाली गई। रैली धरमपुरा मार्ग से अनुपमा चौक, अग्रसेन चौक,मिताली चौक,गोलबाजार,मेन रोड,कोतवाली थाना, शहीद पार्क,चांदनी चौक,कलेक्ट्रेट मार्ग और कोर्ट तिराहा होते हुए गुण्डाधूर पार्क पहुंची। यहां वीर शहीद गुण्डाधूर को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ रैली का समापन हुआ। इस दौरान समाज प्रमुख प्रतापगंजपारा स्थित भूमि पर भी पहुंचे और सेवा-अर्जी की। रैली में पारंपरिक वेशभूषा और लोकनृत्य विशेष आकर्षण रहे।

बांस और प्राकृतिक सामग्री से सजे शहर के चौक-चौराहे

विश्व आदिवासी दिवस को लेकर शहर के विभिन्न चौक-चौराहों को समाज के युवाओं ने बांस,पत्तों और अन्य प्राकृतिक सामग्री से आकर्षक पारंपरिक रूप में सजाया। इन सजावटों में बस्तर की प्रकृति,जीवनशैली और मूलनिवासी संस्कृति की खूबसूरत झलक दिखाई दी।

संक्षिप्त खबरें

उत्कृष्ट कार्य के लिए खंड शिक्षा अधिकारी देव कुमार शील को मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

जगदलपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा कोलीवाड़ा ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी देव कुमार शील को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्यों तथा कार्यकुशलता के लिए सम्मानित किया गया। शिक्षा व्यवस्था में बेहतर सुधार,विद्यार्थियों के हित में किए गए प्रयासों और विभागीय कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया।मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किए जाने पर शिक्षा विभाग के अधिकारियों,कर्मचारियों एवं शिक्षकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी। इस सम्मान को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों के लिए प्रेरणादायी बताया गया।सम्मान समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने पर जोर दिया। खंड शिक्षा अधिकारी शील ने सम्मान के लिए शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी शिक्षा के क्षेत्र में पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की बात कही।

वन,जल और भूमि जनजातीय समाज के जीवन का आधार : डॉ. कोले

जगदलपुर/नवप्रदेश। विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान एवं जनजातीय अध्ययनशाला में व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. स्वपन कुमार कोले ने वन-आधारित आजीविका उपायों के माध्यम से जनजातीय विकास विषय पर विचार रखते हुए कहा कि जंगल जनजातीय समाज की पहचान और आजीविका का प्रमुख आधार हैं। वन आधारित आजीविका जनजातीय समाज को आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से सशक्त करने के साथ ऐसा विकास मॉडल प्रस्तुत करती है, जिसमें प्रकृति और परंपरा के बीच संतुलन बना रहता है।

एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुकृता तिर्की ने बस्तर के आदिवासी समाज की मूल संस्कृति विषय पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि बस्तर के आदिवासी समाज की विशिष्ट भाषा-बोली, रहन-सहन, खानपान और भौगोलिक पहचान है। यहां की संस्कृति प्रकृति, सामूहिकता और परंपराओं से गहराई से जुड़ी है। गोटुल जैसी सामाजिक संस्था युवाओं को अनुशासन, शिक्षा और सामूहिक जीवन का पाठ पढ़ाती है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज को उनके अधिकारों और पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा सकता है। कार्यक्रम में शिवम,अनामिका मंडावी और मनीराम ने विश्व आदिवासी दिवस की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर भाषण एवं गीत प्रस्तुत किए। स्वागत उद्बोधन में अतिथि व्याख्याता डॉ. लखन लाल विश्वकर्मा ने कहा कि आदिवासी समाज प्रकृति के साथ संतुलन में जीवन जीने का अद्वितीय उदाहरण है। वन, जल और भूमि उनके लिए केवल संसाधन नहीं,बल्कि जीवनदाता हैं। संचालन डॉ. शारदा देवांगन ने किया। इस अवसर पर डॉ. प्रकाश सहित विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं की सराहनीय भागीदारी रही।

भानुप्रतापपुर और कांकेर के समीकरणों पर जनता की तीखी प्रतिक्रिया

ब्रिटिशकालीन तहसील अंतागढ़ को जिला बनाने की उठी पुरजोर मांग

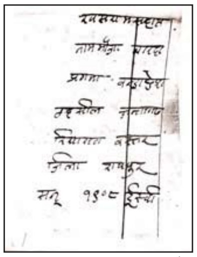

अंतागढ़ / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में नए जिलों के गठन और पुनर्गठन को लेकर एक बार फिर प्रशासनिक और राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। उत्तर बस्तर कांकेर जिले के विभाजन और भानुप्रतापपुर को नया जिला बनाए जाने की मांग चर्चाओं के बीच स्थानीय प्रबुद्ध वर्ग, जन-प्रतिनिधियों और आम नागरिकों ने अंतागढ़ को नया जिला बनाने की पुरजोर वकालत की है। क्षेत्रवासियों का स्पष्ट तर्क है कि भानुप्रतापपुर के अलग जिला बनने से न केवल कांकेर जिले का अस्तित्व और डीएमएफ फंड प्रभावित होगा, बल्कि अंतागढ़ जैसा ऐतिहासिक क्षेत्र एक बार फिर विकास की मुख्यधारा से छूट जाएगा।

अंतागढ़ बनाम भानुप्रतापपुर: इतिहास और भौगोलिक केंद्रबिंदु की लड़ाई

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अंतागढ़ का इतिहास ब्रिटिश काल से जुड़ा हुआ है। जब रायपुर जिला हुआ करता था, तब भी अंतागढ़ एक प्रमुख तहसील के रूप में स्थापित था। आज भी अंतागढ़ में ब्रिटिश कालीन तहसील कार्यालय, पुराना थाना, अस्पताल और विश्रामगृह (रेस्ट हाउस) जैसे ऐतिहासिक साक्ष्य मौजूद हैं। वहीं, जगदलपुर (बस्तर) तहसील से बढ़कर आज संभाग मुख्यालय बन गया, लेकिन अंतागढ़ उपेक्षा के कारण अपनी मूल पहचान खोता जा रहा है।

तुलनात्मक रूप से भानुप्रतापपुर और पखांजूर का गठन बाद के वर्षों में सरकारों द्वारा किया गया, जिनका अंतागढ़ की तरह कोई पुराना प्रशासनिक इतिहास नहीं है।

भौगोलिक दृष्टि से भी अंतागढ़ कांकेर जिले का केंद्र बिंदु माना जाता है। यहाँ से रावघाट, आमाबेड़ा, कोयलीबेड़ा और आसपास की अन्य तहसीलों की दूरी लगभग बराबर पड़ती है। अंतागढ़ को जिला मुख्यालय बनाने से सुदूर अंचलों के ग्रामीणों के समय और पैसे दोनों की भारी बचत होगी।

DMF फंड और राजस्व आत्मनिर्भरता

नया जिला चलाने के लिए वित्तीय संसाधन सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। अंतागढ़ को जिला बनाने के पक्ष में सबसे बड़ा तर्क आर्थिक मजबूती का है। रावघाट और मेटाबोदली माइंस अंतागढ़ क्षेत्र में स्थित हैं, जिनसे भारी मात्रा में डीएमएफऔर राजस्व प्राप्त होता है। इसके अलावा भविष्य में इस क्षेत्र में अन्य खदानें शुरू होने की भी संभावना है। साथ ही अंतागढ़ क्षेत्र में प्रचुर मात्रा में वन संपदा उपलब्ध है, जो स्थानीय जनजातीय आबादी के आजीविका और स्वरोजगार के लिए प्राकृतिक आधार प्रदान करती है।

यदि भानुप्रतापपुर को अलग जिला बनाया जाता है, तो कांकेर जिले के पास डीएमएफ फंड की भारी कमी हो जाएगी, जिससे स्वयं कांकेर जिले का संचालन और विकास कार्य प्रभावित होंगे।

जनता और क्षेत्रवासियों की तीखी प्रतिक्रियाएं

अंतागढ़ के साथ ऐतिहासिक अन्याय बंद हो-ब्रिटिश काल की तहसील होने के बावजूद आज तक अंतागढ़ को जिले का दर्जा न मिलना चिंताजनक है। यदि भानुप्रतापपुर जिला बनता है तो कांकेर कमजोर होगा। सरकार को चाहिए कि भानुप्रतापपुर को कांकेर में ही रखे और अंतागढ़ को जिला बनाए, ताकि रावघाट और कोयलीबेड़ा जैसे अंतिम छोर के इलाकों का सही मायनों में विकास हो सके।

स्थानीय ग्रामीण एवं समाजसेवी

भौगोलिक और आर्थिक रूप से अंतागढ़ ही सबसे उपयुक्त

अंतागढ़ केंद्र में स्थित है। रावघाट और मेटाबोदली माइंस से मिलने वाले डीएमएफ फंड से नया जिला आर्थिक रूप से पूरी तरह आत्मनिर्भर रहेगा। अंतागढ़ को जिला बनाने से प्रशासनिक नियंत्रण आसान होगा और वनांचल के लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने से मुक्ति मिलेगी।

जन-प्रतिनिधि

कांकेर का अस्तित्व बचाने के लिए संतुलन जरूरी

यदि खनिज समृद्ध क्षेत्रों को काटकर भानुप्रतापपुर को अलग कर दिया गया, तो कांकेर जिला संसाधनों की कमी से जूझेगा। राज्य सरकार को क्षेत्र की वास्तविक स्थिति, इतिहास और आर्थिक पहलुओं का आकलन करके ही फैसला लेना चाहिए।÷

व्यवसायी व बुद्धिजीवी

राज्य सरकार से गुहार

क्षेत्र की जनता, सामाजिक संगठनों और स्थानीय प्रबुद्धजनों ने एक स्वर में राज्य सरकार से मांग की है कि भानुप्रतापपुर को कांकेर जिले में ही यथावत रखा जाए और वनांचल व अंतिम छोर के सर्वांगीण विकास के लिए अंतागढ़ को नया जिला घोषित किया जाए।

अब देखना यह होगा कि शासन-प्रशासन जनता की इस ऐतिहासिक और व्यावहारिक मांग पर क्या रुख अपनाता है।

हथकरघा और हस्तशिल्प की समृद्ध परंपरा से रूबरू हुए बीएड प्रशिक्षणार्थी

जगदलपुर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के शिक्षा अध्ययनशाला में 'हथकरघा और हस्तशिल्प' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसका उद्देश्य बीएड तृतीय सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों को भारतीय हथकरघा एवं हस्तशिल्प की समृद्ध परंपरा,स्थानीय कला और शिल्प कौशल से परिचित कराना था।कार्यशाला में प्रशिक्षणार्थियों को हथकरघा एवं हस्तशिल्प से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी देते हुए इनके शैक्षिक एवं व्यावहारिक महत्व पर चर्चा की गई। विद्यार्थियों को पारंपरिक कला-कौशल को समझने के साथ ही इनके संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि बदलते समय में नई पीढ़ी को पारंपरिक कलाओं से जोड़ना आवश्यक है। शिक्षक-प्रशिक्षणार्थी भविष्य में विद्यार्थियों के बीच इन कलाओं के महत्व को बेहतर तरीके से पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।कार्यशाला का आयोजन शिक्षा अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष प्रो. मणिशंकर मिश्रा के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम के संचालन एवं समन्वय में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी इंदु, डॉ. विनय प्रताप सिंह,डॉ प्रीति साहू और चंद्रकली की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यशाला में बीएड तृतीय सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों ने सहभागिता की।

युवा कांग्रेस के स्थापना दिवस पर ध्वजारोहण बस्तर की कर्मठ महिलाओं का सम्मान

■ महिलाओं ने साझा किए अनुभव,युवाओं को दिया आगे बढ़ने का संदेश

जगदलपुर/नवप्रदेश। भारतीय युवा कांग्रेस के 66वें स्थापना दिवस के अवसर पर युवा कांग्रेस द्वारा ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बस्तर क्षेत्र में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत और समाज के लिए उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सम्मानित महिलाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए युवाओं और समाज को महत्वपूर्ण संदेश दिए।

स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्योति लागू ने महिलाओं के स्वास्थ्य एवं जागरूकता पर विचार रखे। पूर्व प्राचार्य डॉ. सुषमा झा ने महिला उत्पीड़न, आर्थिक समस्याओं और दहेज प्रथा जैसी सामाजिक चुनौतियों पर प्रकाश डाला। पर्वतारोही नैना सिंह धाकड़ ने अपने संघर्ष और उपलब्धियों से युवाओं को लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी। स्वामी आत्मानंद विद्यालय तोकापाल की उप प्राचार्य इरम रहीम ने आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को शिक्षा से जोड़ने और बेटियों-बेटों को समान अवसर देने पर जोर दिया। यातायात पुलिस की रेलावती नाग ने सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन का संदेश दिया।

महिला और युवा भागीदारी को बताया विकास की कुंजी

युवा कांग्रेस अध्यक्ष निकेत ने कहा कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के बिना समाज और देश का समग्र विकास संभव नहीं है। ग्रामीण युवा कांग्रेस अध्यक्ष डेविड ने युवाओं से शिक्षा, रोजगार, सामाजिक सेवा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

विश्व आदिवासी दिवस पर सुरजागर माइंस ने चलाया स्वच्छता अभियान

पखांजूर/नवप्रदेश। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को पखांजूर नगर पंचायत क्षेत्र में सुरजागर माइंस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। जनसेवा की भावना को सर्वोपरि रखते हुए माइंस के कर्मचारियों ने नगर के प्रमुख स्थानों पर साफ-सफाई की और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। अभियान के दौरान पुराने बाजार चौक, नए बाजार चौक, अस्पताल एवं स्कूल सहित नगर के प्रमुख चौराहों पर सफाई की गई।

इस दौरान कर्मचारियों ने सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी नहीं फैलाने और स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया। विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित इस पहल की स्थानीय लोगों ने सराहना की। माइंस प्रबंधन ने कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है और जनहित से जुड़े कार्यों में आगे भी सहभागिता जारी रहेगी।

जनहित के कार्यों में भी सक्रिय भूमिका

सुरजागर माइंस द्वारा क्षेत्र में सामाजिक दायित्व के तहत विभिन्न जनहितकारी कार्य किए जा रहे हैं। गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सहायता, निशुल्क इलाज और दवाइयां उपलब्ध कराने के साथ सड़क मरम्मत जैसे कार्यों में भी सहयोग दिया जा रहा है। वहीं स्थानीय शिक्षित बेरोजगारों तथा मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने से क्षेत्र के कई परिवारों को आर्थिक संबल मिला है।

स्वच्छता अभियान में नगर पंचायत अध्यक्ष नारायण शाह,पूर्व जनपद अध्यक्ष नोहर सिंह उसेंडी,माइंस कर्मचारी महानंद सिकदर,पालटू कुंडू,माइंस प्रबंधक रमेश कुमार दलाई सहित माइंस के अधिकारी-कर्मचारी एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आदिवासी एकता और संस्कृति का दिखा भव्य संगम, दुर्गूकोंदल में निकली विशाल रैली

■ ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच निकली आदिवासी समाज की रैली, गोंडवाना भवन में पूजा-अर्चना कर लिया संस्कृति संरक्षण का संकल्प

कांकेर/दुर्गूकोंदल। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को दुर्गूकोंदल ब्लॉक मुख्यालय में आदिवासी समाज की ओर से भव्य रैली का आयोजन किया गया। रैली में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष, युवा-युवतियां, बुजुर्ग और बच्चे शामिल हुए। पारंपरिक वेशभूषा, ढोल-नगाड़ों एवं पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ निकली रैली ने पूरे नगर में आदिवासी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकजुटता की जीवंत झलक प्रस्तुत की।

रैली का शुभारंभ दुर्गूकोंदल मुख्य चौक से हुआ। समाज के लोग पारंपरिक परिधान में हाथों में सामाजिक एकता और संस्कृति का संदेश लिए नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए गोंडवाना भवन पहुंचे। रैली के दौरान पारंपरिक गीत-संगीत और वाद्य यंत्रों की गूंज से वातावरण उत्साह और उमंग से भर गया। जगह-जगह लोगों ने रैली का स्वागत किया। रैली में महिलाओं और युवाओं की विशेष भागीदारी देखने को मिली।

गोंडवाना भवन में पारंपरिक पूजा-अर्चना

रैली के गोंडवाना भवन पहुंचने के बाद समाज के लोगों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना की। इस दौरान समाज की सुख-समृद्धि, शांति और एकता की कामना की गई। पूजा-अर्चना के पश्चात समाज की संस्कृति, परंपरा, बोली-भाषा और सामाजिक मूल्यों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

जल-जंगल-जमीन और

सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर जोर

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज की पहचान उसकी समृद्ध संस्कृति, परंपरा, बोली-भाषा, रीति-रिवाज और जल-जंगल-जमीन से गहराई से जुड़ी हुई है। आधुनिकता के दौर में अपनी सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं को संरक्षित रखना समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। नई पीढ़ी को समाज के इतिहास, महापुरुषों, लोककला, परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।

वक्ताओं ने कहा कि सामाजिक एकता के माध्यम से ही समाज अपने अधिकारों, विकास और सांस्कृतिक संरक्षण की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ सकता है। समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर शिक्षा, रोजगार, सामाजिक विकास और सांस्कृतिक संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करने पर भी जोर दिया गया।

महिला, कर्मचारी और युवा प्रकोष्ठ की रही सक्रिय भागीदारी

कार्यक्रम में महिला प्रकोष्ठ, कर्मचारी प्रकोष्ठ, युवा एवं युवती साथियों की सक्रिय भागीदारी रही। पारंपरिक वेशभूषा में सजे समाज के लोगों ने अपनी संस्कृति और परंपरा के प्रति गौरव का प्रदर्शन किया। रैली के दौरान आपसी भाईचारे, प्रेम और सामाजिक सद्भाव का संदेश भी दिया गया।

समाज के पदाधिकारी और सदस्य रहे उपस्थित-कार्यक्रम में सर्व आदिवासी समाज ब्लॉक के संरक्षक सेवाराम चिराम एवं दुग्गा, सचिव श्यामसिंह नरेटी, सह सचिव महत्तम दुग्गा उपस्थित रहे। गोंडवाना समाज ब्लॉक दुर्गूकोंदल के अध्यक्ष झाडूराम उइके, उपाध्यक्ष रमेश दुग्गा, रामचंद्र कल्लो, शकुंतला नरेटी, सुमित्रा दुग्गा, ग्राम पटेल लालजी दुग्गा, ग्राम गायता मानुराम दुग्गा, बीरसिंह दुग्गा एवं बैजनाथ नरेटी भी मौजूद रहे।वहीं कर्मचारी प्रकोष्ठ ब्लॉक अध्यक्ष बाबूलाल कोमरा, युवा अध्यक्ष हरेश रावटे, विजय कोमरा, अघन नरेटी, संयुक्त सचिव अरुण कल्लो, दीपक कल्लो, मुकेश गावड़े, फूलसिंह मंडावी एवं रिश्वर कोरेटी सहित कर्मचारी प्रकोष्ठ के पदाधिकारी, युवा-युवती साथी और महिला प्रकोष्ठ के सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए।

एआई को समझने की पहली सीढ़ी है कोडिंग, कार्यों का निरंतर मूल्यांकन करें

जशपुरनगर/नवप्रदेश। कलेक्टर रोहित व्यास के मार्गदर्शन में जिले के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए संकल्प शिक्षण संस्थान जशपुर में आयोजित 4 दिवसीय कोडिंग प्रशिक्षण के दूसरे दिन विद्यार्थियों ने कोडिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग एवं लॉजिक बिल्डिंग की बुनियादी अवधारणाओं को समझने के साथ उनका व्यावहारिक अभ्यास किया। जिले के विभिन्न विकासखण्डों से चयनित 40 विद्यार्थी इस प्रशिक्षण में भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान पहले दिन विद्यार्थियों से संवाद करते हुए संयुक्त कलेक्टर प्रशांत कुशवाहा ने कहा कि एआई को समझने की पहली सीढ़ी कोडिंग है। उन्होंने विद्यार्थियों को कोडिंग, मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बीच संबंध को सरल उदाहरणों के माध्यम से समझाया।

उन्होंने बताया कि कंप्यूटर को किसी कार्य को कराने के लिए निर्देश देने की प्रक्रिया कोडिंग का मूल आधार है। वहीं मशीन लर्निंग में कंप्यूटर डेटा से सीखकर अपने परिणामों में सुधार करता है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से मशीनें विभिन्न परिस्थितियों के आधार पर निर्णय लेने एवं समस्याओं को हल करने में सक्षम होती हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों को स्मार्ट अप्रोच अपनाने, नियमित फीडबैक लेने तथा अपने कार्यों का निरंतर मूल्यांकन करने के लिए प्रेरित किया। दूसरे दिन के प्रशिक्षण सत्रों में विद्यार्थियों को कंप्यूटर प्रोग्रामिंग की मूलभूत अवधारणाओं के साथ पाइथन प्रोग्रामिंग, लॉजिक बिल्डिंग

एवं कोडिंग का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। विद्यार्थियों ने कोड को समझा तथा प्रोग्रामिंग के माध्यम से विभिन्न समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया सीखी। प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों में डिजिटल साक्षरता के साथ-साथ तार्किक चिंतन, समस्या समाधान, तकनीकी कौशल एवं नवाचार की क्षमता विकसित करना है। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को पाइथन, सी, सी++, जावा, जावास्क्रिप्ट एवं एचटीएमएल जैसी प्रमुख प्रोग्रामिंग भाषाओं की जानकारी दी जा रही है। साथ ही आर्डयूनो यूनो के माध्यम से एलईडी, मोटर कंट्रोल एवं एलसीडी प्रोग्रामिंग जैसे प्रायोगिक सत्र भी आयोजित किए जा रहे हैं। प्रशिक्षण के अंतिम दिन परीक्षा, विद्यार्थियों से फीडबैक एवं प्रमाण-पत्र वितरण के साथ प्रशिक्षण का समापन होगा।

कलेक्टर व्यास ने बुनियादी अवधारणाओं को समझाया

कलेक्टर रोहित व्यास के मार्गदर्शन में संकल्प शिक्षण संस्थान जशपुर में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित 4 दिवसीय कोडिंग प्रशिक्षण के दूसरे दिन विद्यार्थियों ने कोडिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग और लॉजिक बिल्डिंग की बुनियादी अवधारणाओं को समझाया। जिले के विभिन्न विकासखंडों से चयनित 40 विद्यार्थी प्रशिक्षण में शामिल हैं।

न्यूज गैलरी

संस्कार भारती ने किया कला गुरु बुद्धेश्वर गोलदार का सम्मान

रामानुजगंज/नवप्रदेश। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर संस्कार भारती जिला इकाई रामानुजगंज-बलरामपुर के तत्वावधान में कला गुरु सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कला के क्षेत्र में लंबे समय से योगदान दे रहे गुरु बुद्धेश्वर गोलदार को सम्मानित किया गया। समारोह में गुरु बुद्धेश्वर गोलदार के शिष्यों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर अपने गुरु के प्रति सम्मान और श्रद्धा व्यक्त की। ढोलक वाद्य यंत्र पर योगेश मंडल एवं दीपकर मंडल ने संगत दी। वहीं शालू यादव, नीरीपेन मंडल, प्रभाती गोलदार, अनीता बढ़ाई, यशोदा पाल, राखी सरकार, राधा गाइन, प्रतिशा गोलदार, प्रतिभा गोलदार एवं विनय गोलदार ने अपनी प्रस्तुतियां दीं।कार्यक्रम में मुख्य रूप से संस्कार भारती के पवन कुमार पाण्डेय उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि अंजय कुमार ने भी समारोह में सहभागिता की। इस अवसर पर गुरु-शिष्य परंपरा और भारतीय कला-संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के दौरान गुरु बुद्धेश्वर गोलदार के शिष्यों ने अपनी कला प्रस्तुतियों के माध्यम से गुरु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। समारोह में उपस्थित लोगों ने कलाकारों की प्रस्तुतियों की सराहना की तथा गुरु-शिष्य परंपरा को भारतीय संस्कृति की महत्वपूर्ण विरासत बताया।

पूर्व विधायक बृहस्पति सिंह का मोबाइल फोन हैक ,सतर्क रहे

रामानुजगंज/नवप्रदेश। रामानुजगंज विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक बृहस्पति सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से

आमजन से महत्वपूर्ण अपील की है। उन्होंने बताया कि उनका मोबाइल फोन हैंग हो गया है, जिसके कारण उनके नाम से किसी भी प्रकार के संदेश या धनराशि की मांग किए जाने की आशंका है। पूर्व विधायक ने नागरिकों से आग्रह किया है कि यदि उनके नाम से किसी भी प्रकार का मैसेज, कॉल अथवा ऑनलाइन माध्यम से पैसे की मांग की जाती है, तो उस पर विश्वास न करें और किसी भी प्रकार की राशि का भुगतान न करें।

मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में घर-घर पहुंच रही स्वास्थ्य विभाग की टीम

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। जिले में राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत मलेरिया नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मलेरिया की जांच, उपचार और जनजागरूकता का कार्य किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर लोगों की जांच की जा रही है। इसी क्रम में जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. दीपक गुप्ता एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. पुष्पेंद्र राम के नेतृत्व में विकासखण्ड उदयपुर के मलेरिया प्रभावित क्षेत्र में स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर मलेरिया एवं अन्य बिमारियों की जांच की जा रही है। गुरुवार को जिला स्तरीय व विकासखण्ड स्तरीय स्वास्थ्य दल के द्वारा ग्राम खर्रानगर, मतरिंगा, मूसरडाड़ एवं मोकना पहाड़ में शिविर लगाकर एवं आवश्यकतानुसार घर-घर जाकर कुल 75 व्यक्तियों का मलेरिया जांच किया गया, जिसमें कोई भी मलेरिया के मरीज नहीं मिले। इस दौरान लोगों को मच्छरदानी का उपयोग करने, घर के आस-पास पानी जमा न होने देने, फुल अस्तीन के कपडें पहनने, शाम के समय नीम की पत्ती का धुआं करने तथा किसी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या होने पर तत्काल मितानिन व स्वास्थ्य संस्था में सम्पर्क करने कहा गया।

कांग्रेस कमेटी ने मनाया क्रांति दिवस

लखनपुर/नवप्रदेश। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दिशा निर्देश पर भारत छोड़ो आंदोलन की स्मृति में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लखनपुर के पदाधिकारी कार्यकर्ताओ ने कार्यक्रम आयोजित कर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अमित सिंहदेव के नेतृत्व में क्रांति दिवस मनाया। इस अवसर पर कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानियों और शहीदों के छाया चित्र पर फूल माला अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित किये। कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सुबह से शाम तक खेतों में श्रमिकों की चहल-पहल देखने को मिल रही

खेत में धान रोपाई में जुटे किसान अच्छी बारिश से खेतों में लौटी रौनक

बाराद्वार/नवप्रदेश। क्षेत्र में अच्छी बारीश होने के बाद किसान एवं मजदूर अब खेतों में रोपाई के काम में जूट गये हैं। लगातार हो रही अच्छी बारिश से क्षेत्र के खेतों में धान रोपाई का कार्य तेज़ी से चल रहा है, खेतों में पर्याप्त पानी भर जाने से किसान और खेतिहर महिलाएं पूरे उत्साह के साथ धान की पौध रोपने में जुटी हुई हैं। सुबह से शाम तक खेतों में श्रमिकों की चहल-पहल देखने को मिल रही है। रोपाई के लिए किसानो को मजदूरो की कमी महसूस की जा रही है, मजदूर नहीं मिलने के कारण मजदूरो की रोजी एवं मजदूरी पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष बढ गई हैं, इस वर्ष मजदूरो के द्वारा 8 से 9 हजार रूपये तक प्रति एकड की दर से रोपाई की मजदूरी ली जा रही है, जिससे किसानों पर आर्थिक भार बढ गया हैं। किसानों का कहना है कि इस वर्ष समय पर हुई बारिश से खेती के लिए अनुकूल वातावरण बना है, जिससे

धान की फसल अच्छी होने की उम्मीद बढ़ गई है। यदि आगामी दिनों में भी मौसम इसी तरह अनुकूल बना रहा, तो उत्पादन में वृद्धि होने की संभावना है। ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों लगभग सभी खेतों में रोपाई का कार्य जारी है। किसान समय पर रोपाई पूरी करने के लिए परिवार के सदस्यों और मजदूरों के साथ मिलकर खेतों में मेहनत कर रहे हैं। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार समय पर रोपाई होने से फसल की बढ़त बेहतर होती है और उत्पादन भी अच्छा मिलता है। बाराद्वार नगर से लगे आसपास के गांवों सहित पूरे क्षेत्र में किसान अपने खेतो के काम में ब्यस्त दिखाई दे रहे हैं। वहीं रोपाई के काम में ब्यस्त होने के कारण नगर में किसानों एवं गॉव से आने वालों की संख्या में कमी आई हैं, जिसके कारण बाराद्वार नगर की दुकानों में ग्राहको की रौनक भी फिलहाल कम देखने को मिल रही हैं।

जशपुर में पहली बार होगी ऑल इंडिया शतरंज स्पर्धा

जशपुरनगर/नवप्रदेश। जिले में पहली बार ऑल इंडिया ओपन फिडे रेटेड शतरंज टूर्नामेंट-2026 'चेकमेट झ्र जशपुर' का आयोजन 29 अगस्त से 1 सितंबर तक पुरानी टोली स्थित कम्युनिटी हॉल में होगा। जिला प्रशासन एवं खेल विभाग द्वारा जशपुर जिला शतरंज संघ के सहयोग से आयोजित यह प्रतियोगिता ऑल इंडिया चेस फेडरेशन (ढ्ढष्टस्न) एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के तत्वावधान में होगी। प्रतियोगिता में कुल 2.50 लाख रुपये की पुरस्कार राशि रखी गई है। मुख्य वर्ग के विजेता को 50 हजार, उपविजेता को 30 हजार और तीसरे स्थान के खिलाड़ी को 20 हजार रुपये एवं ट्रॉफी मिलेगी। इसके अलावा शीर्ष 17, अंडर-15, अंडर-13, अंडर-11, अंडर-9 बालक-बालिका, अंडर-1650, अनरेटेड, वेटरन और महिला वर्ग के साथ जशपुर व सरगुजा संभाग के खिलाड़ियों के लिए भी पुरस्कार रखे गए हैं। प्रतियोगिता फिडे स्विस सिस्टम से आठ राउंड में होगी। प्रत्येक खिलाड़ी को 90 मिनट का समय तथा हर चाल पर 30 सेकंड का इंक्रीमेंट मिलेगा। जशपुर के खिलाड़ियों के लिए प्रवेश शुल्क 200, सरगुजा संभाग के लिए 800 और अन्य खिलाड़ियों के लिए 1200 रुपये निर्धारित है। 22 अगस्त तक सामान्य शुल्क लागू रहेगा 22 अगस्त शाम 5 बजे के बाद 200 रुपये विलंब शुल्क लगेगा तथा 24 अगस्त के बाद प्रवेश नहीं मिलेगा। खिलाड़ियों का 2026-27 के लिए ढ्ढष्टस्न पंजीकरण अनिवार्य है।पहले 50 खिलाड़ियों के लिए नि:शुल्क डॉरमेट्री आवास की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

97 हितग्राहियों को मंत्री नेताम ने वितरित किए चेक

रामानुजगंज/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने शुक्रवार को रामानुजगंज जनपद पंचायत परिसर में आयोजित विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान ग्रामीण विकास, सुशासन एवं जनकल्याण से संबंधित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों को दी गई।कार्यक्रम में मंत्री नेताम ने 97 हितग्राहियों को स्वेच्छा अनुदान के चेक वितरित किए, जिनमें 34 हितग्राहियों को एक-एक लाख

रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वेच्छा अनुदान प्रदेश सरकार की संवेदनशील एवं जनकल्याणकारी पहल है, जिसका उद्देश्य विपरीत परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे जरूरतमंद परिवारों को समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि संकट की घड़ी में यह सहायता जरूरतमंदों को आर्थिक संबल देने के साथ आत्मविश्वास भी प्रदान करती है। मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है।

सौ बिस्तर अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी, ज्ञापन

रामानुजगंज/नवप्रदेश। राष्ट्रीय सचिव, एनएसयूआई एवं नगर पालिका परिषद रामानुजगंज के नेता प्रतिपक्ष प्रतीक सिंह ने छत्तीसगढ़ के माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के नाम ज्ञापन सौंपकर रामानुजगंज के 100 बिस्तर अस्पताल में व्याप्त स्वास्थ्य सुविधाओं की गंभीर कमी की ओर ध्यान आकर्षित कराया।

ज्ञापन में बताया गया कि लगभग दो वर्ष पूर्व रामानुजगंज में डायलिसिस यूनिट एवं ब्लड बैंक प्रारंभ करने की घोषणा की गई थी, लेकिन आज तक यह सुविधा शुरू नहीं हो सकी है। इसके कारण किडनी रोगियों एवं आपातकालीन मरीजों को इलाज के लिए अन्य शहरों का रुख करना पड़ता है।

प्रतीक सिंह ने कहा कि अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं आवश्यक डॉक्टरों की भारी कमी है। प्रसूति (डिलीवरी) एवं सोनोग्राफी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से गर्भवती महिलाओं को प्रसव के लिए दूसरे शहरों में जाना पड़ता है, जिससे उनके स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनावश्यक जोखिम उत्पन्न होता है।

उन्होंने यह भी कहा कि अस्पताल में ब्लड टेस्ट एवं एक्स-रे जैसी बुनियादी जांच सुविधाएं भी प्रभावी रूप से उपलब्ध नहीं हैं, जिसके कारण मरीजों को निजी अस्पतालों अथवा अन्य शहरों में जांच कराने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इसका अतिरिक्त आर्थिक बोझ गरीब एवं मध्यम वर्ग के परिवारों पर पड़ रहा है।

प्रतीक सिंह ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के मामलों में भी पर्याप्त संसाधनों एवं विशेषज्ञ उपचार की कमी के कारण मरीजों को केवल प्राथमिक उपचार देकर रेफर कर दिया जाता है। समय पर समुचित उपचार नहीं मिलने से कई लोगों की जान जा चुकी है, जो अत्यंत चिंताजनक स्थिति है।

20 हजार की सहायता राशि से बच्चों के पालन-पोषण में मिलेगी मदद

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में श्रम विभाग की मिनीमाता महतारी जतन योजना जरूरतमंद माताओं के लिए आर्थिक संबल का माध्यम बन रही है। योजना के तहत मिलने वाली सहायता राशि से श्रमिक परिवारों की महिलाओं को अपने बच्चों के पालन-पोषण और खान-पान संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिल रही है। अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत भिट्टिकला के ढोढ़ीपारा निवासी लीलावती भी योजना से लाभान्वित हुई हैं। श्रमिक के रूप में कार्य करने वाली लीलावती के दो बच्चे हैं। उन्होंने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए बच्चों की आवश्यकताओं को पूरा करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण था। ऐसे समय में मिनीमाता महतारी जतन योजना के तहत मिली 20 हजार की सहायता राशि उनके लिए काफी उपयोगी साबित हो रही है। लीलावती ने बताया कि वह प्राप्त राशि का उपयोग अपने बच्चों के खान-पान, देखभाल और बेहतर पालन-पोषण में करेंगी।

शिक्षा के साथ संस्कार जरूरी, विद्यार्थियों को अतिथियों ने दिया प्रेरणादायी संदेश

भटगांव/नवप्रदेश। शिव शक्ति गंगा स्कूल में कथा वाचक कान्हा महाराज एवं उज्जैन वाले यश गुरुजी के आगमन पर स्कूल परिसर में विशेष स्वागत समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं स्टाफ ने दोनों अतिथियों का आत्मीय एवं भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम का आयोजन शांति साहू के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। अतिथियों के विद्यालय पहुंचने पर बच्चों एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने

पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। विद्यालय परिसर में धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण देखने को मिला।

विद्यार्थियों में कथा वाचक कान्हा महाराज और यश गुरुजी के आगमन को लेकर विशेष उत्साह रहा। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने बच्चों से संवाद करते हुए जीवन में संस्कार, अनुशासन, सदाचार और सकारात्मक सोच के महत्व पर प्रकाश डाला। कान्हा महाराज ने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कारों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन व्यक्ति के भविष्य की नींव तैयार करने का महत्वपूर्ण समय होता है। इस दौरान प्राप्त संस्कार और अच्छी आदतें जीवनभर साथ रहती हैं। उन्होंने बच्चों को अपने माता-पिता, गुरुजनों एवं बड़ों का सम्मान करने तथा समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। उज्जैन वाले यश गुरुजी ने भी विद्यार्थियों को मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

कार्यक्रम

माटी कला बोर्ड अध्यक्ष एवं राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त शंभूनाथ चक्रवर्ती शामिल हुए

आरएसएस का गुरु पूजन एवं समर्पण उत्सव, तिरंगे से लेकर नारद के प्रसंग तक हुई चर्चा

तमता/नवप्रदेश। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ खंड पत्थलगांव, मंडल तमता के तत्वावधान में सरस्वती शिशु मंदिर तमता परिसर में ' गुरु पूजन एवं समर्पण उत्सव' श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के माटी कला बोर्ड अध्यक्ष एवं राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त शंभूनाथ चक्रवर्ती मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर 12 बजे भगवा ध्वज पूजन एवं गुरु प्रणाम के साथ हुई। इसके बाद शंभूनाथ चक्रवर्ती ने स्वयंसेवकों एवं ग्रामीणों को संबोधित करते हुए राष्ट्र, समाज और संघ की कार्यपद्धति से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार रखे। मुख्य वक्ता ने अपने संबोधन में भारत के राष्ट्रध्वज तिरंगे की उत्पत्ति और उसके विकास के बारे में जानकारी दी। उन्होंने तिरंगे को देश की पहचान, गौरव और राष्ट्रीय भावना का प्रतीक बताते हुए उसके स्वरूप से जुड़े विभिन्न पहलुओं को समझाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के प्रति सम्मान और राष्ट्रीय भावना केवल प्रतीकों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक के व्यवहार और कार्यों में दिखाई देनी चाहिए।

राष्ट्र निर्माण में समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण है।शंभूनाथ चक्रवर्ती ने अपने संबोधन में 'भारत संघ' की

परिभाषा पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने भारत की एकता, अखंडता और राष्ट्रभावना के संदर्भ में अपने विचार रखते हुए कहा कि मजबूत राष्ट्र के लिए समाज का संगठित और जागरूक होना आवश्यक है।

उन्होंने संघ की कार्यपद्धति, अनुशासन और समाज के प्रति स्वयंसेवकों की जिम्मेदारी पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण किसी एक व्यक्ति या संस्था का काम नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता से ही मजबूत राष्ट्र का निर्माण संभव है। कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता ने देवर्षि नारद जी के जीवन एवं उनके प्रसंगों का उल्लेख करते हुए उनके माध्यम से समाज में संवाद और संदेश के महत्व को समझाया। उन्होंने नारद जी से जुड़े प्रसंगों के माध्यम से उपस्थित लोगों को यह संदेश दिया कि समाज में सकारात्मक विचारों और सही संदेश का प्रसार जागरूकता एवं संगठन के लिए महत्वपूर्ण है।उन्होंने गुरु पूजन एवं समर्पण उत्सव को केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को समझने तथा सेवा एवं समर्पण की भावना को मजबूत करने का अवसर बताया ।कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, संघ स्वयंसेवकों, ग्रामीणों एवं सरस्वती शिशु मंदिर के शिक्षकगण की मौजूदगी रही। इस दौरान मंडल अध्यक्ष विशाल अग्रवाल, सरपंच संघ अध्यक्ष रोशन प्रताप सिंह एवं स्थानीय सरपंच सीता बाज सहित संघ कार्यकर्ता देवानंद यादव, जीवन लाल बाज एवं लक्ष्मी नारायण यादव मौजूद रहे। विद्यालय के शिक्षकगण भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में स्वयंसेवकों एवं ग्रामीणों ने भगवा ध्वज को गुरु मानकर श्रद्धापूर्वक अपना समर्पण अर्पित किया।

40 पौधे रोपकर दिया प्रकृति और संस्कृति के संरक्षण का संदेश

मुंगेली/नवप्रदेश। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर स्टार्स ऑफटुमॉरो वेलफेयर सोसायटी ने पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए अनूठी पहल की।

संस्था द्वारा संचालित 'हरियर मुंगेली-सुघ्घर मुंगेली' अभियान के छठवें चरण के तहत पुलिस लाईन नहर रोड में नीम, कदम, बादाम, गुलमोहर, जामुन आदि के 40 पौधों का रोपण कर प्रकृति, पर्यावरण और आदिवासी संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर संस्था के वरिष्ठ सदस्य गोखलेश सिंह और दीपक जैन ने कहा कि आदिवासी समाज सदियों से प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर जीवन जीता आया है। जल, जंगल और जमीन के संरक्षण की उनकी परंपराएं आज पूरे समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। ऐसे में विश्व आदिवासी दिवस पर पौधारोपण करना प्रकृति और संस्कृति दोनों के सम्मान का सार्थक प्रयास है। संस्था के सक्रिय सदस्य मुकेश पांडेय एवं पप्पू शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को जनअभियान बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन के विशेष अवसरों को पौधारोपण से जोड़ना चाहिए। जल, जंगल और जमीन हमारी आने वाली पीढ़ियों की सबसे बड़ी विरासत हैं। इनकी रक्षा करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। हरियर मुंगेली अभियान के छठवें चरण के अभियान प्रभारी अजय चंद्राकर एवं सह प्रभारी वैभव ताम्रकार न कहा कि

'हरियर मुंगेली-सुघ्घर मुंगेली' अभियान के माध्यम से स्टार्स ऑफ टुमॉरो वेलफेयर सोसायटी लगातार पर्यावरण संरक्षण को लेकर जनजागरूकता फैलाने का कार्य कर रही है। संस्था का उद्देश्य पौधारोपण के साथ-साथ लोगों में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता की भावना विकसित करना है। इस अवसर पर सँस्था के संयोजक रामपाल सिंह, अध्यक्ष महावीर सिंह, सचिव विनोद यादव, कोषाध्यक्ष धनराज परिहार, गोखलेश सिंह, विकास जैन, मुकेश पांडेय, दीपक जैन, रणवीर सिंह, श्रेणिक पारख, सुनील वाधवानी, धीरज जैन, कोमल चौबे, नागेश साहू, पप्पू शर्मा, राहुल मल्लाह, वैभव ताम्रकार, पवन यादव, आर्या सिंह, वासु पांडेय, रवि साहू, देवेंद्र सिंह, अजय चंद्राकर, संतोष जांगड़े, श्रीओम सिंह, दिलबाग सिंह, रघुराज सिंह, परमेश्वर देवांगन, सुरेश यादव, सुमित उपाध्याय सहित नगर के पर्यावरण प्रेमी अरविंद रूपवानी, प्रियांक गुप्ता, सागर वैष्णव, आदर्श केशरवानी, प्रकाश दुबे, जय कुमार मार्को उपस्थित रहे।

न्यूज गैलरी

आचार्य बांके बिहारी बने अखिल भारतीय गौड़ मण्डल के राष्ट्रीय मंत्री

बाराद्वार/नवप्रदेश। श्री राधा मदन मोहन मंदिर बाराद्वार के भागवत मर्मज्ञ गोस्वामी गोबिंद बाबा के सुपुत्र आचार्य बांके

बिहारी गोस्वामी को अखिल भारतीय गौड़ मंडल (पंजी.) मथुरा के द्वारा संगठन का राष्ट्रीय मंत्री मनोनीत किया गया है, जिससे उनके भक्तो में खुशी का माहौल है। संगठन द्वारा जारी मनोनयन पत्र में उनके सामाजिक एवं संगठनात्मक योगदान को देखते हुए यह जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है। अखिल भारतीय गौड़ मंडल (पंजी.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. पंकज शर्मा एवं राष्ट्रीय महामंत्री पं. विनोद गौड के द्वारा स्वामी घाट मथुरा निवासी आचार्य बांके बिहारी गोस्वामी को मनोनयन पत्र देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। इस अवसर पर आचार्य बांके बिहारी गोस्वामी ने अपनी राष्ट्रीय मंत्री की नियुक्ति पर राष्ट्रीय पदाधिकारीयो के प्रति आभार प्रगट करते हुए कहा कि राष्ट्रीय पदाधिकारीयो के सानिध्य में मण्डल के प्रति समर्पण भावना से मण्डल के विस्तार किया जायेगा एवं उन्होने विश्वास दिलाया कि वे अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ करेंगे। वही राष्ट्रीय पदाधिकारीयो ने भी आचार्य बांके बिहारी गोस्वामी के मनोनयन से उनके मार्गदर्शन से मंडल के संगठनात्मक गतिविधियों को नई दिशा मिलने की बाते कही है।

अम्बेडकर आवासीय विद्यालय में मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

मुंगेली/नवप्रदेश। डॉ. भीमराव अम्बेडकर शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित डॉ. भीमराव अम्बेडकर आवासीय विद्यालय में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम बिरसा मुंडा, शहीद वीरनारायण सिंह, डॉ. भीमराव अम्बेडकर एवं वर्तमान राष्ट्रपति के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। संस्थान के अध्यक्ष राजेन्द्र दिवाकर एवं व्यवस्थापक एच.आर. भास्कर के निर्देशन में सभी कक्षाओं में शिक्षकों द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य, देश तथा विश्व में आदिवासियों की जनसंख्या, उनके रहन-सहन, खान-पान, संस्कृति, तीज, त्योहार, भाषा, बोली एवं शिक्षा तथा उनको मिलने वाली सुविधाओं के संबंध में संक्षिप्त जानकारी दी गई। आदिवासियों के सम्मान में 23 दिसम्बर 1993 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाये जाने की घोषणा की गई तब से विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है। भारत के विभिन्न राज्यों में बहुसंख्यक रूप में लगभग 22 फीसदी आदिवासी समाज भारत देश में रहता है। छत्तीसगढ़ में तो इनकी जनसंख्या 32 फीसदी से भी अधिक है। छत्तीसगढ़ राज्य के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद वीरनारायण सिंह को देश की आजादी के लिए आंदोलन करने पर रायपुर में फांसी दे दी गई थी। वैसे ही आदिवासियों के आंदोलन का नेतृत्व करने वाले लोकनायक बिरसा मुंडा को धरती का भगवान माना जाता है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आदिवासियों के उत्थान के लिए शहीद वीर नारायण सिंह के नाम पर प्रतिवर्ष राज्योत्सव में राज्य अलंकरण के रूप में सम्मानित किया जाता है। वर्तमान में देश के प्रथम आदिवासी नागरिक द्रोपदी मुर्म भारत की पंद्रहवीं और वर्तमान राष्ट्रपति के रूप में सुशोभित हैं। ऐसे अनेक प्रमुख आदिवासी जयपालसिंह मुंडा, रामनारायण सिंह, जगन्नाथ सिंह, रघुनाथ सिंह आदि हैं जिन्होंने आदिवासी समाज को संगठित करने का भरसक प्रयत्न किया। ऐसे हमारे आदिवासी सपूतों को कोटिशः नमन। आदिवासी ही इस देश के मूल निवासी हैं, आदिवासियों ने ही हमारे जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा कर रहे हैं। जैव विविधता एवं पर्यावरण संरक्षण में आदिवासियों की ही महत्ववपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर संस्थान के पदाधिकारीगण, प्राचार्य आशा दिवाकर, उपप्राचार्य छत्रपाल डाहिरे, शिक्षक-शिक्षिका, छात्र-छात्रा उपस्थित रहे।

चकरभाठा में कॉलेज की मांग, ग्रामीणों ने सांसद साहू को सौंपा ज्ञापन

मुंगेली/नवप्रदेश। ग्राम पंचायत उपतहसील चकरभठा व आसपास के ग्रामीणों द्वारा लगातार शासन व प्रशासन से महाविद्यालय की मांग किया जा है। जिससे ग्राम के बच्चे व मुख्य रूप से गरीबी रेखा से नीचे जीयन यापन करने वाले परिवार के बच्चे जिनका रोज मुंगेली जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त कर पाना संभव नही हो पाता। क्षेत्र में प्रतिवर्ष बारहवीं के बाद बच्चे खास तौर पर लड़कियों को आगे की शिक्षा के लिये पालक द्वारा आर्थिक स्थिति व दूरी का हवाला देकर महाविद्यालयीन शिक्षा के लिये रोक दिया जाता है। चकरभठा क्षेत्र के ग्रामीणों की मांग पर क्षेत्रीय विधायक पुन्नूलाल मोहले द्वारा आश्वासन दिया गया था कि महाविद्यालय की मांग पर गंभीरता से विचार किया जायेगा। मुख्यमंत्री को आवेदन से अवगत कराते हुए उचित निष्कर्ष निकाला जावेगा। इसी सम्बन्ध में समस्त ग्रामवासी द्वारा खसरा नंबर 1107 जो कि शासन की भूमि है जिसका रकबा लगभग 16.1560 हेक्टेयर है उसे महाविद्यालय हेतु सुरक्षित रखने पर सहमती बनी। जिसमे 5 एकड़ में हायर सेकेंडरी स्कूल 5-5 एकड़ में दो तालाब निर्माण किया गया है। इसी क्रम में ग्रामीणों की मांग पर ग्राम पंचायत ने ग्राम सभा बुलाकर जगह सुरक्षित रखने का प्रस्ताव पास किया। आज ग्रामीणों ने जगह सुरक्षित रखने व उस पर हो रहे बेजा कब्जा को रोकने के संदर्भ में केंद्रीय राज्य मंत्री व सांसद तोखन साहू को बिलासपुर कार्यालय जाकर ज्ञापन सौंपा।

सावन की झड़ी से किसानों के चेहरे खिले, धान की फसल को मिली नई जान

बारिश से खेत हुए तरबतर, किसानों की बढ़ी उम्मीदें

मुंगेली/नवप्रदेश। सावन लगते ही जिले में रोज हो रही बारिश ने किसानों को खुश कर दिया हैं। बारिश से किसानों के चेहरे में चमक है। धान के फसल के लिये यह अमृत वर्षा के रूप में हुई इस बारिश से सूख रहे पौधे पर नई जान आई है। किसान अच्छी फसल की उम्मीद लगाए बैठे हैं। वही कृषि विभाग इन दिनों हो रही बारिश से अच्छी पैदावार होने की बात कह रहे हैं। कल दिन में उमस के बाद दोपहर बाद लगभग दो घंटे तक हुई तेज बारिश से खेतो मे पर्याप्त पानी हो गया वहीं नगर की सडकों में भी पानी भरा रहा।

क्षेत्र में सावन लगते ही बारिश की झड़ी शुरू हो गई है। पिछले एक सप्ताह से प्रतिदिन लगातार गरज-चमक के साथ रूक-रूक कर बारिश हो रही है। शनिवार को दोपहर 3 बजे से लगातार हो रहे बारिश से तापमान में गिरावट आई। बारिश के चलते लोगों का काम प्रभावित हुआ, सड़के सूनी रही। खेतों में लबालब पानी भर गया है। जिले में एक सप्ताह से हो रही बारिश ने किसानों को खुश कर दिया हैं। मौसम में बदलाव के बाद क्षेत्र में हो रही बारिश से किसानों के चेहरे में चमक है। किसान अच्छी फसल की उम्मीद को लेकर खाद आदि की व्यवस्था में जुटे हुए है। वही कृषि विभाग इन दिनों हो रही बारिश से अच्छी पैदावार होने की बात कह रहे हैं। जिला सहित ग्रामीण क्षेत्र में भी बादल छाए रहे एवं लगातार बारिश होती रही। इसके चलते दिन के तापमान में गिरावट आई।

लगातार बारिश के चलते बाजार भी प्रभावित हुआ। किसानो की माने तो इस वर्ष खेती किसानी के लिहाज से पहले ही अच्छी बारिश हो चुकी है। मौसम के इस बदलाव से सर्दी, बुखार का प्रकोप बढ़ने की आशंका लोगों को सताने लगी हैं। दिन और रात का तापमान कम होने से फ्लू का वायरस तेजी से पनपता हैं। बारिश होने से मौसम सभी जगहों पर तकरीबन एक जैसा ही रहा। अब देखना होगा कि आने वाले दिनों में मौसम का मिजाज बदलेगा या फिर यथावत रहेगा। वैसे तापमान घटने की संभावना अधिक है। पानी की बूंदे नही गिरने से किसानों के खेत सूखे पड़ने के साथ ही उनमें दरारें दिखने लगी थी जिससें वह परेशान से रहने लगे थे। मौसम परिवर्तन से रोज लगभग एक से डेढ़ घंटे बारिश हो रही है। बारिश से किसानों को अच्छी फसल होने की आस दिखने लगी है। ग्राम देवरी के किसान जगराखन ध्रुव का कहना है कि बारिश तो ठीक हो रही है। इसी तरह होती रही तो फसल की अच्छी पैदावार की संभावना है। ग्राम बुधवारा के किसान सुरेश शुक्ला का कहना है कि बारिश लगभग रोज ही हो रही है। लगभग रोज एक-दो घंटे वर्षा हो रही है जो हम किसानों के लिये अमृत वर्षा के समान है। बारिश तो पिछले एक सप्ताह से लगभग रोज ही हो रही है। जिससें मौसम में कुछ पल के लिए राहत भी मिल रही है। शनिवार को रोज की तरह दोपहर में एक बार फिर से मौसम में बदलाव देखने को मिला। जो दोपहर में जमकर बरसते रहा। जिससें पूरा क्षेत्र तरबतर हो गया। किसान बारिश में बियारी की तैयारी करते हुए खाद आदि की व्यवस्था में जुट गए है।

सावन की झड़ी लगते ही बेपटरी हो जाती है बिजली व्यवस्था, मेंटेनेंस के दावों की खुली पोल

आकाश में काले बादलों के घिरते ही और सावन की झड़ी लगते ही शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक बिजली गुल होने का सिलसिला शुरू हो जाता है। बारिश शुरू होते ही चार से पांच घंटे के लिए बिजली का गायब होना आम बात हो गई है, चाहे दिन हो या रात, समय का कोई ठिकाना नहीं रहता। बिजली विभाग की यह लुका-छिपी उपभोक्ताओं के लिए भारी परेशानी का सबब बन चुकी है।जब भी इस समस्या को लेकर उपभोक्ता बिजली विभाग के दफ्तर या हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करते हैं, तो उन्हें एक ही रटा-रटाया जवाब मिलता है कि फॉल्ट ढूंढा जा रहा है, या मेंटेनेंस किया जा रहा है। विभागीय अधिकारियों के लिए यह तकियाकलाम बन चुका है, जिसे वे हर बार बिजली गुल होने के पीछे एक ढाल की तरह इस्तेमाल करते हैं। मानसून के आने से पहले शहर में व्यापक स्तर पर मेंटेनेंस के नाम पर लाखों रुपये खर्च किए जाने के दावे किए जाते हैं, लेकिन जरा सी बारिश और हल्की हवाओं के झोंके ही इन दावों की पोल खोलकर रख देते हैं। बारिश के दिनों में बिजली गुल होने से विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित होती है, तो वहीं घरेलू कामकाज और छोटे-छोटे उद्योग-धंधे भी ठप पड़ जाते हैं। रात के समय बत्ती गुल होने से लोगों को उमस और मच्छरों के बीच अंधेरे में रात गुजारने पर मजबूर होना पड़ता है। आम जनता का सवाल यह है कि यदि हर बारिश के पहले मेंटेनेंस किया जाता है, तो फिर जरा सा मौसम बदलते ही बिजली व्यवस्था क्यों चरमरा जाती है? फॉल्ट सुधारने के नाम पर घंटों बिजली काटे जाने से लोगों में विद्युत विभाग के प्रति गहरा आक्रोश व्याप्त है। नागरिकों ने जिला प्रशासन और विद्युत विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि कागजी दावों से बाहर निकलकर मैदानी स्तर पर बिजली व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए, ताकि बारिश के मौसम में उपभोक्ताओं को बार-बार की बिजली कटौती से राहत मिल सके।

चिकित्सकों की देखरेख में बच्चे की हालत में हुआ सुधार

मुंगेली/नवप्रदेश। शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में फिजियोथेरेपी की बदौलत एक 7 महीने के मासूम बच्चे को नया जीवन और स्वास्थ्य लाभ मिला है। जन्म के समय कंधे की हड्डी खिसकने (बर्थ इंजरी) के कारण दोनों हाथों से पूरी तरह लाचार हो चुके इस बच्चे ने फिजियोथेरेपी के लगातार प्रयासों से अपने हाथों का मूवमेंट वापस पा लिया है और अब वह बिना किसी सहारे के बैठना भी सीख रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार, पड़ाव चौक निवासी अमन दीक्षित के 7 महीने के बेटे विनायक दीक्षित के दोनों हाथों में जन्म के वक्त बिल्कुल भी हलचल नहीं थी परिजनों से पूछताछ करने पर पता चला कि प्रसव (डिलिवरी) के दौरान बच्चे के दोनों कंधों की हड्डियां अपने स्थान से खिसक गई थीं।

ऐसी स्थिति आमतौर पर तब उत्पन्न होती है जब जन्म के समय बच्चे की स्थिति उल्टी होती है, जिससे कंधे की हड्डी खिसकने का जोखिम काफी बढ़ जाता है। इस गंभीर समस्या के इलाज के लिए परिजनों ने बच्चे को एम्स में दिखाया था, जहां डॉक्टरों द्वारा कंधे की हड्डी को सही जगह पर बिठाकर मूवमेंट रोकने के लिए डायनाप्लास्ट से अच्छी तरह बांधकर रखा गया था। जब कुछ समय बाद डायनाप्लास्ट को हटाया गया, तो बच्चे के हाथों में किसी भी प्रकार की हलचल नहीं दिखाई दे रही थी, जिससे परिवार वाले काफी चिंतित हो गए थे। इसके बाद बच्चे को नगर के शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, यहाँ लगातार दो महीने तक विशेषज्ञ देखरेख में फिजियोथेरेपी डॉ. जितेन्द्र कुमार बंजारा द्वारा दी गई।

स्कूल परिसर में रोपे गए फलदार व छायादार पौधे

मुंगेली/नवप्रदेश। शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय फास्टरपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा नशामुक्ति जागरूकता, वृहद वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मनोज सिन्हा एवं एनएसएस नोडल अधिकारी नरोत्तम पुरले के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में उपस्थित सभी स्वयं सेवकों, विद्यार्थियों एवं विद्यालय स्टाफने नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेते हुए शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर नशे से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता

फैलाने तथा स्वयं नशे से दूर रहने के साथ-साथ दूसरों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया गया। इसके पश्चात विद्यालय परिसर एवं चर्च परिसर में आम, अमरूद, कदम, पुष्प एवं अन्य फलदार तथा छायादार पौधों का वृहद स्तर पर रोपण किया गया। स्वयंसेवकों ने पूर्व में लगाए गए पौधों की साफसफाई, गुड़ाई, खाद डालने एवं संरक्षण का कार्य भी किया। साथ ही सभी ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लिया। शाला समिति अध्यक्ष आलोक दान ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस अभियान का उद्देश्य केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में स्वच्छता, स्वास्थ्य, नशामुक्ति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता उत्पन्न करना है।

पेज 1 का शेष...

रामगिरि पर्वत की गुफा...

अनोखा संगम है। चूना पत्थर की पहाड़ी के भीतर बनी प्राकृतिक गुफा तक पहुंचने के लिए सीढ़ियों से होकर गुजरना पड़ता है। गुफा के भीतर प्रवेश करते ही वातावरण बदल जाता है। बाहर की हरियाली और पहाड़ी वातावरण के बीच भीतर अंधेरा,शीतलता और शिवलिंग पर लगातार गिरता जल श्रद्धालुओं को अलग ही आध्यात्मिक अनुभूति कराता है। पर्यटन विभाग के अनुसार गुफा में स्थित विशाल शिवलिंग को लगभग तीन मीटर ऊंचा बताया गया है,जबकि पुराने विवरणों में इसकी ऊंचाई करीब दो मीटर दर्ज है। श्रद्धालुओं के बीच इसकी विशेष मान्यता है कि शिवलिंग का आकार समय के साथ बढ़ रहा है।

शिकारी ने देखा था गुफा में छिपा शिवलिंग- मंदिर के मुख्य पुजारी सदाशिव मिश्रा के अनुसार गुप्तेश्वर महादेव की खोज को लेकर दो प्रमुख मान्यताएं प्रचलित हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार वनवास के दौरान भगवान राम ने दंडकारण्य क्षेत्र में इस शिवलिंग के दर्शन किए थे। रामगिरि पर्वत और गुफा को इसी परंपरा से जोड़ा जाता है। कालिदास के 'मेघदूत' में वर्णित रामगिरि से भी इस क्षेत्र को जोड़कर देखा जाता है। हालांकि ऐतिहासिक परंपरा में गुफा के पुनः प्रकाश में आने का श्रेय एक आदिवासी शिकारी को दिया जाता है। स्थानीय कथा के अनुसार सदियों पहले घने जंगल में शिकार के दौरान एक शिकारी घायल हिरण का पीछा करते हुए गुफा के भीतर पहुंचा। वहां उसने विशाल शिवलिंग के दर्शन किए।

एफसीआरए संशोधन विधेयक- इससे 10, 11 और 12 अगस्त को संसद में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित की जा सकेगी। कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन के सभी सहयोगियों से भी आग्रह किया है कि वे इन तीन दिनों में अपने सांसदों की मौजूदगी पक्की करें। दूसरी ओर, एनसीपी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने भी बिल का विरोध करते हुए कहा कि विदेशी फंडिंग को हमेशा शक की नजर से नहीं देखा जा सकता। उन्होंने बिल को वापस लेने या इसे संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने की मांग की है। हालांकि, संसदीय कार्य राज्य मंत्री द्वारा जारी अगले हफ्ते के संभावित सरकारी कामकाज की सूची में फिलहाल इस बिल का जिक्र नहीं किया गया है।

विपक्ष के साथ-साथ कई संगठन कर रहे विरोध- विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने इस बिल को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने इसे पूरी तरह से असंवैधानिक करार दिया है। उनका मानना है कि यह नया कानून स्वैच्छिक और सामाजिक सेवा करने वाली संस्थाओं पर शिकंजा कसेगा।

हूतियों ने सऊदी की सबसे- ड्रोन हमले का निशाना बनाया। हूती विद्रोहियों का कहना है कि यह हमला यमन के प्रांतों में सऊदी ड्रोन्स के एयरस्पेस के उल्लंघन के जवाब में किया गया है। दूसरी ओर, सऊदी ऊर्जा मंत्रालय ने पुष्टि की कि रविवार तड़के अरामको रिफाइनरी से जुड़े एक प्लांट में आग लग गई थी। गनीमत यह रही कि इस घटना में किसी के भी हताहत होने की खबर नहीं है.

पूर्व सीएम ममता बनर्जी...

फेंके गए। अगर शीशा खुला होता तो उनका सिर फट जाता और उनकी मौत भी हो सकती थी। इस दौरान, प्रदर्शनकारियों ने चोर-चोर के नारे भी लगाए। हमले के बाद पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, 'पुलिस के सामने ही असामाजिक तत्वों ने मेरी कार पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके। गाड़ी पर हमला इतना जोरदार था कि अगर खिड़कियां खुली होतीं, तो मेरा सिर फट जाता।'

187 करोड़ की हेराफेरी...

की ओर से दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। जांच एजेंसी के मुताबिक, यह पूरा मामला फर्जी दस्तावेजों और फर्जी बैंक खातों के जरिए बनाई गई फर्जी यानी शेल कंपनियों से जुड़ा है। इनका इस्तेमाल गलत तरीके से पैसे ट्रांसफर करने और जाली बिलों के जरिए पैसों को इधर-उधर करने के लिए किया गया था। ईडी की जांच में यह बात सामने आई है कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के दिए गए चार बड़े टोल-रोड प्रोजेक्ट्स के सार्वजनिक फंड को एक सोची-समझी साजिश के तहत डायवर्ट किया गया था।

विधानसभा घेराव से पहले...

की जा रही है। जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी और पेपर लीक के आरोपों को लेकर छात्रों का प्रदर्शन 16वें दिन भी जारी रहा। छात्र रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में धरने पर बैठे हैं। उनका कहना है कि जब तक मांगें पूरी नहीं होंगी, आंदोलन खत्म नहीं होगा। छात्रों ने 10 अगस्त को झारखंड विधानसभा घेराव का भी ऐलान किया है। आंदोलन कर रहे छात्र 14वीं जेपीएससी परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे हैं। इसके साथ ही भर्ती प्रक्रिया की सीबीआई जांच और पूरी व्यवस्था में सुधार की मांग भी उठाई जा रही है।

छत्तीसगढ़ में टूटा 10 साल...

की गई है, जहाँ अब तक सामान्य से रिकॉर्ड 193.9% अधिक (943.7 मि.मी.) जल बरस चुका है। इसके साथ ही महासमुंद में औसत का 144.0%, नारायणपुर में 130.0%, राजधानी रायपुर में 129.7%, बलौदाबाजार में 128.5%, गरियाबंद में 122.8%, जांजगीर-चांपा में 123.8%, सक्ती में 121.4%, बालोद में 118.5%, मुंगेली में 118.2%, दुर्ग में 111.7%, बिलासपुर में 111.5% और धमतरी में 109.4% वर्षा दर्ज हो चुकी है। इन जिलों में औसत से अधिक वर्षा होने से जल निकायों और खेतों में पर्याप्त पानी उपलब्ध है।

5 लाख रुपये खेत में गाड़कर...

बेवजह खर्च होने से बचाने के लिए उसने 5 लाख रुपये एक पॉलीथिन में रखे और खेत में गड्ढा खोदकर जमीन के अंदर दबा दिए। किसान ने इस बात की जानकारी पत्नी और बेटों तक को नहीं दी। बताया गया कि मांगीलाल को नशे की लत है और वह अक्सर चीजें भूल जाता है। कुछ समय बीतने के बाद जब पक्का कमरा बनवाने के लिए पैसे की जरूरत पड़ी, तो उसे याद आया कि उसने रकम खेत में कहीं दबाई थी, लेकिन तब तक वह जगह उसकी याददाश्त से पूरी तरह निकल चुकी थी।

डबल इंजन सरकार की वजह...

निर्माण कर रहे हैं। इसको पूरा देश देख रहा है। अगले हफ्ते संसद में 'विदेशी योगदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026' को पेश किए जाने के संदर्भ में मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हम इसका स्वागत हैं। इससे देश को लाभ होगा।

सरकार हाइजैक हो गई...

हक मारा जा रहा है। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री आदिवासी समाज से आते हैं, लेकिन अडानी और मोदी की ओर से उनके पास संदेश आते हैं।'

आदिवासी समाज के अधिकारों की अनदेखी

उन्होंने प्रदेश में पेसा कानून के कथित उल्लंघन का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में पेसा कानून का मखौल उड़ाया जा रहा है और आदिवासी समाज इससे नाराज है। संजय सिंह ने कहा कि अगर सरकार को नकटी में विधायक कॉलोनी बनाना है तो उसे कब्जे और विस्थापन की बजाय उचित प्रक्रिया अपनानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में आम लोगों और आदिवासी समाज के अधिकारों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने प्रदेश की व्यवस्था पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यहां 'पैसा कानून' चल रहा है।

पेपर लीक को लेकर भाजपा शासित राज्यों पर निशाना

पेपर लीक के मुद्दे पर संजय सिंह ने भाजपा शासित राज्यों को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि देश में लगातार पेपर लीक के मामले सामने आ रहे हैं और भाजपा शासित राज्यों में भी ऐसे मामले हुए हैं। उन्होंने सवाल किया कि जब भाजपा शासित राज्यों में पेपर लीक होता है तो वहां विपक्ष उस तरह का आंदोलन क्यों नहीं करता, जैसा विपक्षी दलों द्वारा दूसरे राज्यों में किया जाता है?

शपथ-पत्र

मैं संतोष कुमार कुशवाहा आ. लालमणि कुशवाहा उम्र 31 वर्ष जाति-कोईरी, निवासी नगर-रामानुजगंज, वार्ड नं.-15, थाना व तहसील-रामानुजगंज, जिला-बलरामपुर-रा.गंज (छ.ग.) का निम्न कथन शपथ पूर्वक करता हूँ :- मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे स्वंय का नाम जन्म पंजीयन एवं शैक्षणिक दस्तावेज में संतोष कुमार कुशवाहा है। मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मैने अपना नाम विधिपूर्वक संतोष कुमार कुशवाहा से परिवर्तित करके अभिनव सिंह अपूर्वा रख लिया है, जिसके पश्चात मैं अपना सम्पूर्ण दस्तावेजों में नाम सुधार करवाना चाहता हूँ, जिस हेतु नाम सुधार करने के लिये भारतीय राजपत्र में प्रकाशन हेतु शपथ पत्र आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ। मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि उक्त तथ्यों के संबंध में स्वत्व का शपथ पत्र निष्पादित कर रहा हूँ।

शपथकर्ता
संतोष कुमार कुशवाहा
आ. लालमणि कुशवाहा
निवासी नगर-रामानुजगंज,
वार्ड नं.-15, थाना व तहसील
रामानुजगंज, जिला-बलरामपुर
रा.गंज (छ.ग.)

अमरनाथ यात्रा खराब मौसम के चलते रुकी, जम्मू से रवाना नहीं हुआ नया जत्था

जम्मू और कश्मीर। अमरनाथ यात्रा को आज से अस्थायी तौर पर रोक दिया गया है। लगातार बिगड़ते मौसम और अगले कुछ दिनों में भारी बारिश की चेतावनी के चलते ये फैसला लिया गया है। आज भगवती नगर बेस कैंप से श्रद्धालुओं के नए जत्थे को कश्मीर घाटी के लिए रवाना नहीं किया गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 11 अगस्त तक जम्मू में तेज बारिश, बाढ़ और भूस्खलन की आशंका जताई है।

अधिकारियों का कहना है कि यात्रियों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग, जो कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली सभी मौसम में खुली रहने वाली इकलौती सड़क है, उसकी स्थिति और मौसम के मिजाज को देखकर ही आगे के जत्थों को हरी झंडी दी जाएगी।

आईएमडी ने बताया कि 11 अगस्त तक जम्मू के कई इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। अचानक बाढ़ और भूस्खलन का खतरा भी है।

इस साल अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई को शुरू हुई थी और अब तक 4.75 लाख से ज्यादा लोग पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। 57 दिनों तक चलने वाली यह यात्रा 28 अगस्त को रक्षाबंधन पर संपन्न होगी।

इससे पहले 5 अगस्त को धारा 370 हटने के 7 साल पूरे होने पर एहतियात के तौर पर यात्रा को एक दिन के लिए रोका गया था।

सोने की चमक बरकरार, दिल्ली में 1.54 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर भाव

दिल्ली। दिल्ली में सोने के दाम लगातार चौथे दिन बढ़कर 1.54 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हुए। कमजोर अमेरिकी डॉलर और कच्चे तेल की नरम कीमतों ने सर्राफा मांग बढ़ाई। चांदी स्थिर रही। निवेशक अमेरिकी गैर-कृषि पेरोल रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। देश की राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को सोने के दाम 200 रुपये बढ़कर 1.54 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गए। विदेशी बाजारों में तेज वृद्धि के कारण सोने की कीमतों में यह उछाल आया है। कमजोर अमेरिकी डॉलर और कच्चे तेल की नरम कीमतों ने सर्राफा की मांग बढ़ाई है। यह लगातार चौथा कारोबारी सत्र है जब पीली धातु की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई है। स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने का दाम 200 रुपये बढ़कर 1,54,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया। गुरुवार को इसका बंद भाव 1,53,800 रुपये प्रति 10 ग्राम था। हालांकि, चांदी का दाम 2,34,800 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर अपरिवर्तित रहा। पिछले सत्र में चांदी में तेज वृद्धि देखने को मिली थी।

सोने की कीमतों में लगातार वृद्धि क्यों हो रही है?

लेमन मार्केट्स डेस्क के शोध प्रमुख गौरव गर्ग ने बताया कि सोने ने लगातार चौथे कारोबारी सत्र में अपनी बढ़त जारी रखी। कीमती धातु जनवरी के बाद से अपने सबसे मजबूत साप्ताहिक प्रदर्शन की ओर बढ़ रही है। उन्होंने इस वृद्धि का कारण कमजोर डॉलर, घटती महंगाई की उम्मीदें और सर्राफा की लगातार मांग को बताया। यह मांग अमेरिकी गैर-कृषि पेरोल रिपोर्ट से पहले बनी हुई है। यह रिपोर्ट फेडरल रिजर्व के अगले नीतिगत फैसले को प्रभावित कर सकती है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी का क्या हाल है?

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में हाजिर सोना 84.74 अमेरिकी डॉलर या 2 फीसदी बढ़कर 4,325.43 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस हो गया। वहीं, चांदी 4 फीसदी से अधिक मजबूत होकर 64.17 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। कोटक सिक्योरिटीज की कमोडिटी रिसर्च के सहायक उपाध्यक्ष कायनात चैनवाला ने कहा कि शुक्रवार को विदेशी बाजारों में हाजिर सोना करीब 4,350 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर ऊपर चढ़ा। चांदी भी 4 फीसदी से अधिक बढ़कर करीब 64 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस हो गई। उन्होंने बताया कि दोनों धातुएं जनवरी के बाद से अपने सबसे मजबूत साप्ताहिक प्रदर्शन की राह पर हैं।

सागर की 8 ट्रांसमिशन लाइनों ने बनाया विश्वसनीयता का नया कीर्तिमान : तोमर

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) की सागर स्थित 8 एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज (ईएचवी) ट्रांसमिशन लाइनों ने विश्वसनीय विद्युत पारेषण का उल्लेखनीय कीर्तिमान स्थापित किया है। इन लाइनों पर पिछले लगभग चार वर्षों अर्थात करीब 1500 दिनों से एक भी ब्रेकडाउन दर्ज नहीं हुआ है। विशेष बात यह है कि इनमें कुछ ऐसी महत्वपूर्ण लाइनें भी शामिल हैं, जो लंबे समय से प्रदेश की विद्युत पारेषण व्यवस्था का आधार बनी हुई हैं।

रेमो डिसूजा की अगली एक्शन एंटरटेनर में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आएंगी नुसरत भरुचा

अभिनेता टाइगर श्रॉफ और निर्देशक-कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा एक बार फिर एक हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर के लिए साथ आ रहे हैं। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की स्टारकास्ट में अब एक और बड़ा नाम जुड़ गया है और वो नाम है फैशन दीवा नुशरत भरुचा का, जो फिल्म में एक प्रमुख किरदार निभाती नजर आएंगी। पहली बार टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी नुसरत फिल्म से जुड़े एक सूत्र के अनुसार, निर्माता ऐसी अभिनेत्री की तलाश में थे जो अपने किरदार में मजबूती के साथ भावनात्मक गहराई भी ला सके और नुसरत भरुचा इस भूमिका के लिए उनकी पहली पसंद साबित हुईं।

सूत्र ने बताया, टीम ऐसे कलाकार की तलाश में थी जो कहानी में मजबूती और भावनात्मक गहराई दोनों ला सके। नुसरत शुरू से ही सबसे मजबूत विकल्पों में थीं। फिलहाल इस फ़िल्म में उनका किरदार बेहद प्रभावशाली है और दर्शक उन्हें बिल्कुल नए अंदाज में देखेंगे।

हालांकि निर्माताओं ने अभी तक उनके किरदार का खुलासा नहीं किया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि नुसरत की भूमिका कहानी का अहम हिस्सा होगी और वह पारंपरिक हीरोइन से कहीं आगे जाकर कहानी को नई दिशा देती नजर आएंगी।यह पहली बार होगा जब टाइगर श्रॉफ और नुसरत भरुचा किसी फिल्म में साथ स्क्रीन शेयर करेंगे।

न्यूज गैलरी

बांग्लादेश में डेंगू का प्रकोप बढ़ा, अब तक 59 लोगों की मौत

ढाका। बांग्लादेश में डेंगू के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं. अब तक 59 लोगों की मौत हो गई है जबकि इस साल अब तक 17,880 मामले सामने आए हैं.सूत्रों ने स्वास्थ्य महानिदेशालय यानी डायरेक्टरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज (डीजीएचएस) के हवाले से इसकी जानकारी दी.डीजीएचएस के अनुसार, ढाका डिवीजन इससे सबसे ज्यादा पीड़ित क्षेत्र है. कुल 6,871 दर्ज मामले रिपोर्ट हुए जिसमें से 4,404 मामले तो शहर के ही थे. 3,647 केस के साथ, बारिशाल डिवीजन दूसरे नंबर पर रहा, इसके बाद चटगांव में 3,082 और खुलना में 2,272 केस दर्ज किए गए. ढाका डिवीजन में मृतकों की संख्या भी सबसे अधिक है. सूची में ये सबसे ऊपर है, कुल 26 में से 25 ढाका में हुईं. रिपोर्ट के मुताबिक, खुलना में 12 लोगों की मौत हुई, इसके बाद चटगांव और मैमनसिंह में क्रमश: सात और छह लोगों ने बीमारी से जान गंवाई.डेंगू, मच्छर से होने वाली वायरल बीमारी है, जो बांग्लादेश में एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या का रूप लेती जा रही है. यह मुख्य रूप से एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से फैलने वाली बीमारी है. नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ बांग्लादेश में जूलॉजी डिपार्टमेंट (प्राणीशास्त्र विभाग) में एसोसिएट प्रोफेसर, जीएम सैफुर रहमान ने कहा कि नवीनतम आंकड़े ढाका के उच्च जनसंख्या घनत्व, लगातार एडीज मच्छर प्रजनन और अपर्याप्त वेक्टर नियंत्रण उपायों के संयोजन को दर्शाते हैं.ज्यादा आबादी, गर्म मौसम और बहुत ज्यादा ब्रीडिंग ग्राउंड का मेल एडीज मच्छरों और डेंगू वायरस दोनों के लिए साल भर फैलने के लिए सही हालात पैदा करता है. यही कारण है कि ढाका एक बड़ा डेंगू हॉटस्पॉट बन गया है.सूत्रों ने सैफुर के हवाले से कहा, कुछ ही दिन पहले, सेंट्रल मेट्रोपॉलिटन विमेंस कॉलेज में जांच के दौरान हमने पाया कि पानी के एक छोटे कंटेनर में एडीज मच्छर के लार्वा मौजूद थे. ऐसी ब्रीडिंग साइट्स पूरे शहर में आम हैं, जिससे पता चलता है कि एडीज मच्छर रिहायशी इलाकों में लगातार बढ़ रहे हैं.इस बात पर जोर देते हुए कि मच्छरों को नियंत्रित करने के उपाय बचाव के बजाय ज्यादातर प्रतिक्रिया के रूप में सामने आते रहे हैं, उन्होंने आगे कहा, सबसे असरदार स्ट्रेटेजी यह होगी कि जब डेंगू का फैलाव काफी कम हो, तब मच्छरों को कंट्रोल करना तेज किया जाए. उस समय, ब्रीडिंग साइट्स कम होते हैं, और ऐसे में उन्हें नियंत्रित करना आसान होता है. हालांकि देखा ये जाता है कि, मच्छरों को कंट्रोल करने की कोशिश आमतौर पर डेंगू सीजन शुरू होने के बाद ही तेज होता है, तब तक संक्रमण काफी तेजी से फैल चुका होता है।

घर के लिए ऋषभ पंत का छलका दर्द

सीएम धामी से लगाई गुहार तो मिला ये जवाब

देहरादून। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत मैदान पर अपने बेखौफ अंदाज के लिए जाने जाते हैं, लेकिन असल जिंदगी में वे इन दिनों एक बड़ी परेशानी से जूझ रहे हैं।

दिल्ली से अपनी मातृभूमि उत्तराखंड शिफ्ट होने का सपना संजोए पंत पिछले तीन सालों से देवभूमि में जमीन खरीदने के लिए भटक रहे हैं, लेकिन उन्हें निराशा ही हाथ लगी है। परेशान होकर अब

इस स्टार क्रिकेटर ने आधी रात को सोशल मीडिया के जरिए सीधे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मदद की गुहार लगाई है। पंत की इस भावुक अपील पर सीएम धामी ने भी तुरंत संज्ञान लिया है और अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं। शुक्रवार आधी रात को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए ऋषभ पंत ने अपना दर्द खुलकर बयां किया। उन्होंने लिखा कि उत्तराखंड का मूल निवासी होने के नाते वह अब दिल्ली से अपने गृह राज्य में शिफ्ट होना चाहते हैं, लेकिन जमीन से जुड़े मामलों में स्पष्टता न होने के कारण उन्हें रहने के लिए कोई अच्छी और बड़ी जगह नहीं मिल पा रही है।

पंत ने सीएम धामी से विनम्र अपील करते हुए कहा कि वे पिछले तीन साल से जमीन तलाश रहे हैं, लेकिन उन्हें कामयाबी नहीं मिली।

ई20 पेट्रोल में 500 पीपीएम क्लोराइड और नमी के दावे सही नहीं पाए गए

नई दिल्ली। ई20 पेट्रोल में नमी और अत्यधिक मात्रा में क्लोराइड पाए जाने संबंधी हालिया मीडिया रिपोर्टों के बाद तेल विपणन कंपनियों ने देशभर में ईंधन की पूरी आपूर्ति श्रृंखला की व्यापक जांच की। जांच के दौरान सामने आए परिणामों में 500 पीपीएम क्लोराइड और नमी की मौजूदगी के दावों की पुष्टि नहीं हुई। कंपनियों के अनुसार, वैज्ञानिक तरीके से किए गए व्यापक और यादृच्छिक परीक्षणों में ई20 पेट्रोल की गुणवत्ता निर्धारित सीमा के भीतर पाई गई है।तेल विपणन कंपनियों ने उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया है कि ईंधन की गुणवत्ता उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। वाहन के प्रदर्शन अथवा उपभोक्ताओं के विश्वास को प्रभावित करने वाली किसी भी संभावित समस्या की वैज्ञानिक जांच कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की जा रही है।भारत सरकार ने पेट्रोल में मिश्रण के लिए इस्तेमाल होने वाले एथेनॉल में क्लोराइड की मात्रा के लिए कड़े मानक निर्धारित किए हैं। पूरी आपूर्ति श्रृंखला में इन मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए उच्च आवृत्ति वाली निगरानी व्यवस्था लागू है। क्लोराइड की जांच रिफाइनरियों, आसवनी इकाइयों, भंडारण डिपो, टर्मिनल और खुदरा ईंधन केंद्रों सहित आपूर्ति श्रृंखला के विभिन्न स्तरों पर की जा रही है।

एआई रिसर्च को मिलेगी 250 एआई पेटाफ्लॉप की ताकत

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह के दौरान शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईआईटी दिल्ली परिसर से ऑनलाइन माध्यम के जरिए सोनीपत परिसर में स्थापित अत्याधुनिक सुपरकंप्यूटिंग सुविधा 'परम प्रज्ञा' का उद्घाटन किया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग के लिए विकसित इस सुविधा में 400 एनवीडिया ए100 80 जीबी ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) लगाए गए हैं।

टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी ने खुद से 7 साल बड़ी मशहूर टीवी एक्ट्रेस से रचाई शादी

नई दिल्ली। खेल जगत और ग्लैमर वर्ल्ड का पुराना नाता एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते हुए सितारे और आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए बल्ले और गेंद से धूम मचाने वाले स्टार ऑलराउंडर रमनदीप सिंह अपनी नई पारी की शुरुआत कर चुके हैं। 29 वर्षीय रमनदीप सिंह ने टेलीविजन इंडस्ट्री की जानी-मानी अदाकारा चार्ली चौहान को अपना हमसफर चुन लिया है और दोनों सात जन्मों के पवित्र बंधन में बंध गए हैं। इनकी शादी की खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं।

पंजाबी रीति-रिवाज से संपन्न हुई शादी

रमनदीप और चार्ली की शादी पारंपरिक पंजाबी रीति-रिवाजों के साथ बेहद शानदार तरीके से हुई। इस विवाह समारोह में दोनों के परिवारों के करीबी सदस्य और कुछ खास दोस्त ही शामिल हुए। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज और रमनदीप के बेहद करीबी दोस्त अर्शदीप सिंह ने भी शादी में शिरकत की। अर्शदीप ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस नए जोड़े की एक प्यारी सी तस्वीर साझा कर उन्हें जिंदगी के इस नए और खूबसूरत सफर की ढेरों शुभकामनाएं दी हैं।क्रिकेट और टीवी जगत के इस नए जोड़े की शादी में एक खास बात दोनों की उम्र का अंतर भी है। घरेलू क्रिकेट में पंजाब का प्रतिनिधित्व करने वाले रमनदीप सिंह अभी 29 साल के हैं। वहीं, हिमाचल प्रदेश के शिमला में जन्मीं उनकी दुल्हनिया चार्ली चौहान 36 वर्ष की हैं। दोनों के बीच 7 साल का फासला है, लेकिन तस्वीरों में इन दोनों की गजब की केमिस्ट्री देखकर यह साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्यार के आगे उम्र सिर्फ एक नंबर भर है।रमनदीप की पत्नी चार्ली चौहान एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री का एक बहुत ही लोकप्रिय नाम हैं। उन्होंने साल 2009 में युवाओं के बीच मशहूर रियलिटी शो 'एमटीवी रोडीज' से अपने अभिनय करियर का शानदार आगाज किया था। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और 'कैसी ये यारियां' व 'बेस्ट फ्रेंड्स फॉरएवर' जैसे सुपरहिट टीवी सीरियल्स से घर-घर में अपनी एक अलग पहचान बनाई। चार्ली अपने शानदार डांस के लिए भी जानी जाती हैं और वह डांसर कुंवर अमर के साथ चर्चित डांस रियलिटी शो 'नच बलिए' में भी अपने हुनर का जलवा बिखेर चुकी हैं।

कार्यालय कलेक्टर जिला रायगढ़ एवं पदेन उप सचिव छ.ग. शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

अधिसूचना

दिनांक- 27/07/2026

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक- 202605042100050/अ-82/2026-27 चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि नीचे अनुसूची के कॉलम (1) से (5) में दर्शित भूमि की अनुसूची के कॉलम (7) में दर्शित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने संभावना है, अतः भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 जिसे एतद् पश्चात अधिनियम 2013 का जायेगा, की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबंधो के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है, कि राज्य शासन एतद्वारा अनुसूची के कॉलम (6) में उल्लेखित प्राधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में धारा 12 के अंतर्गत दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :-

अनुसूची

रायगढ़ जिले में एयरपोर्ट विकास परियोजना ग्राम- कोड़ातराई, पहनं. 05, तह. पुसौर, जिला- रायगढ़ (छ.ग.)

ख.नं.	रकबा	ख.नं.	रकबा	ख.नं.	रकबा	ख.नं.	रकबा	ख.नं.	रकबा	ख.नं.	रकबा
771/1	0.587	1149/5	0.449	1135/1	0.138	1134/4/घ	0.040	1347/1	0.005	1151/2/ङ	0.085
1132/1	0.025	1149/6	0.202	1135/2	0.166	1134/4/ङ	0.040	1347/2	0.016	1151/2/च/1	0.042
772/1/क/1	0.037	1147/7	0.203	1135/3	0.348	1134/4/च	0.040	1347/3	0.040	1151/2/च/2	0.043
772/1/क/2	0.049	1332/1	0.008	1135/4	0.049	1134/4/छ	0.040	1348/1	0.045	1151/2/च/3	0.084
772/1/क/3	0.049	1332/5	0.069	1135/6	0.097	1134/4/ज/1	0.040	1349/1	0.094	1151/2/छ	0.084
772/1/क/4	0.048	1293/1	0.162	1137	0.106	1134/4/ज/2	0.045	1350/1	0.154	1152/1	0.263
772/1/क/5	0.048	1293/2	0.324	1138	0.495	1134/4/झ	0.040	1350/2	0.154	1152/2	0.227
772/1/क/6	0.048	1292/1	0.405	1139/1	0.120	1133/2/ख	0.049	1157/2	0.122	1153/1	0.134
772/1/ख	0.170	1292/2	1.141	1139/2	0.164	767/1	0.162	1157/3	0.096	1157/1	0.479
772/3	0.206	1311/1	0.051	1139/3	0.060	767/2	0.166	1157/4	0.122	1159/1	0.230
1132/2	0.049	1311/3	0.769	1139/4	0.059	1148/1	0.603	1157/5	0.021	1288/4	0.142
1132/3	0.049	1311/4	0.041	1140/1	0.227	1148/2	0.301	1288/1	0.012	1289/1	0.117
1132/4	0.049	1311/5/क	0.203	1140/3	0.226	1148/3	0.320	1295/1	0.016	1289/2	0.081
1132/5	0.048	1311/5/ख	0.202	1141/1	0.045	1148/4	0.301	1298	0.017	1290/1	0.008
1132/6	0.048	1311/6	0.142	1141/2	0.045	1303/1	0.049	1299	0.057	1290/2	0.263
1132/7	0.048	1311/7	0.121	1141/3/क	0.025	1303/2	0.113	1318	0.012	1290/3	0.028
1132/8	0.049	1311/8	0.072	1142/1	0.040	717/1	0.105	1317/1	0.057	1290/4	0.061
1132/9	0.049	1311/9/क/1	0.040	1142/2	0.040	717/2	0.105	724/1	0.024	1290/5	0.008
1132/10	0.049	1311/9/क/2	0.039	1142/3	0.040	717/3	0.105	724/2	0.028	1290/6	0.016
1132/11	0.048	1311/9/क/3	0.039	1143/1	0.069	717/4	0.210	724/3	0.028	1291/1/क	0.494
1132/13	0.290	1311/9/क/4	0.117	1143/2	0.069	717/5	0.105	724/4	0.014	1291/1/ख	0.494
1133/1	0.332	1311/9/ख	0.008	1144	0.138	719/1	0.033	724/5	0.014	1291/3	0.320
1133/3	0.055	1311/10/क	0.123	1145/1	0.008	719/1/क	0.065	725/1	0.048	1291/4/क	0.113
1133/4/ग	0.040	1311/10/ख	0.016	1146/1	0.040	719/1/ख	0.032	725/2	0.061	1291/4/ख	0.044
1133/5	0.053	1311/10/ग	0.124	1146/3	0.041	719/1/ग	0.064	725/3	0.065	1291/4/ग	0.049
1133/6	0.049	1311/11	0.039	1147/1	0.103	719/2	0.028	725/4	0.065	1291/5	0.405
1310/2	0.162	1311/12	0.039	1147/2	0.271	719/3	0.028	725/5	0.049	1291/6	0.340
722/2	0.012	1311/13	0.049	1147/3/क	0.015	719/5	0.097	731	0.158	1291/7	0.352
723/1	0.012	1311/14	0.040	1147/3/ख	0.015	719/6	0.026	732/1	0.057	1291/8	0.044
723/2	0.040	1312/1	0.405	1147/3/ग	0.015	719/7	0.178	732/2	0.056	1291/9	0.049
723/3	0.024	1312/2	0.162	1147/3/घ	0.045	719/8	0.117	733	0.813	1294/1	0.146
723/4	0.113	1312/3	0.020	1147/3/ङ/1	0.022	719/9	0.027	734	0.040	1294/2	0.170
727/1	0.040	1312/4	0.028	1147/3/ङ/2	0.022	719/10	0.097	735	0.061	1294/3	0.061
727/2	0.024	1312/5	0.121	1147/4	0.103	720/1	0.113	736	0.239	1296	0.036
727/3	0.405	1312/6	0.162	1147/6	0.103	720/2/क	0.174	737	0.109	1297	0.028
727/4	0.101	1312/7	0.020	1148/5	0.405	720/2/ख	0.087	738/1	0.264	1300/1	0.109
727/10	0.041	1312/8	0.029	1148/6	0.293	720/2/ग	0.087	738/2	0.133	1300/2	0.109
727/5	0.101	1313/1/क	0.049	1148/7	0.632	720/3	0.117	739/1	0.405	1301	0.352
727/6	0.239	1313/1/ख	0.020	1148/8	0.162	720/4	0.117	739/2	0.117	1302	0.045
727/7	0.041	1313/2	0.113	1148/10	0.272	1131/1	0.130	740/1	0.258	1304/2	0.206
727/8	0.101	1341	2.371	1148/11	0.085	1131/3/क	0.067	741	0.583	1305/1	0.623
727/9	0.040	1342	1.011	1148/12	0.302	1131/3/ख	0.065	742/1	0.088	1305/3	0.409
727/11	0.101	1343	1.073	1148/13	0.293	773/1	0.186	747	0.591	1306/3	0.489
728/1	0.198	1338	0.008	1148/14	0.302	773/2	0.154	761/1	0.049	1307/3	0.109
728/2	0.199	1340/2	0.016	1148/15	0.162	773/3	0.579	762	0.030	1307/4	0.138
729/1	0.170	1340/3/ख	0.025	1148/16	0.271	766	0.462	763/2	0.040	1307/5/क	0.186
729/2	0.170	1333/1	0.077	1149/7	0.203	1351	0.486	764/1	0.025	1307/5/ख	0.008
730/1	0.328	1333/2	0.025	1150/1/क/1	0.045	1352/2	0.243	764/2	0.023	1307/6	0.097
730/2	0.328	1333/4	0.024	1150/1/क/2	0.045	1352/3	0.044	765	0.057	1307/8	0.093
1314/1/क	0.049	1333/5	0.024	1150/1/क/3	0.042	1352/4	0.044	770/2/क	0.095	1307/9	0.110
1314/1/ख	0.020	1333/6	0.025	1150/1/क/4	0.045	1352/5	0.044	770/1	0.117	1308/1	0.054
710/1	0.348	1333/7	0.024	1150/1/क/5	0.045	1352/6	0.044	770/2/ख	0.095	1308/3	0.312
710/2	0.348	1333/8	0.024	1150/1/क/6	0.045	1352/7	0.007	770/3	0.097	1308/4	0.154
710/3	0.348	1333/9	0.024	1150/2	0.405	1352/8	0.037	1133/2/क	0.206	1309/1/क	0.218
768	0.328	1333/10	0.024	1151/1क	0.106	1352/9	0.037	1133/4/घ	0.040	1309/1/ख	0.219
769	0.312	1130/2	0.039	1151/1/ख/2	0.067	1149/1	0.465	1133/4/च	0.040	1309/3	0.270
1134/1	0.287	1130/1	0.039	1151/1ख/3	0.067	1149/2	0.405	1133/4/छ	0.040	1309/5	0.269
1134/2	0.219	1130/3	0.008	1151/1/ख/1	0.068	1149/3	0.444	1133/4/झ	0.040	1310/1	0.121
1134/3	0.202	1130/6	0.015	1151/2/क	0.011	1149/4	0.242	1133/4/ञ	0.040	1314/2	0.101
1134/4/क	0.040	742/2	0.398	1151/2/ख	0.037	1315	0.190	1316	0.053		
1134/4/ख	0.040	740/2	0.271	1151/2/ग	0.037	कुल भूमि खसरा नं. 365 कुल रकबा 53.900 हे.					
1134/4/ग	0.040	748	0.068	1151/2/घ	0.085						

2. यह भी सूचित किया जाता है, कि उपरोक्त भूमि में कोई भी हितबद्ध व्यक्ति इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि के 60 दिवस के भीतर अर्जित की जाने वाली भूमि के क्षेत्रफल एवं उपयुक्तता, लोक प्रयोजन के औचित्य तथा सामाजिक समाघात निर्धारण के निष्कर्ष के बारे में अपना दावा / आपत्ति लिखित में कलेक्टर को स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से अधिनियम 2013 की धारा 15 उपधारा (1) के अंतर्गत प्रस्तुत कर सकेगा।

3. भूमि का नक्शा/प्लान अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) रायगढ, के कार्यालय में देखा जा सकता है।

4. प्रस्तावित भू-अर्जन से किसी भी प्रभावित परिवार का विस्थापन निहित नहीं है।

5. प्रस्तावित भू-अर्जन के लिए अधिनियम 2013 की धारा 43 के तहत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रायगढ़, जिला रायगढ़ को पुनर्वास और पुनर्वस्थापन प्रशासक नियुक्त किया गया है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

(मयंक चतुर्वेदी)

कलेक्टर रायगढ़ एवं पदेन उप सचिव

छ.ग. शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

जी-262702642/1

भूतेश्वर महाकाल की गौरवगाथा को जन-जन तक पहुंचाने की पहल

- प्रभावशाली व्यक्तियों व सामग्री निर्माताओं का हुआ मिलन
- मंदिर के इतिहास,धार्मिक मान्यताओं और पालकी यात्रा की परंपराओं की दी गई जानकारी

जगदलपुर/नवप्रदेश। श्रावण मास में भगवान शिव के प्रति आस्था और भक्ति का वातावरण पूरे बस्तर अंचल में बना हुआ है। इसी धार्मिक माहौल के बीच भूतेश्वर महाकाल की गौरवगाथा,धार्मिक महत्व और प्राचीन परंपराओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की पहल शुरू की गई है। इसी उद्देश्य से रविवार को आयोजित भूतेश्वर महाकाल मंदिर सेवा समिति से जुड़े आचार्य पण्डित रोमितराज त्रिपाठी व मुख्य पुजारी पंडित चन्दन तिवारी समेत अन्य सदस्यो ने प्रभावशाली व्यक्तियों व सामग्री निर्माता मिलन समारोह में बड़ी संख्या में सामाजिक माध्यमों से जुड़े प्रभावशाली व्यक्तियों और सामग्री निर्माताओं ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में उपस्थित साथियों ने एक-दूसरे से परिचय प्राप्त किया और क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को व्यापक स्तर पर प्रचारित-प्रसारित करने को लेकर विचार साझा किए। इस दौरान आचार्य पंडित रोमितराज त्रिपाठी ने भूतेश्वर महाकाल मंदिर के इतिहासधार्मिक महत्व और इससे जुड़ी मान्यताओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। मंदिर की आस्था और परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए सामाजिक माध्यमों की भूमिका पर भी चर्चा हुई।

पालकी यात्रा और स्थानीय परंपराओं को मिलेगा व्यापक मंच

मिलन समारोह में समिति के लोगो ने प्रभावशाली लोगों को आगामी 24 अगस्त 2026 को पालकी यात्रा तथा उससे जुड़ी धार्मिक परंपराओं और कार्यक्रमों की जानकारी भी विस्तार से दी गई। आयोजकों का उद्देश्य बस्तर अंचल के साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों तथा पड़ोसी राज्य ओडिशा के श्रद्धालुओं को भूतेश्वर महाकाल की धार्मिक महत्ता से परिचित कराना है। इस दौरान मंदिर समिति के अध्यक्ष योगेश शुक्ला,सचिव अभय दीक्षित समेत पंडित अनिल सामंत,पंडित किशोर तिवारी,राकेश साहू,पंडित दृशान चक्रवती,पंडित प्रदीप पाढ़ी,पंडित चुम्मन पांडे,रोहन देवांगन,पंडित ओम ब्रम्हा,विपिन पाणिग्रही चंकी पांडे संजू पटेल, मोहित राव, अमन ठाकुर,राजा व अन्य सम्मलित थे। यह मिलन केवल परिचय का कार्यक्रम न होकर क्षेत्र की धार्मिक विरासत को नई पीढ़ी से जोड़ने की दिशा में एक शुरुआत

आयोजकों ने कहा कि प्रभावशाली व्यक्तियों,सामग्री निर्माताओं और युवाओं के माध्यम से स्थानीय संस्कृति,धार्मिक परंपराओं और क्षेत्र की सकारात्मक पहचान को सामाजिक माध्यमों के जरिए दूर-दूर तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। यह मिलन केवल परिचय का कार्यक्रम न होकर क्षेत्र की धार्मिक विरासत को नई पीढ़ी से जोड़ने की दिशा में एक शुरुआत है। आने वाले दिनों में अधिक से अधिक युवा और सामग्री निर्माता इस पहल से जुड़ेंगे। श्रावण मास में भगवान शिव की भक्ति के बीच भूतेश्वर महाकाल की आस्था को जन-जन तक पहुंचाने के इस प्रयास से क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को नया विस्तार मिलने की उम्मीद है।

आकाश नगर के नर्मदेश्वर शिवालय में गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे

महा रुद्राभिषेक के बाद भंडारे में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

जगदलपुर/नवप्रदेश। राजीव गांधी वार्ड क्रमांक 33 के आकाश नगर स्थित श्री नर्मदेश्वर शिवालय में सावन के पावन अवसर पर रविवार को महा रुद्राभिषेक एवं महाभंडारे का आयोजन किया गया। वार्डवासियों के सहयोग से निर्मित इस शिवालय में पूरे सावन माह धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। महा रुद्राभिषेक में बड़ी संख्या में महिला,पुरुष और बच्चों ने शामिल होकर भगवान शिव की आराधना की।

रविवार सुबह 11 बजे विधि-विधान से महा रुद्राभिषेक शुरू हुआ। श्रद्धालुओं ने भगवान नर्मदेश्वर का जल,दूध,दही,घी, शहद सहित विभिन्न पूजन सामग्रियों से अभिषेक किया। पूजन के दौरान मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से गूंजता रहा। श्रद्धालुओं में भगवान शिव के प्रति गहरी आस्था और उत्साह देखने को मिला।

अभिषेक के बाद हुआ महाभंडारा

महा रुद्राभिषेक के पश्चात मंदिर परिसर में महाभंडारे का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और वार्डवासियों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय लोगों का विशेष सहयोग रहा। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

25 अगस्त को सुबह 11 बजे कांवड़ यात्रा

शिवालय समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि सावन माह में नर्मदेश्वर शिवालय में लगातार धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। आगामी 25 अगस्त को सुबह 11 बजे कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी। कांवड़ यात्रा के बाद महाभंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। सावन भर चलने वाले इन आयोजनों में आकाश नगर के अलावा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु पहुंचकर भगवान शिव की आराधना कर रहे हैं। आकाश नगर में आयोजित महा रुद्राभिषेक और भंडारे में श्रद्धालुओं की बड़ी मौजूदगी ने सावन की धार्मिक आस्था और उत्साह को और गहरा कर दिया।

स्मार्ट मीटर और बढ़े बिजली बिल के खिलाफ कांग्रेस का जनसंपर्क अभियान

- घर-घर पहुंचे कार्यकर्ता, उपभोक्ताओं से भरवाए आवेदन

जगदलपुर/नवप्रदेश। स्मार्ट मीटर और बढ़ते बिजली बिलों के विरोध में कांग्रेस ने जनसंपर्क एवं हस्ताक्षर अभियान तेज कर दिया है। शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुशील मौर्य के नेतृत्व और नगरनार ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष संतोष सेठिया की अगुवाई में कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता घाटपदमुर मंडल के ग्राम नेगीगुड़ा सहित विभिन्न बस्तियों और वार्डों में घर-घर पहुंचे। इस दौरान उपभोक्ताओं से स्मार्ट मीटर हटाकर पुराने पारंपरिक मीटर लगाए जाने की मांग से संबंधित आवेदन फॉर्म भरवाए गए।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों और बिजली उपभोक्ताओं से चर्चा कर उनकी समस्याएं जानीं। इस दौरान कई उपभोक्ताओं ने बढ़े हुए बिजली बिलों को लेकर नाराजगी जताई। उनका कहना था कि नए स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिलों में वृद्धि हुई है, जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों का घरेलू बजट प्रभावित हो रहा है। उपभोक्ताओं ने स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए।

सुशील मौर्य बोले- जनता की लड़ाई हर स्तर पर लड़ेगी कांग्रेस

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में महंगाई का बोझ लगातार बढ़ रहा है। स्मार्ट मीटर के कारण आम उपभोक्ताओं में असंतोष है। कांग्रेस जनता की समस्याओं को लेकर लगातार आवाज उठाती रहेगी। उन्होंने कहा कि जब तक जबरन लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों को हटाकर पुराने मीटर बहाल नहीं किए जाते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

नगरनार ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष संतोष सेठिया ने सरकार से पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना पुनः शुरू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि योजना बंद होने और स्मार्ट मीटर लगाए जाने से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के उपभोक्ता परेशान हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार ने स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया पर रोक नहीं लगाई तो कांग्रेस आंदोलन को और व्यापक करेगी।

अभियान में किसान कांग्रेस अध्यक्ष दयाराम कश्यप,मंडल अध्यक्ष भोजराज नाग,विजय प्रकाश दास, धरमदास नाग, दिलीप साहू, हस्ता राम,तिलक यादव, कमल सेठिया,तिरनाथ बेलसरिया, ललित रावत,माहरु राम कश्यप,मोहन,रामनाथ सेठिया,उमेश सेठिया,अजय,मुकुंद नेताम,भालुराम मंडावी सहित घाटपदमुर मंडल एवं नगरनार ब्लॉक कांग्रेस के कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण व बिजली उपभोक्ता मौजूद रहे।

कांग्रेस ने 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना प्रारंभ करे

नेगीगुड़ा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने घर-घर पहुंचकर उपभोक्ताओं से संवाद किया। स्मार्ट मीटर हटाने और पुराने मीटर बहाल करने की मांग को लेकर आवेदन भरवाए गए। उपभोक्ताओं ने बढ़े बिजली बिलों को लेकर अपनी परेशानी बताई। कांग्रेस ने 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना फिर शुरू करने की मांग करते हुए आंदोलन को आगे बढ़ाने की चेतावनी दी।

स्वस्थ सदस्य, स्वस्थ रोटरी अभियान के तहत स्वास्थ्य जांच और फिटनेस सत्र आयोजित

जगदलपुर/नवप्रदेश। नव प्रदेश रोटरी क्लब जगदलपुर की ओर से ÷स्वस्थ सदस्य-स्वस्थ रोटरी÷ अभियान के अंतर्गत रविवार को स्वास्थ्य एवं फिटनेस को समर्पित विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रोटरी क्लब के पदाधिकारियों, वरिष्ठ रोटेरियन्स एवं उनके परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में आनंदम डायग्नोस्टिक में रोटेरियन्स एवं उनके परिवार के सदस्यों की स्वास्थ्य जांच और रक्त परीक्षण किया गया। इस दौरान आनंदम डायग्नोस्टिक के निदेशक डॉ. वेद प्रकाश पांडे को स्वास्थ्य सेवाओं में सहयोग के लिए रोटरी क्लब की ओर से सम्मानित किया गया।

इसके बाद नयापारा स्थित फ्रीक फिटनेस में फिटनेस एवं व्यायाम पर विशेष सत्र आयोजित हुआ। डॉ खेमलाल आजाद ने नियमित व्यायाम, शारीरिक सक्रियता और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व की जानकारी दी। फ्रीक फिटनेस के निदेशक फरहान खान को भी क्लब की ओर से सम्मानित किया गया।

स्वस्थ नागरिक,स्वस्थ बस्तर बनेगा अगला लक्ष्य

रोटरी क्लब ने बताया कि 'स्वस्थ सदस्य, स्वस्थ रोटरी' की यह पहल आगे चलकर 'स्वस्थ नागरिक, स्वस्थ बस्तर' के व्यापक सामाजिक अभियान का रूप लेगी। इसके माध्यम से बस्तर में स्वास्थ्य जागरूकता, नियमित स्वास्थ्य जांच, फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नॉमिनी नवीन भावसार, रोटरी क्लब जगदलपुर अध्यक्ष मनोज थॉमस, उपाध्यक्ष संग्राम सिंह राणा सहित कमल सेठी, दीपक कपूर, अविनाश जैन,सुनील जैन, संजय बथवाल, गणेश गुप्ता, राजू लुक्कड़,गौतम लुक्कड़, साहिल बर्वाटिया,सुमन भावसार,डॉ सरिता थॉमस, दिनेश कागोत, संदीप पारख,निखिल जैन,अजय त्रिवेदी,मोहित गोंदी, रोट्रैक्टर आसिफखान एवं के. वेंकट राव सहित अन्य रोटेरियन्स एवं रोट्रैक्टर्स उपस्थित रहे।

सोमारी बघेल का सपना हुआ साकार

सुकमा/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण ने जिले के ग्रामीण अंचलों में जरूरतमंद परिवारों के जीवन में स्थायी बदलाव की नई इबारत लिखी है। ग्राम पंचायत बोकड़ाओडर, जनपद पंचायत छिंदगढ़ निवासी श्रीमती सोमारी बघेल पति श्री लाखमा का वर्षों पुराना पक्का घर का सपना अब साकार हो चुका है। कभी कच्चे और जर्जर मकान में बारिश के दौरान छत से टपकते पानी, कमजोर होती दीवारों तथा सांप-बिच्छुओं के खतरे के बीच परिवार को असुरक्षा में जीवन बिताना पड़ता था।

सीजीपीएससी उप निरीक्षक चयन पर कांग्रेस के फर्जी नैरेटिव का पर्दाफाश : अभिलाष

जगदलपुर/नवप्रदेश। सीजीपीएससी उप निरीक्षक भर्ती में चयनित युवाओं के नामों को लेकर कांग्रेस द्वारा सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर उठाए गए सवालों पर भारतीय जनता युवा मोर्चा ने पलटवार किया है। भाजयुमो जिला अध्यक्ष इंजीनियर अभिलाष यादव ने कहा कि चयनित अभ्यर्थियों के स्वयं सामने आकर स्थिति स्पष्ट करने से कांग्रेस द्वारा फैलाया जा रहा कथित भ्रम अब पूरी तरह बेनकाब हो गया है।

अभिलाष यादव ने कहा कि कांग्रेस को युवाओं की सफलता और उनकी मेहनत पर सवाल उठाने के बजाय तथ्यों के आधार पर अपनी बात रखनी चाहिए। प्रतियोगी परीक्षा में दिन-रात मेहनत कर सफलता हासिल करने वाले युवाओं को राजनीतिक स्वार्थ के लिए बदनाम करना नकारात्मक राजनीति का उदाहरण है। चयनित युवाओं के सम्मान के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की प्राथमिकता पारदर्शी व्यवस्था, निष्पक्ष अवसर और युवाओं के भविष्य को मजबूत करना है। यदि कांग्रेस किसी भर्ती प्रक्रिया पर सवाल उठाती है तो उसे प्रमाण और तथ्यों के साथ अपनी बात जनता के सामने रखनी चाहिए, न कि चयनित अभ्यर्थियों के नामों को लेकर भ्रम पैदा करना चाहिए।

कथित झूठे नैरेटिव गढ़ने के बजाय वह तथ्यों के साथ सामने आए : अभिलाष यादव ने कांग्रेस को चुनौती देते हुए कहा कि राजनीति के लिए कथित झूठे नैरेटिव गढ़ने के बजाय वह तथ्यों के साथ सामने आए। बस्तर का युवा अब जागरूक है और झूठ, भ्रम तथा राजनीतिक प्रचार को पहचानने में सक्षम है। उन्होंने उप निरीक्षक भर्ती में चयनित सभी युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी सफलता बस्तर सहित छत्तीसगढ़ के लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा है।

पश्चिम नगर मंडल कार्यसमिति की बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों को तेज करने पर जोर

हर घर तिरंगा अभियान को भव्य रूप देने भाजपा ने बनाई कार्ययोजना

- शक्ति केंद्र और बूथ स्तर पर बैठकों में कार्यकर्ताओं की भागीदारी बढ़ाने का आह्वान

जगदलपुर/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी पश्चिम नगर मंडल कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, तिरंगा यात्रा, हर घर तिरंगा अभियान और समरसता संकल्प अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं से इन कार्यक्रमों को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने तथा जनता से निरंतर संवाद और संपर्क बढ़ाने का आह्वान किया गया।

मंडल अध्यक्ष प्रकाश झा ने बैठक में प्रारंभिक वृत्त प्रस्तुत करते हुए संगठन की आगामी गतिविधियों की जानकारी दी। मंडल प्रभारी एवं जिला उपाध्यक्ष आर्येंद्र सिंह आर्य, जिला महामंत्री परीस राम बेसरा तथा जिला उपाध्यक्ष सफीरा साहू ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आगामी तिरंगा यात्रा और हर घर तिरंगा अभियान को भव्य स्वरूप देने के लिए बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाना आवश्यक है। साथ ही समरसता संकल्प अभियान को गति देने तथा शक्ति केंद्र और बूथ स्तर की बैठकों में अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों में सभी कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय और सहयोग स्थापित करने की कार्ययोजना पर भी चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने कहा कि बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने के साथ ही आम जनता से जुड़ाव बढ़ाना पार्टी की प्राथमिकता है। बैठक का संचालन महामंत्री अतुल सिम्हा ने किया तथा आभार प्रदर्शन संजय चंद्राकर ने किया।

बैठक में शशि नाथ पाठक, सुधा मिश्रा, योगेश शुक्ला, अविनाश गौतम, सूर्यभूषण सिंह, गायत्री कश्यप, आशा साहू, दिलीप सुंदरानी, बी. जयराम, ममता राणा, माहेश्वरी ठाकुर, योगेश ठाकुर, संग्राम सिंह राणा, निर्मल पाणिग्रही, संजय विश्वकर्मा, बसंती समरथ, कलावती कसेर, अभिलाष यादव, नरेंद्र पाणिग्रही, किशोर महावर, कमलेश विश्वकर्मा, मोहम्मद इमरान, शंभू नाग, माणिक पंत, राजपाल कसेर, पूनम सिन्हा, बिजली बैद, परमेश राजा, अनिमेष चौहान, दिलीप झा, पारुल बोथरा, त्रिवेणी रंधारी, माया रानी बरई, माधवी मंडल, रूपेश जैन, कौशल्या छतरी, कौशल्या साहू, अनीता भारत, उमा मिश्रा, बृजेश शर्मा, बृजेश कपूर, योगेश पाणिग्रही, युजवेंद्र सिंह, नवीन बोथरा, विनोद पांडे, मनमोहन बघेल और सुनील दास सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक में आगामी तिरंगा यात्रा और हर घर तिरंगा अभियान को भव्य बनाने पर सहमति बनी। इसके साथ ही समरसता संकल्प अभियान को गति देने तथा शक्ति केंद्र और बूथ स्तर की बैठकों को नियमित करने की योजना बनाई गई। कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक लोगों को संगठनात्मक कार्यक्रमों से जोड़ने और जनता के बीच सक्रिय संपर्क बढ़ाने का आह्वान किया गया।

सूखे कपड़े उठाते समय करंट की चपेट में आई 75 वर्षीय महिला, मौके पर मौत

- तार से कपड़े निकालने के दौरान हुआ हादसा, दमकसा गांव में पसरा मातम

कांकेर/दुर्गूकोंदल/नवप्रदेश। ग्राम दमकसा में शनिवार को एक दर्दनाक हादसे में 75 वर्षीय महिला की बिजली करंट की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान मंगतीन आचला के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है, वहीं परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम दमकसा निवासी मंगतीन आचला शनिवार को अपने घर में रोजमर्रा के घरेलू कार्य कर रही थीं। इसी दौरान वह सूखने के लिए डाले गए कपड़ों को तार से उठाने के लिए पहुंचीं। कपड़े उठाते समय अचानक वह बिजली करंट की चपेट में आ गईं। करंट का झटका इतना तेज था कि वह मौके पर ही गिर पड़ीं और उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और आसपास के ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे। हादसे को देखकर ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। परिजनों ने घटना की सूचना संबंधित पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटना के संबंध में आवश्यक जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। हादसा किस कारण से हुआ और कपड़े के तार में बिजली का करंट कैसे पहुंचा, इसकी भी जांच की जा रही है। बताया गया है कि मृतका मंगतीन आचला गोंडी धर्माचार्य शेरसिंह आचला की पत्नी थीं। उनके आकस्मिक निधन की खबर मिलते ही परिवार, रिश्तेदारों और समाज के लोगों में शोक की लहर दौड़ गई।

बंगाल की खाड़ी के निम्न दबाव से रुक-रुककर हो रही बारिश

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में इन दिनों मौसम का मिजाज बदला हुआ है। दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे लगे उत्तरी ओडिशा के ऊपर बने निम्न दबाव के क्षेत्र का असर प्रदेश के मौसम पर साफ दिखाई दे रहा है। प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बारिश का दौर जारी है। रविवार से रुक-रुककर बारिश हो रही है। उमस से परेशान लोगों को राहत मिली। बारिश के कारण शहर के तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई।

मौसम में बदलाव के चलते बारिश से वातावरण ठंडा हुआ। उमस के बाद बारिश होने से लोगों ने राहत महसूस की। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी निम्न दबाव के प्रभाव से प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश की गतिविधियां बनी रहने की संभावना है। पिछले 24 घंटे के दौरान दुर्ग प्रदेश में सबसे गर्म रहा। यहां अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं पेंड्रा रोड में न्यूनतम तापमान 21.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। इस अवधि में बलरामपुर और पेंड्रा जिले के कुछ स्थानों पर सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई। हालांकि प्रदेश में अब तक की मौसमी वर्षा सामान्य से करीब 7 प्रतिशत कम है। उत्तर छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। बारिश के साथ कुछ स्थानों पर गरज-चमक और आकाशीय बिजली गिरने की स्थिति भी बन सकती है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक निम्न दबाव का प्रभाव अगले कुछ दिनों तक बना रह सकता है। इसके चलते प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश की गतिविधियां जारी रहने के आसार हैं। लोगों को गरज-चमक के दौरान खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे जाने से बचने की सलाह दी गई है।

बिलासपुर सहित 22 जिले में बिजली गिरने का अलर्ट

मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ के 22 जिलों में बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताई है। इनमें बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, कोरबा, जशपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, मुंगेली, सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया और बलरामपुर शामिल हैं। इन क्षेत्रों में बादल छाए रहने के साथ रुक-रुककर बारिश हो सकती है। गरज-चमक के दौरान लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

पेंड्रा में सबसे कम तापमान

प्रदेश में पिछले 24 घंटे के दौरान तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। पेंड्रा रोड में न्यूनतम तापमान 21.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बलरामपुर और पेंड्रा जिले के कुछ हिस्सों में इस दौरान सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई। हालांकि, प्रदेश में मौसमी वर्षा का आंकड़ा अभी सामान्य से करीब 7 प्रतिशत कम है। आने वाले दिनों में बारिश बढ़ने से इस अंतर में कमी आने की संभावना है।

न्यूज गैलरी

संजय एसईसीआर के पीआरओ बने

बिलासपुर/नवप्रदेश। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय में संजय कुमार पाण्डेय ने शुक्रवार को जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) का पदभार ग्रहण किया। पाण्डेय ग्राम सेमरताल के निवासी हैं। उनकी स्कूली शिक्षा भी बिलासपुर के गर्वमेंट स्कूल से हुई है। बिलासपुर से उनका व्यक्तिगत और शैक्षणिक जुड़ाव रहा है। अब वे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय, बिलासपुर में जनसंपर्क अधिकारी के रूप में अपनी नई जिम्मेदारी निभाएंगे।

बिना लाइसेंस बेची जा रही दवाइयां जब्त

बिलासपुर/नवप्रदेश। तखतपुर ब्लॉक के ग्राम खमरिया में खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने बिना औषधि अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) के दवाइयों के भंडारण पर कार्रवाई की। 7 अगस्त को सूचना के आधार पर सोमू मेडिकल स्टोर्स के पीछे स्थित क्लीनिक की जांच की गई। यहां बीरेन्द्र मालिक द्वारा बिना वैध लाइसेंस के 36 प्रकार की दवाइयां रखी मिलीं। टीम ने सभी औषधियां जब्त कर लीं। विभाग के अनुसार बिना लाइसेंस दवाओं का भंडारण औषधि अधिनियम 1940 का उल्लंघन है। जब्त दवाओं के निर्धारित प्रक्रिया के तहत नमूने लिए जाएंगे और परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजे जाएंगे। कार्रवाई सहायक औषधि नियंत्रक भीष्म देव सिंह के नेतृत्व में औषधि निरीक्षक सुनील पंडा ने की। विभाग ने कहा कि बिना लाइसेंस दवाओं का क्रय-विक्रय व भंडारण आमजन के स्वास्थ्य के लिए भी खतरा है।

साइकिल मिली, हंसिका की दिनचर्या बदली

बिलासपुर/नवप्रदेश। किसी भी बेटी के सपनों को नई उड़ान देने के लिए केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि विद्यालय तक सहज पहुंच भी उतनी ही आवश्यक होती है। छत्तीसगढ़ शासन की सरस्वती साइकिल योजना इसी सोच को साकार कर रही है। यह योजना बेटियों को केवल साइकिल ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, समय की बचत और शिक्षा की नई दिशा भी दे रही है। जिले के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय, चकरभाठा की कक्षा 9वीं की छात्रा हंसिका नेताम इसकी जीवंत मिसाल हैं। हंसिका बताती हैं कि पहले विद्यालय आने-जाने में उन्हें काफी परेशानी होती थी। घर से स्कूल की दूरी तय करने में अधिक समय लग जाता था। कई बार समय पर विद्यालय पहुंचना भी चुनौती बन जाता था, जिससे पढ़ाई और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों पर प्रभाव पड़ता था। प्रतिदिन लंबी दूरी तय करने से थकान भी महसूस होती थी।

ई-साक्ष्य और चार्जशीट में लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाईः एसएसपी रजनेश

दस पुलिस कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए पांच हजार के नकद पुरस्कार

बिलासपुर/नवप्रदेश। नए आपराधिक कानून के लागू होने के बाद बिलासपुर पुलिस ने थानों में कानून के प्रावधानों के पालन और तकनीकी प्रक्रिया की निगरानी तेज कर दी है। पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी अलग-अलग आदेशों में बेहतर काम करने वाले थाना प्रभारियों और पुलिसकर्मियों की सेवा पुस्तिका में प्रशंसा अंकित करने के साथ नकद पुरस्कार दिया गया है। वहीं, निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं करने वाले थाना प्रभारियों को भविष्य के लिए चेतावनी भी दी गई है।

पुलिस कार्यालय के आदेशों के मुताबिक 60 से 90 दिनों के भीतर न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत करने के मामले में छह थाना प्रभारियों के बेहतर कार्य को देखते हुए उनकी सेवा पुस्तिका में प्रशंसा अंकित कर उन्हें पुरस्कृत किया गया है। इनमें महिला थाना प्रभारी निरीक्षक मानकुंवर सिदार, सरकंडा थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप आर्य, सिरगिट्टी के निरीक्षक वाय.पी. सिंह, रतनपुर के निरीक्षक निलेश पाण्डेय, तोरवा के निरीक्षक रजनीश सिंह समेत अन्य अधिकारी शामिल हैं। पुलिस ने नए कानून के तहत दर्ज अपराधों की विवेचना में ई-साक्ष्य तैयार कर एसआईडी जनरेट करने और उसे संबंधित अपराध से लिंक करने में बेहतर काम करने वाले 10 पुलिसकर्मियों को नकद पुरस्कार देने का आदेश भी जारी किया है। इन सभी को 500-500 रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। इस तरह कुल 5 हजार रुपए की राशि पुरस्कार के रूप में निर्धारित की गई है। पुरस्कार पाने वालों में सकरी, कोटा, सिरगिट्टी, सीपत, सरकंडा और तखतपुर थाने के पुलिसकर्मी शामिल हैं।

ई-साक्ष्य में लापरवाही 8 टीआई को चेतावनी

एक अन्य आदेश में नए कानून के तहत दर्ज अपराधों की विवेचना में ई-साक्ष्य तैयार कर एसआईडी जनरेट करने और उसे अपराध से लिंक करने में लापरवाही पाए जाने पर आठ थाना प्रभारियों को चेतावनी दी गई है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में ई-साक्ष्य से जुड़े प्रावधानों की पुनरावृत्ति होने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

10 थाना प्रभारियों को चेतावनी

जहां बेहतर काम करने वाले पुलिसकर्मियों को प्रोत्साहित किया गया है, वहीं नए कानून की प्रक्रिया में लापरवाही बरतने वालों पर भी पुलिस अधीक्षक कार्यालय ने सख्त रुख अपनाया है। एक आदेश में डिजिटल साइन एफआईआर और चार्जशीट को सीसीटीएनएस सॉफ्टवेयर में अपलोड करने में नए कानून के प्रावधानों का पालन नहीं करने वाले 10 थाना प्रभारियों को भविष्य के लिए चेतावनी दी गई है। इनमें अजाक, चकरभाठा, सिटी कोतवाली, सिविल लाइन, कोनी, रतनपुर, तारबाहर, तोरवा, मोपका और बेलगहना से जुड़े अधिकारी शामिल हैं।

न्यायालय में चालान पेश करने में 9 थाने उत्कृष्ट

एक अन्य आदेश में 1 जुलाई 2024 से 4 अगस्त 2026 तक चार्जशीट का ड्राफ्ट तैयार कर न्यायालय में प्रस्तुत करने में उत्कृष्ट कार्य करने वाले नौ थाना प्रभारियों की सेवा पुस्तिका में प्रशंसा अंकित करने का निर्णय लिया गया है। इसमें सिविल लाइन, रतनपुर, सीपत, मस्तुरी, तोरवा, बिल्हा, कोनी, सिरगिट्टी और तखतपुर थाना प्रभारी शामिल हैं।

डिजिटल एफआईआर में 6 की प्रशंसा

नए आपराधिक कानून के तहत डिजिटल साइन एफआईआर और चार्जशीट को सीसीटीएनएस सॉफ्टवेयर में अपलोड करने में बेहतर काम करने वाले छह थाना प्रभारियों को भी प्रशंसा दी गई है। पुलिस आदेश में सिरगिट्टी, सकरी, मस्तुरी, सरकंडा, बिल्हा और पचपेड़ी थाना प्रभारियों के नाम शामिल हैं।

60 से 90 दिन में चार्जशीट नहीं, 18 थाना प्रभारियों की सेवा पुस्तिका में चेतावनी

सबसे महत्वपूर्ण आदेश में जिले के विभिन्न थानों में दर्ज प्रकरणों में 60/90 दिनों के भीतर न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत नहीं किए जाने के कारण 18 थाना प्रभारियों की सेवा पुस्तिका में चेतावनी अंकित करने का निर्णय लिया गया है। इस सूची में बिल्हा, सीपत, मस्तुरी, तखतपुर, सिटी कोतवाली, कोनी, सिविल लाइन, सकरी, चकरभाठा, तारबाहर, पचपेड़ी, हिर्री, रतनपुर, महिला थाना, अजाक, तोरवा, सिरगिट्टी और रेंज साइबर थाना के प्रभारी शामिल हैं।

नए कानून के साथ तकनीकी प्रक्रिया पर फोकस

पुलिस के इन आदेशों से स्पष्ट है कि नए आपराधिक कानून के लागू होने के बाद सिर्फ अपराधों की विवेचना ही नहीं, बल्कि चार्जशीट की समयसीमा, डिजिटल एफआईआर, डिजिटल चार्जशीट, ई-साक्ष्य, एसआईडी जनरेशन, ई-एफएसएल और मेडलिएपर पोर्टल जैसी तकनीकी प्रक्रियाओं को भी प्रदर्शन का आधार बनाया जा रहा है। एक तरफ उत्कृष्ट कार्य करने वालों की सेवा पुस्तिका में प्रशंसा दर्ज कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया है, वहीं दूसरी तरफ प्रक्रिया में लापरवाही बरतने वालों को चेतावनी देकर भविष्य में सुधार के निर्देश दिए गए हैं।

ई-एफएसएल डाटा में 9 थाना प्रभारियों के कार्य उत्कृष्ट

1 जुलाई 2024 से 4 अगस्त 2026 तक ई-एफएसएल डाटा रासायनिक परीक्षण के लिए भेजने के मामले में भी नौ थाना प्रभारियों के कार्य को उत्कृष्ट माना गया है। इनमें सरकंडा, सिरगिट्टी, सिविल लाइन, सकरी, रतनपुर, सीपत, तोरवा, कोनी और तखतपुर थाना प्रभारी शामिल हैं। इनकी सेवा पुस्तिका में प्रशंसा अंकित की जाएगी।

नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींवः घोष

बिलासपुर/नवप्रदेश। डा. सीवी रमन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार घोष ने कहा कि नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव हैं।

कुलसचिव डॉ. अरविंद कुमार तिवारी ने कहा कि युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति हैं और उनकी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प अभियान' के शुभारंभ अवसर पर दिए गए ऑनलाइन संबोधन का डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय में सामूहिक प्रसारण किया गया। विश्वविद्यालय परिवार ने प्रधानमंत्री के नशामुक्ति संदेश को सुना और नशामुक्त भारत के निर्माण का सामूहिक संकल्प लेते हुए शपथ ली। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की एनसीसी एवं एनएसएस इकाइयों के स्वयंसेवकों के साथ उन्नत भारत अभियान के तहत गोद लिए गए गांवों के ग्रामीण और विद्यार्थी, हॉस्टल के छात्र-छात्राएं, प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए। सभी ने युवाओं को नशे से दूर रखने तथा समाज में नशामुक्ति को लेकर जनजागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। युवाओं को जागरूक कर स्वस्थ, संस्कारवान और जिम्मेदार नागरिक बनाना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए लगातार जागरूकता गतिविधियों को बढ़ावा देगा।

जिले में 'हर घर तिरंगा' अभियान आज से प्रारंभ

तिरंगा रैलियां, साइकिल-बाइक-कार रैली, तिरंगा दौड़ एवं मैराथन आयोजित किए जाएंगे

बिलासपुर/नवप्रदेश। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जिले में 'हर घर तिरंगा' एवं 'वंदे मातरम' कार्यक्रमों का व्यापक आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आयोजन की तैयारियों के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपते हुए सभी कार्यक्रमों का व्यवस्थित एवं प्रभावी आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

राज्य शासन के संस्कृति विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप 7 से 15 अगस्त तक वंदे मातरम् तथा 9 से 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिले के सभी नगरीय निकायों, जनपद पंचायतों, ग्राम पंचायतों, स्कूल-कॉलेजों एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत जिले में तिरंगा यात्राएं, तिरंगा रैलियां, साइकिल-बाइक-कार रैली, तिरंगा दौड़ एवं मैराथन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों, युवाओं, स्वयं सहायता समूहों, एनसीसी, एनएसएस, स्काउट-गाइड, पुलिस विभाग, खिलाड़ियों तथा आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न स्तरों पर आयोजित होने वाली तिरंगा यात्राओं में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। अभियान के तहत तिरंगा कॉन्सर्ट, तिरंगा कैनवास, तिरंगा प्रतिज्ञा, तिरंगा सेल्फी और तिरंगा सम्मान जैसी गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी। स्थानीय स्वतंत्रता सेनानियों, वीरों तथा उनके परिवारों को कार्यक्रमों में आमंत्रित कर सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा तिरंगा मेलों का आयोजन कर स्थानीय कारीगरों और स्व-सहायता समूहों को प्रोत्साहित किया जाएगा। कार्यक्रम स्थलों पर झंडे, वस्त्र एवं अन्य सामग्री के स्टॉल लगाए जाएंगे, जिससे स्थानीय उत्पादों को भी बढ़ावा मिलेगा। जिले के स्कूलों, कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों में देशभक्ति गीत प्रतियोगिता, भाषण, विचार गोष्ठी, संगोष्ठी, छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। स्कूलों के बैंड द्वारा वंदे मातरम् से संबंधित संगीत कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे। 14 अगस्त को 'वंदे मातरम्' पर आधारित प्रदर्शनी तथा सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस बैंड द्वारा वंदे मातरम् एवं देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति भी होगी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को जिला मुख्यालय से लेकर जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय स्तर तक ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगीत एवं वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया जाएगा। जिले के प्रमुख स्थलों, शासकीय कार्यालयों, शिक्षण संस्थानों एवं सार्वजनिक स्थानों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर समयबद्ध ढंग से आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि अभियान में समाज के सभी वर्गों की सहभागिता हो और हर घर तिरंगा अभियान को जनभागीदारी का व्यापक स्वरूप दिया जाए। जिले के नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे हर घर तिरंगा अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराएं और देशभक्ति की भावना के साथ अभियान को सफल बनाएं।

चेकिंगः जयरामनगर स्टेशन में अफसरों की टीम ने चलाया अभियान

26 ट्रेनों में टिकट चेकिंग अभियानः 297 मामले में 1. 94 लाख जुर्माना वसूले

बिलासपुर/नवप्रदेश। टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा एवं बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों की रोकथाम तथा स्टेशनों में यात्रियों को रेलवे नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा सहायक वाणिज्य प्रबंधक डी एस चौहान के नेतृत्व में जयरामनगर स्टेशन में कल औचक टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान में वाणिज्य निरीक्षक, टीटीई स्टाफ तथा आरपीएफ स्टाफ शामिल थे।

इस दौरान जयरामनगर स्टेशन एवं यहां से गुजरने वाली 26 गाड़ियों में औचक टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान में कुल 297 मामलों से 1 लाख 94 हजार 620 रुपए बतौर जुर्माना वसूले गए। जिसमें बिना टिकट के 245 मामले से 1,80,250 रुपए, अनियमित टिकट के 17 मामले से 10,670 रुपए तथा बिना बुक किए गए लगेज के 35 मामले से 3,700 रुपए शामिल है। रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे यात्रा के लिए उचित एवं वैध टिकट लेकर ही यात्रा करें तथा स्टेशन परिसर में प्रवेश से पूर्व प्लेटफार्म टिकट अवश्य खरीदें। एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए फुटओवर ब्रिज का ही उपयोग करें। रेलगाड़ी राष्ट्रीय संपत्ति है, इसे स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखने में रेल प्रशासन का सहयोग करें।

चैंबर के कार्यकारी अध्यक्ष कमल सोनी का इस्तीफा

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की कार्यकारिणी समिति की बैठक से पहले संगठन में विवाद सामने आया है। बिलासपुर संभाग के कार्यकारी अध्यक्ष कमल सोनी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने चैंबर अध्यक्ष सतीश थौरानी को भेजे त्यागपत्र में संविधान में संशोधन नहीं किए जाने और प्रदेश के सभी क्षेत्रों को समान प्रतिनिधित्व नहीं मिलने पर नाराजगी जताई है।

कमल सोनी ने अपने त्यागपत्र में कहा कि चैंबर से जुड़ने का उनका मुख्य उद्देश्य संगठन के संविधान में मौजूद खामियों को दूर कराना था।

खासकर धारा 1 और धारा 15 में संशोधन की मांग की गई थी। कमल सोनी का कहना है कि इससे पूरे छत्तीसगढ़ में संतुलित नेतृत्व, समान प्रतिनिधित्व और व्यापारियों की प्रभावी आवाज सुनिश्चित की जा सकती है। सोनी के मुताबिक, करीब डेढ़ साल के दौरान उन्होंने इस मुद्दे को लेकर कई बार पत्राचार किया और व्यक्तिगत रूप से भी चैंबर अध्यक्ष का ध्यान आकर्षित कराया, लेकिन कोई ठोस पहल नहीं हुई।

सावन में शिवमय छत्तीसगढ़

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजते शिवधाम

सावन का महीना आते ही छत्तीसगढ़ की धरती हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठती है। कांवड़ियों की कतार, हाथों में गंगाजल और शिवलिंग पर जलाभिषेक करते श्रद्धालु–हर ओर भक्ति और आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिलता है। छत्तीसगढ़ में भगवान शिव को समर्पित कई प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिर हैं, जो अपनी स्थापत्य कला, पौराणिक मान्यताओं और धार्मिक महत्व के लिए देशभर में प्रसिद्ध हैं। सावन में इन शिवधामों में दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ता है। भोरमदेव, कुलेश्वर, भूतेश्वर, पातालेश्वर-केदारेश्वर, सुरंग टीला, लक्ष्मणेश्वर, रूद्रेश्वर और देवबलौदा जैसे प्राचीन मंदिर आस्था के प्रमुख केंद्र हैं। मान्यता है कि सावन में इन धामों में श्रद्धा से भगवान शिव का अभिषेक और पूजन करने से मन को शांति मिलती है और भोलेनाथ भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। यही वजह है कि सावन में पूरा छत्तीसगढ़ मानो शिव की भक्ति में रंग जाता है।

कुलेश्वर महादेव मंदिर, राजिम

रायपुर जिले के राजिम कस्बे में स्थित कुलेश्वर मंदिर 9वीं शताब्दी का एक प्राचीन स्थल है। महानदी, पैरी और सोंढूर नदियों के त्रिवेणी संगम पर स्थित है। ऊंचे चबूतरे पर बने इस मंदिर में गर्भगृह, अंतराल और मंडप है, जो इसके समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। कुलेश्वर महादेव मंदिर का इतिहास करीब एक हजार वर्ष पुराना माना जाता है। मंदिर का संबंध कलचुरी शासनकाल से जोड़ा जाता है। प्राचीन समय से राजिम को 'छत्तीसगढ़ का प्रयाग' कहा जाता है और कुलेश्वर महादेव यहां के प्रमुख आराध्य देव माने जाते हैं। राजिम कुंभ की धार्मिक परंपरा में भी इस मंदिर का विशेष महत्व है।

सुरंग टीला मंदिर, सिरपुर

महासमुंद जिले के सिरपुर में सुरंग टीला मंदिर, 7वीं शताब्दी का पवित्र शिव मंदिर है। पश्चिम की ओर मुख किए हुए इस मंदिर में पांच गर्भगृह हैं, जिनमें अलग-अलग रंगों के शिवलिंग सफेद, काला, लाल और पीला विराजित हैं। एक गर्भगृह भगवान गणेश को समर्पित है।

पातालेश्वर/केदारेश्वर महादेव

बिलासपुर जिले में स्थित पातालेश्वर/केदारेश्वर महादेव मंदिर एक ऐतिहासिक मंदिर है। सोमराज नामक ब्राह्मण द्वारा कलचुरी काल में निर्मित यह मंदिर 10वीं से 13वीं शताब्दी के बीच का है। बिलासपुर शहर से 32 किमी दूर नगर पंचायत मल्हार में स्थित यह मंदिर प्राचीन स्थापत्य कला की झलक पेश करता है।

ज्वालेश्वर महादेव मंदिर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश की सीमा पर पुरातन ज्वालेश्वर महादेव मंदिर है। शिवरात्रि और सावन के दौरान इस मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। भक्त अमरकंटक से मां नर्मदा का जल लेकर शिवरात्रि पर्व में जलाभिषेक करने के लिए ज्वालेश्वर मंदिर पहुंचते हैं। ज्वालेश्वर महादेव के संबंध में मान्यता है कि पिनाक धनुष से बाणासुर का वध करने के बाद महादेव ज्वाला के रूप में मैकाल पर्वत पर इसी स्थान पर प्रकट हुए। ये ज्वाला आगे चलकर शिवलिंग के रूप में परिवर्तित हो गई। ज्वालेश्वर शिवलिंग के ठीक नीचे से ही जोहिला नदी का उद्गम भी है। पुराने समय में इस स्थान को महा रूद्र मेर कहा जाता था। स्कंद पुराण में मान्यता है कि ज्वालेश्वर शिवलिंग पर दूध और शीतल जल अर्पित करने से सभी पाप धुलते हैं। साथ ही साथ दुखों का नाश भी हो जाता है।

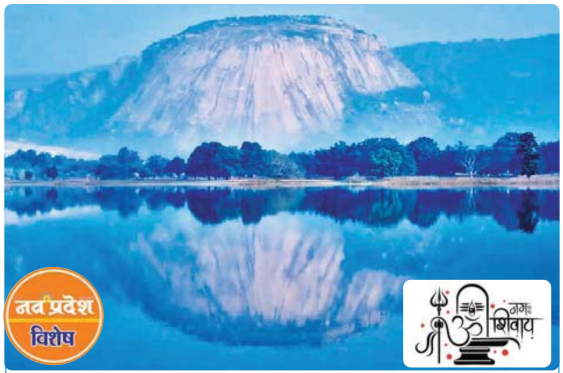

विश्व का सबसे बड़ा प्राकृतिक शिवलिंग

विशाल गुफा में विराजमान हैं माधेश्वर महादेव

जशपुर/नवप्रदेश। जशपुर जिला प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है, यहां पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। यूं तो जिले में छोटे बड़े दर्जनभर पर्यटन स्थल हैं लेकिन इन सब में सबसे खास है जशपुर का माधेश्वर महादेव पहाड़, जिसे विश्व का सबसे बड़ा शिवलिंग माना जा रहा है। स्थानीय लोग दशकों से इस पर्वत की पूजा पाठ करते रहे हैं।

दरअसल, कुनकुरी विकासखण्ड के मयाली गांव में स्थित माधेश्वर महादेव के दर्शन कई किलोमीटर दूर से किये जा सकते हैं। अब माधेश्वर महादेव को पर्यटन के मानचित्र में लाने कुनकुरी से विधायक और सूबे के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पहल शुरू कर दी है। माधेश्वर महादेव को स्वदेश दर्शन योजना में शामिल कर इसके सौंदर्यीकरण और विकास के लिए 40 करोड़ रुपये मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वीकृत किये हैं। कुनकुरी विकासखण्ड मुख्यालय के मयाली गांव में स्थित माधेश्वर महादेव कटनी-गुमला नेशनल हाईवे से 5 किलोमीटर दूर और बतौली-चरईडांड़ स्टेट हाइवे के किनारे स्थित है। इस विशालकाय पर्वत की आकृति शिवलिंग के आकार की है। इस स्थल को सालों से यहां के आदिवासी और अन्य समाज के लोग महादेव मानकर पूजते आये हैं। इस पर्वत के नीचे एक विशालकाय गुफा भी है, जहां आज तक कोई भी गुफा के आखिरी छोर तक नहीं पहुंच पाया और माना जाता है कि यहां महादेव विराजते हैं। इस शिवलिंग के ठीक सामने एक जलाशय भी है। विश्व के सबसे बड़े शिवलिंग के आसपास सौंदर्यीकरण की मांग कई सालों से हो रही थी जो अब सूबे के सीएम ने पूरी की है। मुख्यमंत्री ने स्वदेश दर्शन योजना में शामिल करते हुए इस स्थल के लिए 40 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि की माधेश्वर महादेव को विकसित किये जाने से जिले में पर्यटन को उद्योग के रूप में आगे बढ़ाया जा सकता है। जिले मे राजपुरी, रानीदाह, बेने, गुल्लू, कोतेबिरा, कैलाश गुफा, दरावघाघ समेत एक दर्जन से अधिक जलप्रपात हैं। ठंड के मौसम में जशपुर में पारा न्यूनतम 1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है और कई जगहों पर बर्फ की चादर बिछ जाती है। राम वन गमन के कई प्रमाण आज भी यहां मौजूद हैं। इन पर्यटन स्थलों में सिर्फ जिले भर के लोग आते हैं, लेकिन माधेश्वर महादेव को विकसित किये जाने के बाद देश विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक जशपुर पहुंचेंगे, जो मधेसर महादेव के दर्शन के बाद जिले अन्य पर्यटन स्थलों पर जाएंगे जिससे जिले में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

आस्था का केंद्र सरंगपाल का शिव मंदिर

एकता ठाकुर/रायपुर

छत्तीसगढ़ की जीवनरेखा कही जाने वाली महानदी के त्रिवेणी संगम में प्रकट हुए शिवलिंग से जुड़ी आस्था और विश्वास की कहानी आज भी श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करती है। कांकेर जिला मुख्यालय से करीब 8-9 किलोमीटर दूर सरंगपाल गांव में स्थित प्राचीन शिव मंदिर वर्षों से भक्तों की श्रद्धा का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। स्थानीय मान्यता के अनुसार, कई वर्ष पहले महानदी में ग्रामीणों को एक शिवलिंग दिखाई दिया था। ग्रामीणों ने शिवलिंग को बैलगाड़ी के माध्यम से गांव की ओर ले जाने का प्रयास किया, लेकिन कुछ दूरी पर पहुंचते ही शिवलिंग का भार बैलगाड़ी से नहीं संभला और उसके दोनों पहिए टूट गए। इसे भगवान शिव की इच्छा मानकर उसी स्थान पर शिवलिंग की स्थापना का निर्णय लिया गया। बताया जाता है कि वर्ष 1941 में बाबू कुबेर सिंह चौहान ने इसी स्थान पर मंदिर का निर्माण कराया था। मंदिर में वर्ष में दो बार भव्य मेले का आयोजन होता है। इन अवसरों पर आसपास के गांवों के साथ-साथ दूर-दराज क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। सावन माह में मंदिर की रौनक देखते ही बनती है। श्रद्धालु महानदी से जल लेकर भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। इस दौरान भव्य कावड़ यात्रा भी निकाली जाती है, जिसमें हजारों श्रद्धालु शामिल होते हैं।

सोमनाथ मंदिर, सिमगा, भाटापारा-बलौदाबाजार

सोमनाथ मंदिर के बारे में तो आप सभी ने सुना होगा, पर यह वह सोमनाथ नहीं है, जिसके बारे में आज हम आपको बता रहे हैं। यह सोमनाथ छत्तीसगढ़ में स्थित है। खास बात यह है कि यहां पर शिवनाथ नदी और खारुन नदी का संगम है। इस संगम के कारण यहां पर बेहद सुरम्य प्राकृतिक वातावरण निर्मित होता है। यहीं पर तीन फीट की हाइट वाला शिवलिंग है, इसे यहां पर सोमनाथ के नाम से जाना जाता है। खास बात यह है कि यह शिवलिंग कई सालों पुराना है और खुदाई में यहां से निकला है। धरसींवा से आगे सिमगा से 10 किमी की दूरी पर पहले बायीं ओर खारून नदी और शिवनाथ नदी का संगम सोमनाथ तीर्थ स्थल लखना गांव जाने का रास्ता है। मंदिर में शिव परिवार पार्वती देवी, गणेश जी, कार्तिकेय एवं नन्दी की प्रतिमायें स्थापित हैं।

'गोबराहिन' शिव का पावन धाम, सावन में लगती है कांवड़ियों की लंबी कतार

माही निर्मलकर/रायपुर

छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले के केशकाल के पास गढ़धनोरा में स्थित प्राचीन शिव मंदिर, जिसे गोबराहिन के नाम से जाना जाता है, एक महत्वपूर्ण पुरातात्विक और धार्मिक स्थल है। यहां मिले मंदिरों और अवशेषों का काल लगभग 5वीं से 7वीं शताब्दी ईस्वी माना गया है। बताया जाता है कि ये मंदिर नलवंशी शासकों के काल में ईंटों से बनाए गए थे। यह मंदिर सड़क से दूर, थोड़े ऊंचे स्थान पर हरे-.भरे वादियों के बीच स्थित है। मान्यता है कि शिवलिंग के ऊपर छत का निर्माण नहीं किया जा सकता, इसलिए भगवान शिव के चारों ओर ईंटों से बनी दीवार से इसे घेरा गया है। साल में एक बार महाशिवरात्रि के अवसर पर यहां मेला लगता है। वहीं सावन के महीने में यहां कांवड़ियों की लंबी कतार देखने को मिलती है। दूर-दूर से श्रद्धालु कांवड़ में जल लेकर भगवान शिव को अर्पित करने गोबराहिन मंदिर पहुंचते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि शिवलिंग को दोनों तरफ से गले लगाने पर अगर दोनों हाथ आपस में स्पर्श हो जाएं, तो व्यक्ति को किस्मत वाला माना जाता है। यही वजह है कि यहां आने वाले श्रद्धालु भी अपनी किस्मत आजमाते हैं।

लक्ष्मणेश्वर महादेव, खरौद

जांजगीर जिले के संस्कारधानी शिवरीनारायण के पास खरौद में स्थित लक्ष्मणेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण 6वीं शताब्दी में हुआ था। इस मंदिर में एक लाख छिद्रों वाला शिवलिंग है, जिसके कारण इसे लक्षलिंग नाम दिया गया है। भक्तों का मानना है कि एक लाख चावल के दाने चढ़ाने से उनकी मनोकामना पूरी होती है।

भोरमदेव मंदिर, कबीरधाम

भोरमदेव मंदिर का निर्माण 11वीं शताब्दी में नागवंशी शासक रामचंद्र देव के शासनकाल में कराया गया था। मंदिर की वास्तुकला, बारीक पत्थर की नक्काशी और कलात्मक मूर्तियों के कारण इसे 'छत्तीसगढ़ का खजुराहो' कहा जाता है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने इसे संरक्षित स्मारक के रूप में सुरक्षित रखा है और यह प्रदेश की महत्वपूर्ण सांस्कृतिक धरोहरों में शामिल है।

माधेश्वर महादेव धाम, जशपुर

जशपुर जिले की मयाली पहाड़ी पर स्थित मधेश्वर महादेव धाम प्राकृतिक शिवलिंग के कारण प्रसिद्ध है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार यह स्थान वर्षों से साधु-संतों की तपोभूमि रहा है। पिछले कुछ सालों में यहां सड़क, सीढ़ियां, प्रकाश व्यवस्था और श्रद्धालुओं के लिए अन्य सुविधाओं का विकास किया गया है। इसके बाद यह छत्तीसगढ़ के प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थलों में शामिल हो चुका है और हर साल लाखों श्रद्धालु यहां दर्शन करने पहुंचते हैं।

देवबलौदा शिव मंदिर, चरौदा-भिलाई

दुर्ग जिला मुख्यालय से 22 किलोमीटर दूर देवबलौदा गांव में स्थित प्राचीन शिव मंदिर जमीन से निकले अपने अनोखे शिवलिंग के लिए प्रसिद्ध है। दावा किया जाता कि 12वीं-13वीं शताब्दी के कलचुरी काल में निर्मित इस मंदिर का निर्माण एक ही व्यक्ति ने छह महीने में किया था। सावन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं और अपनी मनोकामना मांगते हैं।

कालेश्वरनाथ मंदिर, जांजगीर

गवन शिव मंदिर, जिसे कालेश्वरनाथ मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, जांजगीर में हसदेव नदी के तट पर स्थित है। यह मंदिर बड़ी संख्या में भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करता है। सावन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचते हैं।

सिरपुर शिव मंदिर, महासमुंद

महासमुंद जिले के सिरपुर में शिव मंदिर से 150 मीटर की दूरी पर स्थित यह तालाब दलदली भूमि होने के बावजूद पूरे साल पानी से भरा रहता है। एक ही पत्थर से निर्मित इस मंदिर में दो गुप्त देवता आदि कल्पेश्वर महादेव और पशुपति सर महादेव विराजमान हैं, जिनके बारे में माना जाता है कि वे झरनों में निवास करते हैं।

भूतेश्वरदेव महादेव, मरौदा, गरियाबंद

गरियाबंद जिले के मरौदा गांव में स्थित भूतेश्वर महादेव किसी राजा द्वारा निर्मित मंदिर नहीं है। यहां प्राकृतिक रूप से स्थापित विशाल शिवलिंग है, जिसे स्वयंभू माना जाता है। स्थानीय मान्यता के अनुसार यह शिवलिंग समय के साथ धीरे-धीरे आकार में बढ़ रहा है, जिसके कारण इसे दुनिया के सबसे बड़े प्राकृतिक शिवलिंगों में से एक माना जाता है।

अष्टमुखी शिव मंदिर, बिलासपुर

सावन के महीने में बिलासपुर के शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ती है। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक राजधानी में प्राचीन अष्टमुखी शिव मंदिर एक प्रमुख आकर्षण है, जहां आशीर्वाद लेने और प्रार्थना करने के लिए भीड़ उमड़ती है।

रुद्रेश्वर धाम: जहां प्रभु श्रीराम ने की थी शिव आराधना

■ सावन में हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठता है रुद्री का रुद्रेश्वर धाम

राजेश रायचुरा/धमतरी

सावन का महीना शुरू होते ही धमतरी से करीब सात किलोमीटर दूर रुद्री गांव स्थित रुद्रेश्वर महादेव धाम हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठता है। सूर्योदय से पहले ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की कतारें लगने लगती हैं। कोई भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए पहुंचता है तो कोई वर्षों पुरानी मनोकामना पूरी होने पर भगवान शिव का आभार व्यक्त करने।

महानदी के किनारे स्थित यह शिवधाम केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की प्राचीन आस्था और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक माना जाता है। रुद्रेश्वर धाम की सबसे बड़ी विशेषता यहां विराजमान स्वयंभू शिवलिंग है। मंदिर ट्रस्ट और पुजारियों के अनुसार यह शिवलिंग किसी व्यक्ति द्वारा स्थापित नहीं किया गया, बल्कि स्वयं प्रकट हुआ है। इसी कारण इसे विशेष धार्मिक महत्व प्राप्त है। शिवपुराण की रुद्र संहिता में स्वयंभू शिवलिंगों की महिमा का वर्णन मिलता है। वहीं रामचरित परंपरा में यह मान्यता प्रचलित है कि भगवान श्रीराम ने वनवास के दौरान इस स्थल पर भगवान शिव की पूजा की थी। इसी विश्वास ने रुद्रेश्वर धाम को राम वनगमन यात्रा से जुड़े प्रमुख धार्मिक स्थलों में शामिल कर दिया है।

महानदी, श्मशान भूमि और शिवधाम का अनूठा संगम

मंदिर का प्राकृतिक परिवेश इसकी आध्यात्मिक गरिमा को और बढ़ा देता है। एक ओर कल-कल बहती महानदी, दूसरी ओर श्मशान भूमि और बीच में विराजमान रुद्रेश्वर महादेव। श्रद्धालुओं का मानना है कि यहां पहुंचते ही मन स्वतः शांत हो जाता है। यही कारण है कि केवल धमतरी ही नहीं, बल्कि रायपुर, दुर्ग, भिलाई, महासमुंद, ओडिशा, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु रुद्रेश्वर महादेव के दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

सावन में मंदिर की रौनक

सावन के दौरान मंदिर की रौनक अपने चरम पर होती है। प्रतिदिन विशेष रुद्राभिषेक, महाआरती, भजन-कीर्तन और शिव आराधना का आयोजन होता है। श्रावण सोमवार और महाशिवरात्रि के अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति इस धाम को विशाल शिव तीर्थ का स्वरूप दे देती है। मंदिर ट्रस्ट की सदस्य श्रीलेखा जाधव बताती हैं कि यह मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं, बल्कि लोगों के विश्वास का केंद्र है। सावन में आने वाले कांवड़ियों और श्रद्धालुओं के लिए भोजन, विश्राम और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी की जाती हैं। उनका कहना है कि यहां आने वाले अधिकांश लोग इस धाम की सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव करते हैं।

आस्था की जड़ें आज भी अडिग

आज रुद्रेश्वर धाम केवल एक प्राचीन शिव मंदिर नहीं, बल्कि धमतरी जिले की धार्मिक पहचान बन चुका है। सावन के प्रत्येक सोमवार को यहां उमड़ने वाली श्रद्धा इस बात का प्रमाण है कि समय बदल सकता है, सुविधाएं बदल सकती हैं और मंदिर का स्वरूप भी बदल सकता है, लेकिन लोगों की आस्था की जड़ें सदियों तक अडिग रहती हैं। महानदी के तट पर विराजमान रुद्रेश्वर महादेव के प्रति श्रद्धा आज भी उसी तरह जीवंत है और सावन में गूंजता हर-हर महादेव का जयघोष इस प्राचीन धाम की धार्मिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचा रहा है। भव्य महानदी गंगा आरती भी अब यहां शुरू हो चुकी है।

बनारस की तर्ज पर भव्य महानदी गंगा आरती

सावन माह के प्रथम सोमवार 3 अगस्त को रुद्री स्थित प्राचीन रुद्रेश्वर महादेव मंदिर के समक्ष पहली बार महानदी के पावन तट पर पहली बार बनारस की तर्ज पर भव्य महानदी गंगा आरती का आयोजन हुआ। अब सावन के प्रत्येक सोमवार को महानदी गंगा आरती होगी। धमतरी युवा ब्रिगेड एवं श्री रुद्रेश्वर महादेव परिवार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस अलौकिक आयोजन ने केवल एक धार्मिक परंपरा की शुरुआत नहीं की, बल्कि धमतरी की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक विरासत और पर्यटन संभावनाओं को भी नई दिशा प्रदान की। मंदिर के पुजारी अंकित दुबे के अनुसार रुद्रेश्वर धाम का महत्व केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि ऐतिहासिक और आध्यात्मिक भी है। त्रेतायुग से जुड़ी मान्यताओं, स्वयंभू शिवलिंग और राम वनगमन की परंपरा ने इस धाम को विशेष पहचान दी है।

हटकेश्वर महादेव मंदिर, महादेव घाट, रायपुर

रायपुर जिला प्रशासन के अनुसार हटकेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण वर्ष 1402 ईस्वी में कलचुरी शासक ब्रह्मदेव राय के शासनकाल में हजीराज नाइक ने कराया था। महादेव घाट स्थित खारून नदी किनारे स्थित यह मंदिर रायपुर की सबसे प्राचीन धार्मिक धरोहरों में गिना जाता है। सावन सोमवार और महाशिवरात्रि के अवसर पर यहां विशेष धार्मिक आयोजन होते हैं और हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। जिसे 'महादेव घाट' भी कहा जाता है।

जलेश्वर महादेव मंदिर बारसूर, दंतेवाड़ा

बारसूर कभी चिंदक नागवंशी राजाओं की राजधानी हुआ करता था। 10वीं से 12वीं शताब्दी के बीच यहां अनेक भव्य मंदिरों का निर्माण कराया गया, जिनमें जलेश्वर महादेव मंदिर प्रमुख है। विशाल पत्थरों से बना यह मंदिर बस्तर की प्राचीन शैव परंपरा और स्थापत्य कला का उत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित,
RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर धोटे*, स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, समाचार संपादक-संदीप दीवान, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com